कल्पमेधा

यदि मनुष्य सीखना चाहे तो प्रत्येक भूल उसे कुछ-न-कुछ शिक्षा दे सकती है।

- चार्ल्स डिकेन्स

सांसों पर आफत

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हर साल सर्दियां आते ही यहां के बाशिंदों की सांसों पर संकट मंडराने लगता है। सरकार के तमाम दावों के बावजूद यहां की वायु स्वच्छ नहीं हो पा रही है। हवा में घुलता प्रदूषण का जहर आमजन की सेहत पर भारी पड़ रहा है। हालत यह है कि मंगलवार को दिल्ली का वायु गणवत्ता सूचकांक चार सौ अंक पार कर गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। दिल्ली से सटे नोएडा की पहचान तो देश के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में की गई। दिल्ली हाई कोर्ट ने भी बुधवार को इस पर चिंता जताई और कहा कि ऐसी 'आपात स्थिति' में सरकार को वायु साफ करने वाले उपकरणों (एअर प्यूरीफायर) पर कर में छूट देने को लेकर विचार करना चाहिए। इसके लिए जीएसटी परिषद को जल्द से जल्द बैठक बुलाने का निर्देश दिया गया। ऐसे में सवाल है कि आखिर शासन एवं प्रशासन प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए कोई स्थायी एवं प्रभावी योजना लागू क्यों नहीं कर पा रहे हैं? इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि जो उपाय लागू किए गए हैं, क्या उन पर व्यावहारिक रूप से अमल हो पा रहा है या नहीं।

यह लंबे समय से बहस का विषय रहा है कि आखिर दिल्ली में प्रदूषण क्यों बढ़ रहा है। इसके लिए कभी पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को जिम्मेदार ठहराया जाता है, तो कभी दिल्ली-एनसीआर में बढ़ती वाहनों की संख्या तथा उद्योग और निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कार्यों को वजह बताया जाता है। मगर इन दिनों तो पराली जलाने की घटनाएं भी बहुत कम सामने आ रही है, फिर दिल्ली की वायु गुणवत्ता का स्तर गंभीर श्रेणी तक कैसे पहुंच रहा है! जाहिर है कि इसके पीछे कोई एक वजह नहीं हो सकती, इसलिए प्रदूषण के सभी स्रोतों का ईमानदारी से आकलन करने की जरूरत है। दूसरा, यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के सुझाव पर अगर वायु साफ करने वाले उपकरणों पर सरकार जीएसटी में छूट दे देती है, तो इसका लाभ भी आर्थिक रूप से सक्षम तबके तक ही सीमित रहेगा। बाकी आम लोगों को तो जहरीली हवा में ही सांस लेना पड़ेगा, उनके स्वास्थ्य की चिंता कौन करेगा। जबकि इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय अपने एक आदेश में कह चुका है कि स्वच्छ हवा पर सभी नागरिकों का अधिकार है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का एक पहलू यह भी है कि मूल समस्या की जड़ तक जाने की बजाय इस पर राजनीति ज्यादा हावी होने लगी है। सियासी दल अपनी जिम्मेदारी और जवाबदेही से पल्ला झाड़ने के लिए एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ते रहते हैं। दिल्ली में सत्तारूढ़ दल भाजपा का तर्क है कि आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कारगर कदम नहीं उठाए गए। वहीं, आम आदमी पार्टी का कहना है कि भाजपा अपनी जवाबदेही से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के आरोप लगा रही है। सवाल है कि क्या इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप से प्रदूषण की गंभीर होती समस्या का समाधान निकल पाएगा? जहरीली हवा की वजह से जो लोग विभिन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, उसके लिए कौन जिम्मेदार है। समय आ गया है कि मानव जीवन की रक्षा को सर्वोपरि मानकर प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयास किए जाएं, ताकि सभी नागरिक स्वच्छ हवा में सांस ले सकें।

लापरवाही का धुआं

आमतौर पर होटलों में ठहरने के दौरान यह उम्मीद की जाती है कि वहां सुकून के साथ सुरक्षित माहौल भी होगा। मगर देश भर के कई होटलों में जिस तरह की लापरवाही बरती जाती है, वह चिंताजनक है। सुरक्षा के बुनियादी इंतजाम न होने के कारण कई दफा लोगों की जान तक चली जाती है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में ऐसी ही एक घटना सामने आई है। यहां एक होटल में सोमवार रात अंगीठी के धुएं के कारण पांच लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। ये सभी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से इस होटल में रंग-रोगन संबंधी कार्य के लिए आए थे और वहीं एक कमरे में ठहरे थे। यह आश्चर्य की बात है कि इस होटल के कमरे में अंगीठी का इस्तेमाल हो रहा था। ऐसे में सवाल है कि अंगीठी का बंदोबस्त होटल प्रबंधन ने ही किया था या फिर इन लोगों ने अपने स्तर पर इसका इंतजाम किया? और अगर निजी तौर पर वहां अंगीठी लाई गई थी, तो कर्मचारियों ने उन्हें रोका क्यों नहीं! यहां तक कि कमरे से उठते धुएं पर भी ध्यान न देना गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करता है।

होटलों में प्राथमिक सुविधाओं के साथ सुरक्षा संबंधी बंदोबस्त की जांच करना स्थानीय प्रशासन की भी जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि धुएं और आग की चेतावनी देने वाले उपकरण आमतौर पर कर्मचारियों को सचेत कर देते हैं। ऐसे में सवाल है कि इस होटल में क्या जरूरी सुरक्षा उपकरण नहीं लगाए गए थे? इस तरह की व्यवस्थागत खामी के लिए होटल प्रबंधन के साथ-साथ वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं, जो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में समय-समय पर सुरक्षा उपायों का निरीक्षण करते हैं। कुरुक्षेत्र में हुए हादसे को टाला जा सकता था, अगर वहां तैनात कर्मचारी सचेत रहते और सुरक्षा के माकूल इंतजाम किए गए होते। लापरवाही के इस धुएं में पांच लोगों के जीवन की लौ बुझ गई, तो इसका दोषी कौन है? इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सरकार और प्रशासन को व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर ठोस कदम उठाने होंगे।

शहरों के शोर से सेहत पर संकट

भारत में शहरीकरण और औद्योगीकरण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण का स्तर भी लगातार बढ़ रहा है। अब यह केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है।

रोहन सिंह

देश में शहरीकरण और औद्योगीकरण के साथ-साथ ध्वनि प्रदूषण का स्तर भी बढ़ता जा रहा है। अब यह केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रहा, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। वर्ष 2000 में सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम लागू किए, जिनके अंतर्गत अस्पतालों, स्कूलों और न्यायालयों के आसपास के क्षेत्रों को शांत क्षेत्र (साइलेंस जोन) घोषित किया गया। इन नियमों का मुख्य उद्देश्य संवेदनशील क्षेत्रों में शोर का स्तर दिन में पचास डेसीबल और रात में चालीस डेसीबल से कम रखना था, जैसा कि नियमों की अनुसूची में निर्धारित है। मगर व्यावहारिक तौर पर इन मानकों का शायद ही कभी पालन हो पाया। विभिन्न सर्वेक्षण बताते हैं कि ढाई दशकों का समय बीतने के बाद भी देश के कई शहर पहले से कहीं अधिक शोरगुल वाले हो चुके हैं। सरकार की ओर से घोषित 'शांत क्षेत्रों' में भी ध्वनि प्रदूषण मानकों से कहीं ज्यादा रहता है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दस राज्यों में 82 स्टेशनों के साथ 'नेशनल एंबियंट नाइज मानिटरिंग नेटवर्क' शुरू किया था। यह नेटवर्क डेटा तो एकत्र करता है, लेकिन इसके आधार पर कोई वास्तविक समय पर नियामक कार्रवाई नहीं होती। भारत के पास अब नियम और निगरानी दोनों हैं, लेकिन मापने योग्य 'शांति' नहीं है। चेन्नई, दिल्ली, लखनऊ, मुंबई, कोलकाता, बंगलुरु और हैदराबाद जैसे महानगर आज पहले से कहीं अधिक शोरगुल वाले हैं। राष्ट्रीय नेटवर्क के तहत निगरानी के अधीन 'शांत क्षेत्र' अब ध्वनि प्रदूषण से रहित वास्तविक सार्वजनिक स्वस्थ क्षेत्रों के बजाय केवल नीतिगत प्रतीक बनकर रह गए हैं। इसे संस्थागत विफलता कहा जाएगा या समन्वय की कमी?

दरअसल, मूल समस्या विभिन्न एजंसियों के बीच समन्वय की कमी में निहित है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से स्थापित मंच के माध्यम से ही डेटा एकत्र करते हैं। मगर नगर निकायों, यातायात पुलिस, स्वास्थ्य विभागों और स्थानीय प्रशासन के साथ कोई एकीकृत तालमेल नहीं है। इसके अलावा ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव को अनिद्रा, उच्च रक्तचाप या हृदय रोग जैसी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं से जोड़ने की कोई समन्वित प्रणाली भी मौजूद नहीं है। हालांकि ध्वनि प्रदूषण का डेटा और स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव दोनों अच्छी तरह प्रलेखित हैं, मगर कमी सिर्फ इन्हें जोड़कर आकलन करने वाले एकीकृत ढांचे की है।

'शांत क्षेत्रों' को अब तक मुख्यतः प्रशासनिक अधिसूचनाओं के रूप में देखा जाता रहा है, न कि सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण क्षेत्रों के रूप में। निगरानी उपकरणों का रखरखाव कमजोर है और बजट केंद्रीय स्तर पर सीमित रहता है, क्योंकि प्रवर्तन की संस्थागत जवाबदेही बिखरी हुई है। नतीजा यह है कि कानून और डेटा मौजूद हैं, लेकिन प्रवर्तन कमजोर है और कार्रवाई नदारद। भारत में शोर केवल सहन ही नहीं किया जाता, बल्कि अक्सर उसे उत्सव की तरह अपनाया जाता है। शादी-ब्याह के बैंड, मंदिरों के लाउडस्पीकर, लगातार हार्न बजाना और जुलूस ये सब रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं, जिससे नागरिक अनुशासन पीछे छूट जाता है। इस स्वीकृति के कारण लोग यह भूल जाते हैं कि शोर एक स्वास्थ्य समस्या है। शासन की प्राथमिकताएं आम तौर पर

विकास परियोजनाओं की ओर झुकी रहती हैं, इसलिए शोर नियंत्रण नीचे खिसक जाता है। ध्वनि प्रदूषण के लिए नियमन अक्सर यातायात, व्यापार और राजनीति से टकराता है, जिससे उसका प्रवर्तन कठिन और अलोकप्रिय हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय भी इस बात को दोहरा चुका है कि प्रदूषण-मुक्त वातावरण

> **विभिन्न शहरों में 'शांत क्षेत्र' अधिसूचित करने का वास्तविक मकसद इन क्षेत्रों को शोरगुल से दूर रखने का था। मगर, केवल कागजों में कानून बना देने से ध्वनि प्रदूषण कम नहीं हो सकता, उसे शहरी नियोजन, प्रभावी प्रवर्तन और सामूहिक जागरूकता के माध्यम से गढ़ना पड़ता है। समस्या पुराने नियमों की नहीं, बल्कि इस बात की है कि वे समय, विज्ञान और शहरी वास्तविकताओं के साथ विकसित नहीं हो पाए। आज शोर केवल एक पर्यावरणीय मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवीय गरिमा के अधिकारों से टकराने वाला संकट बन चुका है।**

का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 का अभिन्न हिस्सा है। इसके बावजूद प्रवर्तन कमजोर बना हुआ है, सीमित नगर क्षमता और असंगत पुलिस प्रक्रिया के कारण। कई शहरों में अधिसूचित 'शांत क्षेत्र' आज भी खराब संकेतक, कम जन-जागरूकता और नियमित निगरानी के अभाव में केवल कागजों पर ही मौजूद हैं। देश में 'शांत क्षेत्र' के लिए मानक दिन में पचास डेसीबल और रात में चालीस डेसीबल निर्धारित हैं। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के मुताबिक, यातायात शोर दिन में 53 डेसीबल और रात में 45 डेसीबल से अधिक नहीं होना चाहिए। देश के सभी बड़े शहरों में भारतीय और विश्व स्वास्थ्य संगठन दोनों के मानकों का उल्लंघन हो रहा है।

शहरों की नियोजन योजनाएं आज भी 'शांत क्षेत्र' को तकनीकी सीमांकन के रूप में देखती हैं, न कि स्वास्थ्य-सुरक्षा क्षेत्रों के रूप में। इस स्थिति में देश को ऐसी प्रणाली की जरूरत है, जो पर्यावरणीय निगरानी को स्वास्थ्य डेटा और शहरी योजना से जोड़े। उदाहरण के लिए, ध्वनि निषेध क्षेत्र के आंकड़ों को अस्पतालों में दर्ज बीमारियों के बढते दायरे, मानसिक स्वास्थ्य रपट या यहां तक कि स्कूलों के प्रदर्शन संकेतकों से जोड़ा जा सकता है। ऐसा एकीकरण नीति निर्धारण के केंद्र को केवल 'प्रदूषण नियंत्रण' से हटाकर 'स्वास्थ्य-केंद्रित व्यवस्था' की ओर ले जाएगा। 'शांत क्षेत्रों' को प्रभावी बनाने के लिए जरूरी है कि ध्वनि प्रदूषण को सिर्फ नियंत्रित करने से आगे बढ़कर सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

इसके अलावा 'शांत क्षेत्रों' को सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण क्षेत्र के रूप में पुनर्परिभाषित करना होगा। उन्हें केवल 'हार्न वर्जित क्षेत्र' नहीं, बल्कि अस्पतालों, स्कूलों और संवेदनशील आबादी वाले इलाकों की रक्षा करने वाले शहरी स्वास्थ्य रक्षा क्षेत्रों के रूप में वर्गीकृत करना होगा। संस्थागत दायित्व और समन्वय को मजबूत करने की जरूरत है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को केवल निगरानी तक सीमित न रखकर उसे अंतर-एजंसी प्रोटोकाल बनाने, अनुपालन लागू करने और स्वास्थ्य-आधारित मानक तय करने का अधिकार देना होगा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका अंतर-विभागीय समन्वय, नीति मार्गदर्शन और स्वास्थ्य-आधारित मानकों के विकास तक विस्तृत होनी चाहिए। यानी प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी तमाम एजंसियों के काम करने के तरीकों में सुधार आवश्यक है। तभी शोर को कम करने का प्रयास एक सरकारी आदेश से बाहर निकलकर सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का मूल सिद्धांत बन सकेगा।

देश में 'शांत क्षेत्र' अधिसूचित करने का वास्तविक मकसद इन क्षेत्रों को शोरगुल से दूर रखने का था। मगर, केवल कागजों में कानून बना देने से ध्वनि प्रदूषण कम नहीं हो सकता, उसे शहरी नियोजन, प्रभावी प्रवर्तन और सामूहिक जागरूकता के माध्यम से गढ़ना पड़ता है। समस्या पुराने नियमों की नहीं, बल्कि इस बात की है कि वे समय, विज्ञान और शहरी वास्तविकताओं के साथ विकसित नहीं हो पाए। आज शोर केवल एक पर्यावरणीय मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवीय गरिमा के अधिकारों से टकराने वाला संकट बन चुका है। मजबूत निगरानी और जवाबदेही के बिना 'शांत क्षेत्र' केवल सरकारी कागजों में उल्लेखित शब्द बनकर रह जाएगा। नियम-कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना होगा और लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करनी होगी। ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण की प्रक्रिया में संसाधनों के अभाव को दूर करना भी जरूरी है। इस सुधार के बिना न तो ध्वनि प्रदूषण की सही तरीके से निगरानी हो सकेगी और न ही प्रभावी उपायों को धरातल पर ठीक तरह से उतारा जा सकेगा। आखिरकार, प्रदूषण रहित वातावरण का अधिकार कोई प्रतीकात्मक अवधारणा नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और मानवीय मूल्यों से जुड़ा मसला है।

सृजन की राह

पवन शर्मा

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां हर पल या कहें कि सेकंड की कीमत तय है। मोबाइल ऐप से लेकर कार्यस्थल की बैठक तक, हर जगह 'उत्पादकता' का शोर है। इस क्रम में लोग इस हद तक व्यस्त हो चुके हैं कि कई बार लगता है कि वे खुद को भूल गए हैं। वहीं चतुर्दिक छा रही इस तरह की व्यस्तता के माहौल में अगर कोई व्यक्ति थोड़ी देर के लिए खिड़की से बाहर बादलों को निहारने लगे, तो वहां मौजूद दूसरे लोग कहेंगे कि ध्यान दो, वक्त मत गंवाओ! सवाल है कि इस तरह ध्यान देने की सीमा क्या है। अगर कोई व्यक्ति खयालों की दुनिया में विचरण करता है, तो क्या ऐसा करना उसका चुनाव नहीं होना चाहिए? आखिर यह सब कैसे धीरे-धीरे उससे छिनता जा रहा है? सवाल यह भी है कि क्या सचमुच खयालों में खो जाना वक्त की बर्बादी है या यह हमारे भीतर कुछ बेहद जरूरी बनाता और संजोता है।

सच यह है कि खयालों में खोना सिर्फ मन की चंचलता नहीं है। यह आत्मा के सांस लेने जैसा है। यह हमें शोरगुल से निकालकर भीतर के शांत कोने में ले जाता है। ऐसे ही क्षणों में हम अपनी थकी हुई चेतना को विश्राम देते हैं और अतीत, वर्तमान एवं भविष्य के धागों को बुनते हैं। कभी कोई पुरानी याद लौट आती है, कभी कोई नया विचार सिर उठाता है, तो कभी कोई अधूरा सपना आकार लेने लगता है। और दुनिया जानती है कि खयालों की इस तरह की दुनिया कई बार जमीन पर हकीकत बनने से पहले की एक जरूरी प्रक्रिया होती है।

इतिहास इसका साक्षी है। न्यूटन अगर बाग में बैठे गिरते सेब को देखकर विचारों में न डूबते, तो गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत शायद और देर से आता। आइंस्टीन भी सापेक्षता का सिद्धांत गढ़ने से पहले कई स्तर पर कल्पनात्मक प्रयोगों से गुजरे होंगे। रवींद्रनाथ ठाकुर नदी की धारा में देखते-देखते कविता बुनने लगे, जो आगे चलकर 'गीतांजलि' में दर्ज होकर अमर हुई। इस तरह के न जाने कितने उदाहरण हमारे आसपास बिखरे मिल जाएंगे। यह सब बताता है कि निष्क्रिय दिखने वाला 'खयालों में डूबना' दरअसल सक्रिय सृजन की जमीन है।

खयालों में खोने को सही ठहराने के क्रम में इसके बचाव की दलीलें असल में सिर्फ खयाल नहीं हैं। बल्कि आधुनिक विज्ञान और मनोविज्ञान भी इसे पुष्ट करते हैं। तंत्रिका विज्ञान के अनुसार, जब हम सपनों में खोते हैं, तो मस्तिष्क में एक नेटवर्क सक्रिय होता है, जो रचनात्मक सोच, समस्या के समाधान और आत्म-चिंतन के लिए जिम्मेदार है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि दिन में थोड़ी देर ध्यान को बिखरने देना लंबे समय में एकाग्रता और भावनात्मक संतुलन को मजबूत करता है।

विडंबना यह है कि आज का समाज लगातार 'करते रहने' को महत्त्व देता है, 'सिर्फ होने' की अहमियत नहीं समझता। ऐसे में खयालों में खोना एक तरह का प्रतिरोध है- इस समय-बोध के खिलाफ। जब हम रुककर खिड़की से बारिश देखते हैं, तो हम उस अदृश्य जाल से थोड़ी देर के लिए बाहर निकल आते हैं, जो हमें हर पल उत्पादक बनाए रखने की कोशिश करता है। कला, साहित्य और संगीत की शुरुआत भी इसी से होती है। किसी चित्रकार के लिए यह कोई रंग की छाया हो सकती है, लेखक के लिए कोई धुंधला दृश्य या संगीतकार के लिए कोई अधूरी धुन। इन्हें आकार देने के लिए पहले इन बिखरे टुकड़ों में खोना पड़ता है, जैसे कोई बच्चा रेत में हाथ डालकर सीपियां खोजता है।

खयालों में खोना संवेदनशीलता की खेती भी करता है। यही हमें दूसरों के दुख को महसूस करने, किसी चेहरे में छिपी थकान को पहचानने और अनकही कहानियों को शब्द देने का हुनर देता है। यही संवेदनशीलता रचनात्मकता और सहानुभूति दोनों को जन्म देती है। जीवन के कठिन दौर में भी इसी तरह के खयाल हमें थाम लेते हैं। किसी अस्पताल के इंतजार कक्ष में बैठे हम खिड़की से बाहर खेलते बच्चों को देखकर कुछ देर के लिए बीमारी का डर भूल जाते हैं। या फिर सफर में ट्रेन की खिड़की से गुजरते खेतों को देखकर अपने बचपन का गांव लौट आता है। ऐसे क्षण हमें स्थिर और मानवीय बनाए रखते हैं।

दुनिया मेरे आगे

> **समाज अक्सर खयालों में खोने वालों को आलसी या अवास्तविक कह देता है, लेकिन सच्चाई यह है कि इस तरह के लोगों के बिना न नए विचार आते हैं, न कला, न विज्ञान और न ही बदलाव की राह खुलती है। सोच में डूबना भी उतना ही जरूरी काम है, जितना किसी तय किए गए अपने काम को पूरा करना है।**

समाज अक्सर खयालों में खोने वालों को आलसी या अवास्तविक कह देता है, लेकिन सच्चाई यह है कि इस तरह के लोगों के बिना न नए विचार आते हैं, न कला, न विज्ञान और न ही बदलाव की राह खुलती है। सोच में डूबना भी उतना ही जरूरी काम है, जितना किसी तय किए गए अपने काम को पूरा करना है। हालांकि यह भी सही है कि हर वक्त सपनों में खो जाना हमें ठोस जमीन से काट सकता है। मगर संतुलन बनाकर खयालों के लिए समय निकालना उतना ही जरूरी है, जितना सोना, खाना या सांस लेना। यह संतुलन ही तय करता है कि हम मशीन नहीं, इंसान बने रहें।

कई बार यह कहना जरूरी हो जाता है कि आखिरकार खयालों में खोना वक्त की बर्बादी नहीं है, बल्कि यह हमारे भीतर की दुनिया का निर्माण है। यही भीतर की दुनिया हमें संघर्षों में थामती है और कल के लिए उम्मीद देती है। जब हम अपने भीतर से संवाद करते हैं, तब हम बाहर की दुनिया को भी एक नई दृष्टि दे सकते हैं। इसलिए अगली बार जब हम चलते-चलते किसी स्मृति, चेहरे या धुन में खो जाएं, तो किसी के दूसरी ओर ध्यान दिलाने पर उसमें उलझने और घड़ी देखने के बजाय उस क्षण को जी लेना चाहिए। हो सकता है, वही पल हमारे जीवन की सबसे मूल्यवान पूंजी बन जाए।

कुंठित मानसिकता

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार पर कट्टरपंथी और चरमपंथी ताकतों का प्रभाव बढ़ रहा है। नतीजा यह कि वहां अल्पसंख्यक समुदाय पर अत्याचार की घटनाएं चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई हैं। आए दिन उनके घरों पर हमले की खबरें सामने आ रही हैं। हिंसा की बढ़ती घटनाएं वहां की कट्टरपंथी और कुंठित मानसिकता को उजागर करती हैं। यह स्थिति किसी से छिपी नहीं है, इसके बावजूद वैश्विक शांति की बात करने वाले अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों की चुप्पी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। पाकिस्तान वर्षों से आतंकवाद के सहारे भारत को अस्थिर करने का प्रयास करता रहा है और आज भी उसकी नापाक गतिविधियां जारी हैं। अब बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और कट्टरपंथी सोच के कारण वह भी आतंकवाद का नया केंद्र बनता जा रहा है। बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध भारत की सख्ती से वहां के कट्टरपंथी तत्त्वों में नाहक ही आक्रोश बढ़ा है और वे हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद बांग्लादेश को परोक्ष रूप से कुछ वैश्विक शक्तियों का भी समर्थन मिल रहा है।

- अरविंद रावल, झाबुआ

रिश्तों की डोर

विवाह का प्राचीन काल से ही विशेष महत्त्व है। इसे पवित्र बंधन के रूप में माना जाता है। यह स्त्री-पुरुष के जीवन की दशा और दिशा तय करता है। तब गुण, स्वभाव, संस्कार और आचरण पर खास ध्यान दिया जाता था, परंतु आज विवाह के लिए जरूरी पैमाने बदल गए हैं। लोगों में भौतिकवाद और धन की लालसा बढ़ गई है। जो रिश्ते गुणों के आधार पर तय होते हैं, वे अधिक सुरक्षित और लंबे समय तक बने रहते हैं। मगर आज अच्छे आचरण के आधार पर तय होने वाले संबंध भी छिन्न-भिन्न हो जाते हैं। यह सवाल बड़ा है कि आखिर गुण और आचरण आधारित संबंध क्यों टूट रहे हैं। यह समझना जरूरी है कि मात्र आचरण ही सब कुछ निर्धारित नहीं कर सकता है, बल्कि व्यवहार का भी खास महत्त्व है। दूसरा, आज के दौर में मानवीय सोच में भौतिकवादी और आत्म केंद्रित बदलाव भी रिश्तों में दरार का प्रमुख कारण बनता जा रहा है।

- मोहम्मद अफजल, बुलंदशहर

नाहक बोझ

केंद्र सरकार मनरेगा की जगह नया विधेयक लेकर आई है। इस योजना में कुल खर्च का साठ फीसद केंद्र और चालीस फीसद राज्य सरकारों द्वारा वहन किया जाना प्रस्तावित है। कागजों पर यह साझेदारी संतुलित लग सकती है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग है। अधिकांश राज्य पहले से ही बजटीय घाटे से जूझ रहे हैं। वे अपने नियमित खर्च पूरे करने के लिए केंद्र पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में उनसे अतिरिक्त चालीस फीसद वित्तीय भार उठाने की अपेक्षा करना व्यावहारिक नहीं। यही कारण है कि कई राज्यों ने प्रारंभिक स्तर पर ही इस योजना पर आपत्ति जता दी है और वित्तीय बंटवारे को लेकर पुनर्विचार करने की मांग की है। योजना में सौ दिनों की रोजगार गारंटी को बढ़ा कर 125 दिन करना भी सवालों के घेरे में है। यानी जब मौजूदा व्यवस्था में ही पर्याप्त काम उपलब्ध नहीं है, तब दिनों की संख्या बढ़ाने का क्या औचित्य है?

- चंद्र प्रकाश शर्मा, दिल्ली

हड़बड़ी के नतीजे

जल्दबाजी में जो भी काम किए जाते हैं, अक्सर उनमें कई गड़बड़ियां सामने आती है। विधानसभा चुनाव के समय बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत एक करोड़ चालीस लाख महिलाओं के खाते में दस-दस हजार रुपए अंतरित किए गए थे। मगर दरभंगा जिले के जाले विधानसभा क्षेत्र में कई पुरुष मतदाताओं को भी यह राशि भेज दी गई और अब उनसे वसूली की कवायद चल रही है। कहा जा रहा है कि किसी तकनीकी खामी के कारण ऐसा हुआ। हड़बड़ी की वजह से बैंक अधिकारी भी यह गलती पकड़ नहीं पाए। सरकार को अब इन लोगों को दस हजार रुपए की वसूली के लिए परेशान नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसमें उनका कोई दोष नहीं है। भविष्य में इस प्रकार की गड़बड़ी न हो, इसलिए सरकार को योजनाओं में अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी।

- इशरत अली कादरी, भोपाल

हमें लिखें, हमारा पता : edit.jansatta@expressindia.com | chaupal.jansatta@expressindia.com

'वैश्विक वाणिज्यिक प्रक्षेपण बाजार में देश की बढ़ती भूमिका हुई समृद्ध'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 24 दिसंबर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को भारत से एलवीएम3 राकेट से सबसे भारी उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने तथा गगनयान जैसे भविष्य के मिशनों के लिए नींव मजबूत करने पर बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारी सामान ले जाने में सक्षम एमवीएम3 राकेट की सफलता ने वैश्विक प्रक्षेपण बाजार में भारत की बढ़ती भूमिका को भी मजबूत किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर कहा कि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि है। एलवीएम-एम6 का सफल प्रक्षेपण, जिसने भारतीय धरती से प्रक्षेपित किए गए अब तक के सबसे भारी उपग्रह 'ब्लूबर्ड ब्लाक-2'को उसकी तय कक्षा में पहुंचाया, यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है ।उन्होंने कहा कि यह भारत की भारी पेलोड प्रक्षेपण की क्षमता को मजबूत करता है और वैश्विक वाणिज्यिक प्रक्षेपण बाजार में हमारी बढ़ती भूमिका को और मजबूत करता है। एमवीएम3 प्रक्षेपण आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को भी दिखाता है और उन्होंने मेहनती अंतरिक्ष वैज्ञानिकों व इंजीनियरों को बधाई दी। अंतरिक्ष की दुनिया में भारत लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। देश के युवाओं की शक्ति से हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम और भी ज्यादा उन्नत और प्रभावशाली होता जा रहा है।

वहीं, इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा कि एलवीएम3-एम6 राकेट के जरिए ब्लूबर्ड ब्लाक-2 उपग्रह के सफल प्रक्षेपण से भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान को लेकर आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। यह मिशन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को कक्षा में भेजने और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए है। नारायणन ने कहा, हमारे लिए यह बेहद महत्त्वपूर्ण मिशन है क्योंकि यही वह प्रक्षेपण यान है जिसे मानव अंतरिक्ष यात्रा के लिए तैयार किया गया है और भारत के गगनयान कार्यक्रम के लिए चुना गया है। इसलिए, एलवीएम3 के लगातार नौ सफल प्रक्षेपणों के बाद गगनयान कार्यक्रम को लेकर हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है।

असम में हिंसा प्रभावित पश्चिम कार्बी आंगलोंग में तनाव, उतारी गई सेना

दिव्यांग की हत्या के बाद फूटा गुस्सा, प्रदर्शन

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 24 दिसंबर।

असम के पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले में हिंसा में एक दिव्यांग व्यक्ति की मौत के विरोध में बुधवार को बंगाली समुदाय के लोगों के अलावा बड़ी संख्या में हिंदी भाषी लोग भी प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने हत्या के विरोध में नारेबाजी करते हुए लंका-खेरोनी रोड को जाम कर दिया। हालात को देखते हुए सेना तैनात की गई है।

खेरोनी इलाके में 25 वर्षीय व्यक्ति को उसके घर के अंदर जिंदा जला दिया गया। इस इलाके में आदिवासी कार्बी के साथ-साथ बिहारी, बंगाली और नेपाली समुदाय के लोग रहते हैं। बंगाली समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सुरेश डे का शव उस इमारत से बरामद किया गया, जिसे कथित तौर पर कार्बी लोगों की भीड़ ने आग लगा दी थी। डे हिंसा में मारे गए दो लोगों में से थे। घटना में 38 पुलिस कर्मियों सहित 45 अन्य घायल हो गए। दूसरा मृतक कार्बी समुदाय से था और कथित तौर पर पुलिस

बंगाली समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सुरेश डे का शव उस इमारत से बरामद किया गया, जिसे कथित तौर पर कार्बी लोगों की भीड़ ने आग लगा दी थी।

गोलीबारी में मारा गया था। प्रदर्शनकारियों में से एक ने संवाददाताओं से कहा कि हम दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी चाहते हैं, जिसने एक दिव्यांग व्यक्ति को उसके घर के अंदर बंद करके मार डाला। कार्बी आंगलोंग में जो कुछ भी हो रहा है वह नहीं होना चाहिए था।

भीड़ को शांत करने के लिए मौके पर पहुंचे पुलिस महानिरीक्षक (आइजी) विवेक राज सिंह ने प्रदर्शनकारियों से कानून अपने हाथ में नहीं लेने की अपील की। अन्यथा, आपको भी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कृपया फर्जी खबरों पर विश्वास न करें और अफवाहें न फैलाएं। उन्होंने शांति की अपील करते हुए कहा कि हम अब समग्र स्थिति में सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं। डीजीपी क्षेत्र में हैं और हालात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने उन्हें ज्ञापन सौंपकर मृतक के परिवार को 20 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की। बंगाली भाषी समुदाय के लोगों ने हत्या को लेकर पड़ोसी होजई जिले में भी प्रदर्शन किया। हिंदी भाषी लोगों द्वारा आदिवासी इलाकों में ग्राम चरागाह रिजर्व (वीजीआर) और व्यावसायिक चरागाह रिजर्व (पीजीआर) पर अतिक्रमण के आरोपों को लेकर कार्बी और बिहारी समुदायों के सदस्य आमने-सामने हैं। कार्बी आंगलोंग और वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिलों में स्थिति अब नियंत्रण में है।

पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह ने कहा कि हिंसा प्रभावित पश्चिम कार्बी आंगलोंग में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेना तैनात की गई है। सिंह ने लोगों से हिंसा में शामिल न होने की अपील की और समुदाय के बुजुर्गों से गुमराह युवाओं को यह समझाने के लिए कहा कि समस्याओं को केवल बातचीत के माध्यम से हल किया जा सकता है। हिंसा से सबसे ज्यादा खेरोनी इलाका प्रभावित हुआ है। डीजीपी ने कहा कि सेना की टुकड़ियां यहां पहुंच गई हैं और उन्होंने इन इलाकों में मार्च किया है। हालात अब पूरी तरह नियंत्रण में है। पुलिस पिछले दो दिन में हुई हिंसा की जांच कर रही है। वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले में हुई हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई और 38 पुलिस कर्मियों सहित 45 अन्य घायल हो गए।

'केंद्र ने छोटे व्यापारियों को खराब नीतियों की जंजीरों में बांध दिया'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 24 दिसंबर।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर व्यापारिक जगत में एकाधिकार को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए बुधवार को

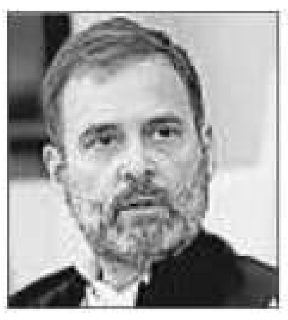

कहा कि इस समय सरकार ने छोटे व्यापारियों को अपनी खराब नीतियों की जंजीरों में बांध दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि देश का वैश्य समाज हताश है और वह इस समुदाय के साथ खड़े हैं जो अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने वैश्य समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात का एक वीडियो बुधवार को अपने सोशल मीडिया मंच पर साझा किया। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि जिस समाज ने देश की अर्थव्यवस्था में ऐतिहासिक योगदान दिया, आज वही हताश है। यह खतरे की घंटी है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने एकाधिकार को खुली छूट दे दी है, और छोटे-मध्यम व्यापारियों को नौकरशाही और गलत जीएसटी जैसी खराब नीतियों की जंजीरों में बांध दिया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ नीति की गलती नहीं है बल्कि यह उत्पादन, रोजगार और भारत के भविष्य पर सीधा हमला है। भाजपा सरकार की इसी सामंतवादी सोच के खिलाफ लड़ाई है। और इस लड़ाई में देश के व्यापार की रीढ़ वैश्य समाज के साथ मैं पूरी ताकत से खड़ा हूं। इस वीडियो के मुताबिक, वैश्य समाज के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याओं से राहुल गांधी को अवगत कराया। ये व्यापारी जूता निर्माण, कृषि उत्पाद, बिजली, पेपर व स्टेशनरी, ट्रैवल, स्टोन कटिंग, केमिकल्स और हार्डवेयर जैसे विविध उद्योगों से जुड़े हैं।

मौसम

हरिद्वार में बुधवार को हर की पौड़ी इलाके को घने कोहरे की चादर ने ढंक लिया।

ओड़ीशा में बच्ची की बलात्कार के बाद हत्या

गुस्साई भीड़ ने आरोपी का मकान ढहाया, भारी सुरक्षाबल तैनात

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 24 दिसंबर।

ओड़ीशा के भद्रक जिले में 10 वर्षीय बच्ची से बलात्कार कर उसकी हत्या किए जाने का मामला सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। भद्रक के एसपी मनोज कुमार राउत ने बताया कि इस मामले में जगतसिंहपुर जिले से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पीड़िता के परिजनों को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की और अधिकारियों को उचित जांच सुनिश्चित करने तथा आरोपियों को 'सबसे कड़ी सजा' दिलाने का निर्देश दिया। घटना के विरोध में विपक्षी दलों बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने बुधवार सुबह छह बजे से अलग-अलग छह घंटे के लिए चांदबाली ब्लाक बंद का आह्वान किया।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि घटना का खुलासा उस वक्त हुआ जब मंगलवार शाम को चांदबाली थाना क्षेत्र के इलाके में झाड़ियों के पास कुछ लोगों को नाबालिग का खून से लथपथ शव मिला। पीड़िता मंगलवार सुबह स्कूल गई थी, लेकिन दोपहर में घर वापस नहीं लौटी। परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गुमशुदगी का मामला दर्ज होने के कुछ घंटों बाद ही स्थानीय लोगों को उसका शव मिला। चांदबाली से बीजद के विधायक व्योमकेश राय ने इस घटना की निंदा की। गुस्साए स्थानीय निवासियों ने चांदबाली क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन किया जबकि बीजद कार्यकर्ताओं ने भुवनेश्वर में मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के बाहर नारेबाजी की।

विपक्षी दल ने भाजपा सरकार पर राज्य में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ यौन उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। घटना की खबर फैलते ही मंगलवार रात स्थानीय निवासी सड़कों पर उतर आए। बुधवार सुबह विरोध प्रदर्शन और तेज हो गया, जब प्रदर्शनकारियों ने चांदबाली में तीन स्थानों पर सड़कें जाम कर दीं। उन्होंने स्थानीय पुलिस थाने का भी घेराव किया। आरोपी की पहचान होने के बाद गुस्साए स्थानीय लोग रामपाली गांव में उसके घर पर पहुंचे और उसे ध्वस्त कर दिया। एसपी ने कहा कि पुलिस ने घटना के 24 घंटे के अंदर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इलाके में बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।

साहित्यकार विनोद शुक्ल को याद करते हुए लोगों ने कहा, कविता के एक युग का अंत

राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 24 दिसंबर।

भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित छत्तीसगढ़ के प्रख्यात साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का बुधवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। सांस लेने में तकलीफ के बाद शुक्ल को इस माह की दो तारीख को रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था, जहां मंगलवार शाम चार बजकर 48 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली। वे 89 वर्ष के थे।

शुक्ल की अंतिम यात्रा शैलेंद्र नगर स्थित उनके निवास से निकली, जहां मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उनका अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री साय ने शुक्ल के पार्थिव शरीर को कंधा देकर उन्हें अंतिम विदाई दी। साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी से उपजे महान साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल के निधन से हिंदी साहित्य जगत को अपूरणीय क्षति पहुंची है। उनकी रचनाएं संवेदनशीलता, मानवीय सरोकारों और सरल किंतु गहन अभिव्यक्ति की अनुपम मिसाल हैं। शुक्ल की लेखनी ने हिंदी साहित्य को नई ऊंचाइयां दीं।

शुक्ल का अंतिम संस्कार बुधवार दोपहर बूढ़ा तालाब क्षेत्र स्थित मारवाड़ी श्मशान घाट में किया गया, जहां वरिष्ठ अधिकारी, साहित्यकार, पत्रकार और विभिन्न क्षेत्रों के लोग उपस्थित रहे। उनके पुत्र शाश्वत शुक्ल ने उन्हें मुखाग्नि दी। कवि कुमार विश्वास भी शुक्ल के आवास पहुंचे और कहा कि उनका निधन भारतीय कविता में एक युग का अंत है। उनकी साहित्यिक चेतना विकसित हुई, उनके लिए शुक्ल को पढ़ना और सुनना अपने आप में एक विशिष्ट अनुभव था।

'नौकर की कमीज', 'खिलेगा तो देखेंगे', 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' और 'एक चुप्पी जगह' जैसे उपन्यासों के रचयिता विनोद कुमार शुक्ल को 59वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। रायपुर स्थित उनके निवास पर 21 नवंबर को आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया था। एक जनवरी 1937 को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में जन्मे विनोद कुमार शुक्ल हिंदी साहित्य के ऐसे रचनाकार थे, जो बहुत धीमे बोलते थे, लेकिन साहित्य की दुनिया में उनकी आवाज बहुत दूर तक सुनाई देती थी।

ठाकरे बंधु एकजुट, शिवसेना (उद्धव) व मनसे में गठबंधन

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 24 दिसंबर।

महीनों से जारी अटकलों पर विराम लगाते हुए शिवसेना (उद्धव) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने 15 जनवरी को बृहन्मुंबई महानगरपालिका के चुनाव से पहले बुधवार को अपनी पार्टियों के गठबंधन की घोषणा की।

राज ठाकरे के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि दो दल साथ रहने के लिए एकसाथ आए हैं। दोनों ने कहा कि वे 'मराठी मानुष' और महाराष्ट्र के हित के लिए एकजुट हुए हैं। उद्धव और राज ठाकरे दोनों चचेरे भाई हैं। उद्धव ने कहा कि उनके दादा प्रबोधनकर ठाकरे एक समाज सुधारक और लेखक थे। वह संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति थे तथा उनके पिता बाल ठाकरे व चाचा श्रीकांत, जो राज ठाकरे के पिता थे, वे भी इस आंदोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।

इन सभी ने यह सुनिश्चित करने में अहम योगदान दिया कि मुंबई राज्य का हिस्सा बना रहे। राज ठाकरे ने हालांकि बीएमसी चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे की विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। राज ने कहा कि मुंबई का महापौर मराठी होगा और वह हमारा होगा। उद्धव ने कहा कि दोनों पार्टियों ने नासिक नगर निगम के लिए सीट के बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है जहां 15 जनवरी को चुनाव होने हैं, साथ ही मुंबई और राज्य के 27 अन्य नगर निगमों में भी चुनाव होने हैं।

पेज 1 का बाकी

सेंगर मामले में सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाएगी उन्नाव बलात्कार पीड़िता

गांधी के आवास '10 जनपथ' पहुंचकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल गांधी ने कहा कि सेंगर को जमानत मिलना निराशाजनक एवं शर्मनाक है। उन्होंने दावा भी किया कि 'हम सिर्फ एक मृत अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि ऐसी अमानवीय घटनाओं के साथ एक मृत समाज भी बनते जा रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने 'एक्स' पर की गई एक पोस्ट जिसमें विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा बलात्कार पीड़िता को हटाए जाने का दावा किया गया था, को साझा भी किया। इससे पहले, दिसंबर 2019 में एक अधीनस्थ अदालत ने 2017 में एक नाबालिग लड़की के अपहरण और बलात्कार मामले में सेंगर को दोषी ठहराते हुए उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि, हाई कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि सेंगर पीड़िता के घर के पांच किलोमीटर के दायरे में नहीं जाएगा और न ही पीड़िता या उसकी मां को किसी तरह की धमकी देगा।

अदालत ने कहा कि इन शर्तों के उल्लंघन की स्थिति में सेंगर को दी गई जमानत स्वतः रद्द हो जाएगी। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए पीड़िता ने कहा कि उसके परिवार के सदस्यों, वकीलों और गवाहों की सुरक्षा पहले ही हटा ली गई थी और अब सेंगर की सजा निलंबित किए जाने के फैसले ने उनके डर को और बढ़ा दिया है। पीड़िता ने कहा कि ऐसे मामलों में अगर आरोपी को जमानत मिल जाती है तो देश की बेटियां कैसे सुरक्षित रहेंगी? हमारे लिए यह फैसला काल (मौत) से कम नहीं है। वह दिल्ली हाई कोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगी। पीड़िता ने दुख जताते हुए कहा कि जिनके पास पैसा होता है, वे जीतते हैं और जिनके पास पैसा नहीं होता, वे हार जाते हैं। वह फिलहाल दिल्ली में हैं और अपनी मां के साथ मंडी हाउस के पास विरोध प्रदर्शन करने जा रही है। उन्होंने कहा कि वकील महमूद प्राचा और सामाजिक कार्यकर्ता योगिता बाल्यान भी उनके साथ मौजूद हैं। कुलदीप सिंह सेंगर से जुड़े बलात्कार के मामले और उससे संबंधित अन्य मामलों को अगस्त 2019 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर उत्तर प्रदेश से दिल्ली स्थानांतरित किया गया था।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि क्या एक बलात्कार पीड़िता के साथ ऐसा व्यवहार उचित है? क्या उसकी 'गलती' यह है कि वह न्याय के लिए अपनी आवाज उठाने की हिम्मत कर रही है? उसके अपराधी (पूर्व भाजपा विधायक) को जमानत मिलना बेहद निराशाजनक और शर्मनाक है, खासकर तब, जब पीड़िता को बार-बार प्रताड़ित किया जा रहा हो, और वह डर के साये में जी रही हो। उन्होंने सवाल किया कि बलात्कारियों को जमानत, और पीड़िताओं के साथ अपराधियों सा व्यवहार, यह कैसा न्याय है? लोकतंत्र में असहमति की आवाज उठाना अधिकार है, और उसे दबाना अपराध। पीड़िता को सम्मान, सुरक्षा और न्याय मिलना चाहिए – न कि बेबसी, भय और अन्याय।

उन्नाव बलात्कार पीड़िता ने कहा कि सेंगर की जेल की सजा निलंबित करने के फैसले के बाद उनके मन में आत्महत्या का विचार आया, लेकिन बच्चों के बारे में सोचकर खुद को ऐसा करने से रोक लिया। यदि सेंगर जेल से रिहा होता है, तो वह अपनी सुरक्षा की खातिर जेल में जाने के लिए तैयार है। यह बहुत दर्दनाक था। अगर मेरी शादी नहीं हुई होती और मेरे बच्चे नहीं होते, तो मैं न्यायाधीश के सामने ही आत्महत्या कर लेती। न्यायाधीश ने पीड़िता के दर्द को नहीं समझा और फैसला सुना दिया। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलना चाहती है ताकि वह इस फैसले के कारण हो रहे अपनी तकलीफ को उन्हें बता सके।

'बाहुबली' प्रक्षेपण यान ने अमेरिकी उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया

लिमिटेड' (एनएसआइएल) और अमेरिका स्थित एएसटी स्पेसमोबाइल के बीच हुए वाणिज्यिक समझौते के तहत संचालित किया गया। एनएसआइएल, इसरो की वाणिज्यिक इकाई है। चौबीस घंटे की उल्टी गिनती पूरी होने के बाद दो एस-200 ठोस बूस्टर से युक्त 43.5 मीटर लंबा यान चेन्नई से लगभग 135 किलोमीटर पूर्व स्थित इस अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे प्रक्षेपण 'पैड' से सुबह आठ बजकर 55 मिनट पर रवाना हुआ। करीब 15 मिनट की उड़ान के बाद 'ब्लूबर्ड ब्लाक-2' प्रक्षेपण यान से अलग हो गया।

इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने इस सफल प्रक्षेपण के बाद कहा कि उपग्रह को नियोजित 520 किलोमीटर ऊंचाई के मुकाबले 518 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित किया गया। एलवीएम-3 प्रक्षेपण यान ने अपनी 100 फीसद सफलता दर का प्रदर्शन किया है। 6,100 किलो वजनी यह संचार उपग्रह एलवीएम3 के प्रक्षेपण इतिहास में पृथ्वी की निम्न कक्षा (एलईओ) में भारतीय धरती से स्थापित किया जाने वाला अब तक सबसे भारी पेलोड है। इससे पहले सबसे भारी पेलोड एलवीएम3-एम5 संचार उपग्रह-03 था, जिसका वजन करीब 4,400 किलोग्राम था और जिसे इसरो ने दो नवंबर को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया था।

उन्होंने इसे उपलब्धियों से भरा वर्ष बताया और निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) मिशन, सीएमएस-03 और 'ब्लूबर्ड ब्लाक-2' जैसे महत्त्वपूर्ण मिशन का जिक्र किया। उन्होंने 'गगनयान' मिशन के बारे में कहा कि हमें मानवरहित मिशन पूरे करने हैं और हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। नारायणन अंतरिक्ष विभाग के सचिव भी हैं। एजंसी के अनुसार, एमवीएम3 तीन चरण वाला प्रक्षेपण यान है जिसमें क्रायोजेनिक इंजन लगा है। इसे इसरो के 'लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर' ने विकसित किया है।

औद्योगिक समूह पूरी तरह तैयार है और भारतीय स्टार्टअप का एक और प्रक्षेपण कुछ ही सप्ताह में निर्धारित है।

उन्होंने कहा कि छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यानों (एसएसएलवी) का विकास चरण पहले ही पूरा हो चुका है और 'हम एसएसएलवी के परिचालन चरण को शुरू करने जा रहे हैं।' 'एलवीएम-3 एम-6' मिशन का उद्देश्य अगली पीढ़ी का ऐसा संचार उपग्रह स्थापित करना है जिसे दुनिया भर में स्मार्टफोन को सीधे उच्च गति वाली सेल्युलर ब्राडबैंड सेवा देने के लिए डिजाइन किया गया है। एएसटी स्पेसमोबाइल पहला और एकमात्र अंतरिक्ष-आधारित सेलुलर ब्राडबैंड नेटवर्क बना रहा है जो सीधे स्मार्टफोन के माध्यम से सुलभ होगा और इसे वाणिज्यिक एवं सरकारी दोनों ऐप्लीकेशन के लिए डिजाइन किया गया है।

प्रक्षेपण के लिए आवश्यक अत्यधिक 'थ्रस्ट' प्रदान करने के लिए इस प्रक्षेपण यान में दो एस200 ठोस राकेट बूस्टर लगाए गए हैं जिन्हें तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने विकसित किया है। एएसटी स्पेसमोबाइल ने सितंबर 2024 में ब्लूबर्ड-1 से 5 तक पांच उपग्रह प्रक्षेपित किए थे जो अमेरिका और कुछ अन्य देशों में निरंतर इंटरनेट कवरेज प्रदान कर रहे हैं। कंपनी ने अपने नेटवर्क को मजबूत करने के लिए ऐसे और उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है और दुनिया भर के 50 से अधिक मोबाइल आपरेटर के साथ साझेदारी की है।

दिल्ली मेट्रो के तीन नए गलियारों को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

टर्मिनल 1 और तुगलकाबाद-कालिंदी कुंज खंड, एयरोसिटी-तुगलकाबाद गलियारे के विस्तार होंगे और तुगलकाबाद, साकेत और कालिंदी कुंज जैसे क्षेत्रों में राष्ट्रीय राजधानी के दक्षिणी हिस्सों के साथ हवाई अड्डे के संपर्क को बढ़ावा देंगे। आरके आश्रम मार्ग-इंद्रप्रस्थ गलियारे के पूरा होने के बाद, पश्चिम, उत्तर, पुरानी दिल्ली और मध्य दिल्ली के बीच कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जबकि अन्य दो गलियारों एअरोसिटी-आइजीडी एअरपोर्ट टी-1 (2.263 किमी) व तुगलकाबाद-कालिंदी कुंज (3.9 किमी) दक्षिण दिल्ली को साकेत और छतरपुर होते हुए घरेलू हवाई अड्डे टर्मिनल-1 से जोड़ेंगे, जिससे राष्ट्रीय राजधानी के भीतर कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

सरकार ने कहा कि मेट्रो के इन विस्तारों से मध्य दिल्ली और घरेलू हवाई अड्डे तक दिल्ली मेट्रो नेटवर्क की पहुंच बढ़ेगी, जिससे अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा मिलेगा। 'मैजेंटा लाइन' और 'गोल्डन लाइन' के ये विस्तार सड़कों पर भीड़भाड़ कम करेंगे और मोटर वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद करेंगे ।तुगलकाबाद-कालिंदी कुंज खंड पर सरिता विहार डिपो, मदनपुर खादर और कालिंदी कुंज स्टेशन होंगे, जबकि एअरोसिटी स्टेशन आगे आइजीडी टी-1 स्टेशन से जुड़ा होगा। 111 किलोमीटर और 83 स्टेशनों वाले चौथे चरण का निर्माण कार्य जारी है और आज तक चौथे चरण (तीन प्राथमिकता वाले) गलियारे का लगभग 80.43 फीसद निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। चौथे चरण (तीन प्राथमिकता वाले) गलियारे का काम दिसंबर 2026 तक चरणबद्ध तरीके से पूरा होने की संभावना है।

सरकार ने बताया कि दिल्ली मेट्रो प्रतिदिन औसतन 65 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करती है। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) द्वारा वर्तमान में दिल्ली और एनसीआर में लगभग 395 किलोमीटर की कुल 12 मेट्रो लाइन का संचालन किया जा रहा है, जिनमें 289 स्टेशन हैं।

नए खनन पट्टों पर रोक, संरक्षित क्षेत्र का किया जाएगा विस्तार

अरावली में ऐसे और इलाकों की पहचान करे, जहां खनन पर रोक लगाई जानी चाहिए। ये इलाके केंद्र द्वारा पहले से प्रतिबंधित खनन क्षेत्रों के अलावा होंगे और इनकी पहचान पारिस्थितिक, भूवैज्ञानिक और परिदृश्य स्तर के आधार पर की जाएगी। आइसीएफआरई को पूरे अरावली क्षेत्र के लिए एक व्यापक, विज्ञान-आधारित सतत खनन प्रबंधन योजना (एसपीएसएस) तैयार करते समय यह काम करने का निर्देश दिया गया है।

यह योजना कुल पर्यावरणीय प्रभाव और पारिस्थितिक वहन क्षमता का आकलन करेगी, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील और संरक्षण के लिए महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करेगी और बहाली व पुनर्वास के लिए उपाय बताएगा। इस योजना को हितधारकों से व्यापक परामर्श के लिए सार्वजनिक रूप से रखा जाएगा। केंद्र सरकार की इस पहल से स्थानीय स्थलाकृति, पारिस्थितिकी और जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए, पूरे अरावली क्षेत्र में खनन से संरक्षित और प्रतिबंधित क्षेत्रों का दायरा और बढ़ेगा ।केंद्र सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि जो खदानें पहले से चल रही हैं, उनके लिए संबंधित राज्य सरकारें सभी पर्यावरण सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार काम करें।

पर्यावरण की सुरक्षा और सतत खनन के तरीकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए चल रही खन गतिविधियों को अतिरिक्त पाबंदियों के साथ सख्ती से नियमित किया जाएगा। सरकार अरावली की लंबे समय तक सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, क्योंकि यह रेगिस्तान बनने से रोकने, जैवपारिस्थितिकी को बचाने, भूजल के पुनर्भंडारण करने व इस क्षेत्र को पर्यावरणीय सेवाओं में अहम भूमिका निभाता है।

संपादकीय जागरण
गुरुवार, 25 दिसंबर, 2025 : पौष शुक्ल – 5 वि. 2082

धैर्य प्रतिभा का एक आवश्यक तत्व है

चिंतित करता बांग्लादेश

बांग्लादेश में मारे गए छात्र नेता उस्मान हादी के भाई ने जिस तरह उसकी हत्या के लिए मोहम्मद यूनुस सरकार को ही कठघरे में खड़ा किया, उससे यह साफ है कि इस मामले में भारत को बदनाम करने के लिए सुनियोजित ढंग से काम किया गया। बांग्लादेश में हादी को गोली मारने वाले के भारत भाग जाने की अफवाह कई दिनों तक चलती रही, लेकिन वहां की सरकार और पुलिस ने इस पर कुछ न कहना ही बेहतर समझा। जब हादी के हत्यारे के भारत में छिपने की अफवाह के बहाने वहां उपद्रव बेलगाम हो गया और मीडिया के साथ-साथ हिंदुओं को भी निशाना बनाया जाने लगा, तब जाकर यह स्पष्ट किया गया कि हादी का हत्यारा बांग्लादेश में ही कहीं छिपा है। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि यह स्पष्टीकरण इसलिए दिया गया, क्योंकि भारत विरोध अपनी हदें पार कर गया एवं उसकी चपेट में बांग्लादेश भी आ गया और अंतरिम सरकार की क्षमता पर सवाल उठ खड़े हुए। बांग्लादेश में भारत विरोधी तत्व हमेशा से रहे हैं, लेकिन शेख हसीना के भारत में शरण लेने के बाद उन्हें खुली छूट दे दी गई। अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में मोहम्मद यूनुस ने न केवल भारत विरोधी तत्वों को बेलगाम होने दिया, बल्कि उन्होंने खुद भी समय-समय पर उकसावे वाले बयान दिए। उन्होंने कभी बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न को भारत से किया जाने वाला दुष्प्रचार बताया और कभी पूर्वोत्तर में चीन को सक्रिय होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने उस पाकिस्तान से सहयोग का सिलसिला भी शुरू किया, जिसने बांग्लादेश में कहर ढाया था। इसी तरह उन्होंने जमाते इस्लामी और इस जैसे अन्य भारत विरोधी कट्टरपंथी संगठनों की पीठ पर हाथ रखा।

इस नतीजे पर पहुंचने के पर्याप्त आधार हैं कि बांग्लादेश में भारत विरोधी जो माहौल बनाया जा रहा है, वह किसी बड़ी साजिश का हिस्सा है और यदि मोहम्मद यूनुस और उनकी सरकार के सहयोगी इस साजिश में शामिल नहीं हैं तो उसकी अनदेखी तो कर ही रहे हैं। लगता है कि शेख हसीना के प्रति अपनी चिढ़ के चलते वे भारत से संबंध खराब करने पर तुले हुए हैं। यूनुस नोबेल पुरस्कार विजेता अवश्य हैं, लेकिन भारत को उनके रवैये को लेकर सावधान रहने के साथ ही यह भी देखना होगा कि बांग्लादेश में उसके हितों के खिलाफ जो काम हो रहा है, उसमें पाकिस्तान के साथ-साथ तुर्किये और पश्चिमी देश भी शामिल हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पश्चिमी देश और विशेष रूप से अमेरिका और यूरोप बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतों के खतरनाक उभार को लेकर किस तरह मौन साधे हुए हैं। ऐसे में भारत को बांग्लादेश के घटनाक्रम को लेकर सतर्कता और चौकसी बरतने के साथ ही अपने कूटनीतिक कौशल का भी परिचय देना होगा।

स्वागतयोग्य कदम

दिल्ली में मेट्रो सेवा के विस्तार को केंद्र सरकार ने मंजूरी देने के साथ ही इसके लिए करीब 12 हजार करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं, जो स्वागतयोग्य है। पांचवें चरण के पहले हिस्से में तीन रूटों पर मेट्रो का विस्तार होगा, जिससे मौजूदा 395 किमी लंबा मेट्रो नेटवर्क 400 को पार कर जाएगा। तीन वर्ष में जब ये तीनों रूट पूरे होंगे तो दिल्लीवासियों के लिए मेट्रो की सुविधाएं बढ़ जाएंगी। आरके आश्रम से इंद्रप्रस्थ तक एक नया रूट तैयार होगा, जिससे राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

> मेट्रो यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर सतत ध्यान दिया जाना चाहिए और विस्तार का क्रम भी जारी रहना चाहिए।

राजधानी में मेट्रो सेवा न सिर्फ दिल्ली, बल्कि एनसीआर के लोगों के लिए भी सुविधाजनक है और इसका विस्तार होने से निश्चित तौर पर एनसीआर के लोगों को लाभ मिलेगा। मेट्रो के इस चरण का निर्माण कार्य जल्द शुरू कर शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए, ताकि तय समयसीमा के अनुरूप यात्रियों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाए। साथ ही चौथे चरण की निर्माणाधीन परियोजनाओं को भी जल्द पूरा करने का प्रयास किया जाना चाहिए। वायु प्रदूषण का गंभीर स्तर झेल रही दिल्ली को परिवहन के हरित साधन के रूप में मेट्रो का ही पूरा भरोसा है और यह सुखद है कि मेट्रो इस भरोसे पर खरी उतर रही है। ऐसे में मेट्रो यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर सतत ध्यान दिया जाना चाहिए और इसके विस्तार का क्रम भी जारी रहना चाहिए।

कह के रहेंगे

माधव जोशी

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या सौ मीटर से ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली पर्वतमाला मानने की परिभाषा उचित है?

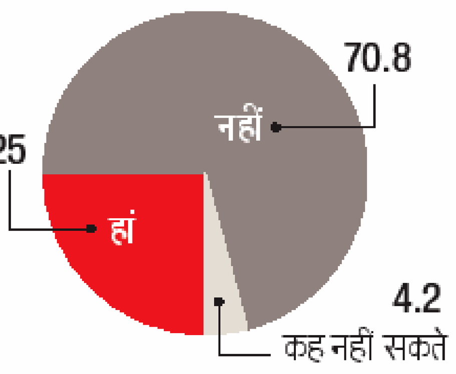

आज का सवाल

क्या उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक साथ आने से उन्हें राजनीतिक रूप से लाभ होगा?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है। सभी आंकड़े प्रतिशत में।

बुनियादी बदलाव से बचती कांग्रेस

आशुतोष झा

देश पर छह दशक तक राज करने वाली पार्टी के पास बीएलए न हों तो दोष नेतृत्व का माना जाएगा

अभी हाल में दो तस्वीरें आईं, जो काफी चर्चा में रहीं। एक में कांग्रेस की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत पक्ष-विपक्ष के कई नेताओं के साथ मुस्कुराते हुए चाय की चुस्की ले रही हैं। दूसरी तस्वीर उसके एक दिन पहले आई, जिसमें प्रियंका सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ हिमाचल की सड़कों को लेकर और केरल में अपनी प्राथमिकताओं पर चर्चा कर रही हैं। वैसे तो संसदीय परंपरा में ये सामान्य घटनाएं हैं, लेकिन इसका संदेश गूंजता है। विपक्ष सलाह दे सकता है, शक्ति हो तो दबाव बना सकता है, लेकिन सरकार को अस्वीकार नहीं कर सकता, जिसकी कोशिश खासतौर से मुख्य विपक्ष की ओर से होती रही है।

इससे शायद ही कोई इन्कार करे कि एक मोड़ पर जाकर नेतृत्व ही अहम हो जाता है। वही पार्टी की दिशाएं तय करने लगता है, उसकी विश्वसनीयता और अविश्वसनीयता से पार्टी की पहचान होने लगती है। वही पार्टी को हराता और जिताता है और भविष्य तय करने लगता है। वर्ष 2025 इस सवाल का बार-बार जवाब देते दिखा। इस वर्ष दो अहम चुनाव हुए। एक देश की राजधानी दिल्ली में और दूसरा हमेशा से राजनीति का अखाड़ा बने रहे बिहार में। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी नेता विपक्ष तो बने ही, पार्टी के अंदर भी उन्होंने प्रभावी नेता के रूप में खुद को स्थापित कर लिया। इन दोनों राज्यों में चुनाव के बाद फिर से स्पष्ट हो गया कि खुद को अपग्रेड करने की उनकी क्षमता कहीं न कहीं लुप्त है। वे कांग्रेस नेता से खुद को नेता प्रतिपक्ष के रूप में अपग्रेड नहीं कर सके। कारण है संवाद की कमी, जिद और अकड़।

राहुल विपक्ष के नेताओं से तारतम्य बनाने में असफल रहे हैं। सरकार से संवाद करना उनके लिए असहज है। संसद के अंदर भी उनका सख्त चेहरा ही दिखता है। पार्टी में संवाद की स्थिति क्या है, यह बार-बार पार्टी नेताओं की ओर से ही सोनिया गांधी को लिखी जा रही चिट्ठी से स्पष्ट हो जाता है। ऐसे में प्रियंका की तस्वीरों ने चर्चा को छेड़ दिया है तो यह असामान्य नहीं है। दूसरी तरफ भाजपा के नेता प्रधानमंत्री मोदी हैं, जो हर किसी से संवाद में माहिर हैं। विपक्ष के नेताओं के साथ उनके उन्मुक्त संवाद को देखा जा सकता है। वे उन मुद्दों को छूते हैं, जो जनता को स्पर्श करें। चुनाव के वक्त पार्टी के साथ खड़े होते हैं और जिम्मेदारी अपने कंधों पर लेते हैं। उनकी ओर से दिखाए जाने वाले इतिहास के कुछ पन्नों से कांग्रेस परेशान जरूर होती है, पर बतौर प्रधानमंत्री उनकी यह जिम्मेदारी भी तो है कि युवाओं को इतिहास याद दिलाएं। सकारात्मक सोचने की अपील करें।

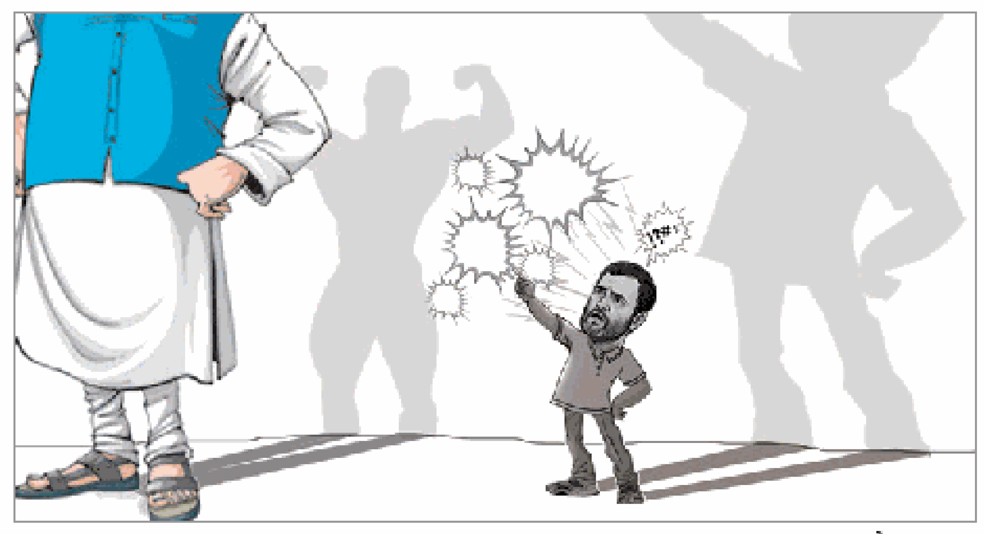

अवधेश राजपूत

जब संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हुआ था तो लगा था कि कांग्रेस समय और लोगों की अपेक्षा के अनुसार बदलने को तैयार होने लगी है। बहुत लंबे अरसे के बाद ऐसा हुआ कि दो दिन के शोर-शराबे के बाद विपक्ष भी चर्चा करने और कार्यवाही को सुचारु करने के लिए राजी हो गया। यह सुखद अहसास था, लेकिन मानसिक रूप से बदलाव नहीं हुआ। चुनाव सुधार पर चर्चा हुई तो सार्थक सुझाव दिए जाने चाहिए थे। बजाय इसके चुनाव आयोग के अधिकार को छीनने की मांग ही होती रही। संविधान भी कहता है और सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि एसआइआर कराना चुनाव आयोग का अधिकार है, लेकिन विपक्ष चाहता है कि यह हो ही नहीं। जो सवाल किए गए, उसमें चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए कमेटी की बात भी आई। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार ही सरकार ने एक नियम तय किए, जो सरकार का अधिकार है। सरकार के अधिकार को नकारने का क्या अर्थ? युवाओं को तर्क से समझाना होता है, इतिहास से उदाहरण बताना होता है। तभी वे जुड़ते हैं। युवाओं को तो यही समझ आया कि पहले नेता विपक्ष भी कमेटी में नहीं होते थे। अब मोदी सरकार ने लोकसभा के नेता विपक्ष को शामिल कर दिया। यह नियम किसी भी सरकार पर लागू होगा। ऐसे में राहुल गांधी को अपनी छवि बड़ी बनानी थी। उन्हें राजनीति में अपराधीकरण रोकने की बात करनी चाहिए थी, एक ही स्थान से चुनाव लड़ने के लिए कानून बनाए जाने का सुझाव देना चाहिए था। एसआइआर पर तो अब चुनाव आयोग ने चुनौती दे दी है और कहा कि कुछ राज्यों में एसआइआर के बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की है। उसे देख लीजिए और कोई आपत्ति हो तो बताइए।

संसद सत्र के दौरान ही सूचना आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर भी बैठक हुई और नेता प्रतिपक्ष ने आपत्ति जताते हुए सारे नाम खारिज कर दिए कि उसमें सामाजिक न्याय का ख्याल नहीं रखा गया, पर जब सूची आई तो उसमें आठ में पांच नाम वंचित वर्ग से थे। ऐसी फिसलनों से विश्वसनीयता का संकट खड़ा होता है। हाल में एसआइआर को लेकर कांग्रेस की एक बैठक हुई। उसमें चिंता जताई गई कि कांग्रेस के पास बूथ लेवल एजेंट बहुत कम हैं। देश पर छह दशक तक राज करने वाली पार्टी के पास बीएलए न हों तो दोष नेतृत्व का माना जाएगा। पश्चिम बंगाल चुनाव आने वाला है और बताते हैं कि तृणमूल के एक नेता ने किसी से कहा कि कांग्रेस की ओर से अगर गठबंधन की बात होगी तो उनसे स्पष्ट कहा जाएगा कि सहयोग कीजिए।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर भी चर्चा हुई। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देश के अंदर जो भाव था वंदे मातरम् उसकी अभिव्यक्ति थी। इसमें कोई शक नहीं कि पिछले 11 वर्षों में देश में राष्ट्रवाद की भावना ज्यादा बुलंद हुई है, लेकिन राहुल गांधी को शायद उस चर्चा में रुचि नहीं थी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान जो बात कही, वह तर्कसंगत थी। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार-जीत नेतृत्व के कारण होती है। कांग्रेस में यह बात पहले भी कई शीर्ष नेता कह चुके हैं। राज्यों में भी भाजपा मोदी के नाम की गारंटी लेकर उतरती है। यह सच है कि भाजपा की विश्वसनीयता और लोकप्रियता आज के दिन मोदी के नेतृत्व के कारण है। कुछ राज्यों में अलग-अलग नेताओं ने भी नेतृत्व दिया है और बार-बार जीत भी रहे हैं। कांग्रेस को विश्वसनीयता के संकट से बाहर आना ही होगा।

(लेखक दैनिक जागरण के राजनीतिक संपादक हैं)

response@jagran.com

अटल जी का अनुकरणीय सांसद-धर्म

डा. ब्रजेश कुमार तिवारी

विपक्ष में रहते हुए भी सत्तापक्ष के मन में स्थान कैसे बनाया जाता है, यह अटल जी के व्यक्तित्व से सीखना होगा

एक ऐसे समय में जब लगातार लोकतांत्रिक अवमूल्यन हो रहा है और सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच दरार बहुत गहरी हो चुकी है, तब अटल जी की जन्म शताब्दी में उनका स्मरण अत्यंत जरूरी हो जाता है। भारत के राजनीतिक इतिहास में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एक कुशल राजनीतिज्ञ, संवेदनशील प्रशासक, निःस्वार्थ सामाजिक कार्यकर्ता, सशक्त वक्ता, भाषाविद्, कवि, पत्रकार, लेखक और बहुआयामी व्यक्तित्व के रूप में पहचाने जाते हैं। उन्होंने यह साबित किया कि देश में गठबंधन सरकारों को भी सफलता से चलाया जा सकता है। भारत जैसे विशाल और विविध देश में बदलाव 'घोषणापत्र' से नहीं, बल्कि उन फैसलों से आता है, जो शासन की प्राथमिकताओं को स्थायी रूप से बदल देते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी का सबसे बड़ा योगदान यही था कि उन्होंने विकास को 'परियोजनाओं की सूची' से निकालकर 'राष्ट्रीय क्षमता' के रूप में देखना सिखाया। उन्होंने ऐसे कई बड़े फैसले लिए, जिन्होंने भारत की राजनीति को हमेशा के लिए बदल दिया। उनका परिवर्तनकारी दृष्टिकोण दूरसंचार, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे के विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में परिलक्षित होता है।

प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने आजादी के बाद भारत की घरेलू और विदेश नीति को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाई। वाजपेयी की वाक्पटुता घरेलू मंच तक ही सीमित नहीं थी। 1977-79 के दौरान भारत के विदेश मंत्री के रूप में उन्होंने 32वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपना भाषण हिंदी में भी दिया। अटल जी ने अपने शासनकाल के दौरान कई ऐसी योजनाएं शुरू कीं, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली और जिनका लाभ आज भी हर भारतीय को मिल रहा है। उनके शासनकाल में प्राकृतिक आपदाओं और राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी 8.4 प्रतिशत से ऊपर बनी रही, मुद्रास्फीति चार प्रतिशत से नीचे रही और विदेशी मुद्रा भंडार भी संतोषजनक स्थिति में था। इस सुदृढ़ आर्थिक स्थिति का लाभ यूपीए-1 सरकार को मिला।

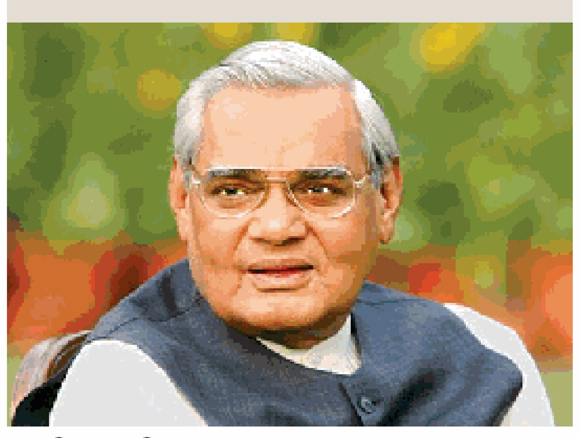

भारतीय राजनीति को बदलने वाले नेता • फाइल

शिक्षा के क्षेत्र में वाजपेयी का योगदान सर्व शिक्षा अभियान के रूप में मील का पत्थर साबित हुआ, जो 6-14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क प्रारंभिक शिक्षा की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने वाली सामाजिक योजना है। 2000 में जहां लगभग 40 प्रतिशत बच्चे स्कूल छोड़ देते थे, वहीं 2005 तक यह संख्या घटकर लगभग 10 प्रतिशत रह गई। उन्होंने इस योजना को प्रचारित करने वाली थीम लाइन 'स्कूल चले हम' स्वयं लिखी थी। अटल जी को जनजातीय मामलों के मंत्रालय, उत्तर-पूर्व क्षेत्र विभाग और सामाजिक कल्याण मंत्रालय को सामाजिक न्याय मंत्रालय में परिवर्तित करने तथा नए विभागों के निर्माण का श्रेय भी दिया जाता है। 'जय जवान-जय किसान और जय विज्ञान' का नारा देने वाले अटल जी ने चंद्रयान-1 परियोजना को भी स्वीकृति दी। मई 1998 में भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया। उनकी ठोस उपलब्धियों में भारत की हाईवे-कल्पना का राष्ट्रीयकरण भी है। उन्होंने 'इन्फ्रास्ट्रक्चर को राजनीति की भाषा' बना दिया। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को जोड़ने वाली स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना ने भारत को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने में मदद की और यह एनडीए सरकार का एक गौरव बना।

सिर्फ राष्ट्रीय राजमार्ग ही नहीं, बल्कि उनके दौर में यह समझ भी मजबूत हुई कि विकास तब तक अधूरा है, जब तक गांव बाजार, स्कूल और अस्पताल से नहीं जुड़ते। इसी सोच के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांवों को शहरों से जोड़ा गया। वाजपेयी का दृढ़ विश्वास था कि निर्माण और बुनियादी ढांचे की उन्नति आर्थिक विकास के अग्रदूत के रूप में कार्य करेगी। उनके नेतृत्व में तीन मार्च, 1999 को नई दूरसंचार नीति की घोषणा की गई, जिससे इस क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोला गया और देश में सस्ते मोबाइल फोन का दौर शुरू हुआ। उनके प्रमुख नीतिगत निर्णयों में 2003 का राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम भी शामिल है। उनकी सरकार ने औद्योगिक उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विशेष निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्रों, सूचना प्रौद्योगिकी और औद्योगिक पार्कों की स्थापना की और सही मायनों में मेक इन इंडिया की नींव रखी। वाजपेयी सरकार ने एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनियों की शुरुआत की, जिससे बैंकों को उनके गैर-निष्पादित ऋणों (एनपीए) से निपटने में मदद मिली। यह कदम क्रेडिट ब्यूरो की स्थापना की दिशा में भी पहला महत्वपूर्ण प्रयास था। इससे बैंकों के एनपीए में सुधार हुआ और उनकी बैलेंसशीट मजबूत हुई।

विपक्ष में रहते हुए भी सत्ता पक्ष के मन में स्थान कैसे बनाया जाता है, यह अटल जी के व्यक्तित्व से सीखना होगा। उनका सांसद-धर्म हमें यह याद दिलाता है कि लोकतंत्र 'जीत' से नहीं, बल्कि संस्थाओं की मर्यादा और संवाद की गुणवत्ता से मजबूत होता है। आज यदि राजनीति को ऊंचा उठाना है, तो सबसे पहले संसद को 'शोर का अखाड़ा' नहीं, बल्कि समाधान की पाठशाला बनाना होगा-और यही अटल जी से मिलने वाली सबसे प्रासंगिक सीख है।

(लेखक जेएनयू के अटल स्कूल आफ मैनेजमेंट में प्रोफेसर हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

सत्य की अनुभूति

भारतीय वांग्मय के निर्मल आकाश में 'अहं ब्रह्मास्मि' (मैं ब्रह्म हूं), 'सर्वं खल्विदं ब्रह्म' (यह संपूर्ण जगत वास्तव में ब्रह्म ही है) और 'वासुदेवः सर्वम्' जैसे महावाक्य ऐसे दीप्तिमान नक्षत्र हैं, जो मानव चेतना को सीमित 'अहं' की संकीर्णता से उठाकर विराट सत्य की अनुभूति कराते हैं।

यह दृश्यमान जगत-जड़ और चेतन, अणु और विभु-उसी परब्रह्म की दिव्य रश्मियों का प्रसार है। जैसे मृत्तिका के बिना घट की और सुवर्ण के बिना आभूषण की सत्ता की समुत्प्रेक्षा असंभव है, वैसे ही परमचैतन्य ब्रह्म के बिना संसार का अस्तित्व कल्पनामात्र है। अनादि, अनंत और अव्यक्त ब्रह्म की वही चेतना सर्वत्र व्याप्त होकर हमारे भीतर प्राण रूप में स्पंदित होती है और समस्त प्राणियों के जीवन का आधार बनती है। जिस प्रकार निराकार विद्युत ऊर्जा भिन्न-भिन्न यंत्रों में प्रकाश, गति और ऊष्मा के रूप में प्रकट होती है, उसी प्रकार एक ही ब्रह्मतत्व विविध देहों और रूपों में चेतना, विचार और क्रिया के रूप में अभिव्यक्त होता है। वेदांत जहां तर्क और विवेक के द्वारा इस सत्य को प्रतिष्ठित करता है, वहीं भक्ति मार्ग इसी सत्य को प्रेम और करुणा के माधुर्य से आत्मसात कराता है।

गोस्वामी तुलसीदास ने अद्वैत के इस गूढ़ सिद्धांत को भक्ति की सरस सरिता में प्रवाहित कर जनसाधारण के लिए सहज बना दिया। "सीयराम मय सब जग जानी" की समुद्घोषणा में अद्वैत-विशिष्टाद्वैत, समग्र दर्शन और अनुभूति का अद्भुत समन्वय है। यहां ब्रह्म निर्गुण न रहकर सगुण सौंदर्य से आलोकित हो उठा है। जब साधक इस सत्य को हृदयंगम कर लेता है, तब उसके राग-द्वेष का अंधकार स्वतः विलीन हो जाता है और उसके लिए संपूर्ण सृष्टि वंदनीय बन जाती है। यही वह परम अवस्था है, जहां ज्ञान, कर्म और भक्ति की त्रिवेणी में स्नान कर मानव जीवन धन्य-धन्य और कृतार्थ हो जाता है।

आचार्य नारायण दास

पाठकनामा

pathaknama@nda .jagran.com

राजनीतिक दलों में लोकतंत्र का अभाव

'आवश्यक चुनाव सुधारों की प्रतीक्षा' शीर्षक से लिखे आलेख में हृदयनारायण दीक्षित ने संसद के बीते सत्र में चुनाव सुधारों पर हुई बहस को अनपेक्षित बताया है, क्योंकि बहस का सारा ध्यान एसआइआर पर केंद्रित हो गया, जबकि दोष हमारे दलतंत्र में है, जिसमें आवश्यक सुधार की संभावना दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। यह बात बिल्कुल सही है कि संसदीय जनतंत्र की सफलता का दारोमदार दलतंत्र पर है। चिंता की बात है कि देश में इस तंत्र का निर्माण सुयोग्य और विचार-निष्ठ कार्यकर्ताओं से नहीं होता है। प्रत्याशियों के चयन में न तो उनकी भागीदारी होती है और न ही इस बात की कोई गारंटी होती है कि इन्हीं में से प्रत्याशियों का चयन होगा। नतीजतन, जिताऊ उम्मीदवार के नाम पर बाहुबली, धनबली और माफिया तत्वों को प्रश्रय दिया जाता है। विचार और कार्यकर्ता-आधारित संगठन हमारे देश में बनाए नहीं जाते हैं। इस संबंध में लेखक ने एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है कि सभी दलों के संगठनात्मक चुनाव भी चुनाव आयोग द्वारा कराए जाने के कानूनी प्रविधान होने चाहिए। अर्थात मंशा यह है कि दल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह न हों और न ही व्यक्ति या परिवार विशेष का आधिपत्य रहे। यद्यपि कंपनियों की कार्य-प्रणाली विशेष विधानों से संचालित होती है, मगर देश का दलतंत्र कुछेक लोगों के समूह मात्र रह गया है। कार्यकर्ताओं की निष्ठा विचारधारा के बजाय किसी विशेष नेतृत्व के प्रति होने से आंतरिक लोकतंत्र को गंभीर चोट पहुंचती है। ऐसे दलतंत्र से निर्मित जनतंत्र का भविष्य कैसा होगा? इसका सहज अनुमान लगा सकते हैं।

मुकेश कुमार मनन, पटना

दिल्ली की दशा

पिछले कुछ वर्षों से दिल्ली शहर के हालात कुछ ऐसे बन गए हैं कि लगता है, जैसे शहर जहरीली गैस का चैंबर बन गया है। दम घोटने वाला प्रदूषण, टूटी हुई सड़कें, गलियों में फैली हुई गंदगी, भरी हुई नालियां, सड़कों पर लंबा जाम, आज यह दिल्ली शहर की पहचान है। लेकिन आम आदमी क्या कर सकता है, वह मजबूर है यहां रहने के लिए, जिन लोगों को इस शहर की ओर ध्यान देना चाहिए, वह सिर्फ गाल बजा रहे हैं लेकिन कर कुछ भी नहीं रहे, कभी आम आदमी पार्टी की सरकार होती है कभी भाजपा की, लेकिन एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने के अलावा वह कुछ भी नहीं कर रहे। एक बार मशहूर शायर जौक ने कहा था कि कौन जाए दिल्ली की गलियां छोड़कर लेकिन अगर आज वह जिंदा होते तो कहते हैं कि कौन रहे दिल्ली में मरने के लिए, प्रदूषण से बचने के लिए कभी कहते हैं कि आतिशबाजी नहीं होनी चाहिए, कभी पराली जलाने को मना किया जाता है तो कभी रेड लाइट पर गाड़ी बंद की बातें होती हैं, कभी आड-इवन की बात होती है और कभी पानी के छिड़काव की। लेकिन यह सिर्फ खानापूर्ति है। ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। जिससे हालात और खराब होते जा रहे हैं। आने वाली नस्लें हमें कोसेंगी कि हमारे पूर्वजों और हमारी सरकारों ने क्या हाल कर दिया इस शहर का।

चरनजीत, नरेला दिल्ली

भारत को घेरने की कोशिश

दक्षिण एशिया में हालात अचानक नहीं बिगड़े हैं। इसके पीछे एक सोची-समझी भू-राजनीतिक रणनीति दिखाई देती है। अमेरिका, चीन, पाकिस्तान और कुछ इस्लामिक देश बांग्लादेश को भारत के खिलाफ आगे कर रहे हैं, ताकि भारत किसी सैन्य कार्रवाई के लिए मजबूर हो जाए। इसके बाद बांग्लादेश को लंबे समय तक आर्थिक और सैन्य मदद देकर भारत को युद्ध के दलदल में फंसाने की तैयारी है। इस रणनीति का सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था और वैश्विक छवि पर पड़ेगा। जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध ने दोनों देशों को लंबे समय तक उलझाए रखा, वैसी ही स्थिति भारत के लिए बनाने की कोशिश हो रही है। ये ताकतें नहीं चाहतीं कि भारत एक मजबूत वैश्विक शक्ति के रूप में उभरे, इसलिए पड़ोसी देश को मोहरा बनाकर दबाव की राजनीति की जा रही है। अमेरिका की भूमिका यहां नई नहीं है। उसका ट्रैक रिकार्ड बताता है कि वह पहले दो देशों को आपस में भिड़ाता है, हथियार बेचकर अपने रक्षा उद्योग को चमकाता है और फिर शांति बहाल कराने वाला बनकर सामने आता है। एशिया से लेकर यूरोप तक, यही पैटर्न बार-बार दोहराया गया है। भारत के सामने चुनौती गंभीर है, लेकिन समाधान जल्दबाजी में नहीं है। किसी भी उकसावे में आकर की गई सैन्य कार्रवाई वही परिणाम दे सकती है, जिसकी प्रतीक्षा भारत विरोधी शक्तियां कर रही हैं। ऐसे में भारत को संयम, कूटनीति और रणनीतिक सूझबूझ के साथ कदम बढ़ाने होंगे।

चंद्र प्रकाश शर्मा, रानी बाग दिल्ली

पोस्ट

विभिन्न राज्य सरकारें महिलाओं के लिए कैश ट्रांसफर योजनाओं पर कुल 2.46 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रही हैं। यह राशि औसतन प्रति महिला लगभग 1,500 रुपये प्रतिमाह बैठती है और देश की लगभग 20 प्रतिशत महिला आबादी को कवर करती है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और पंजाब जैसे बड़े राज्य-जहां अगले तीन वर्षों में विधानसभा चुनाव होने हैं, क्या चुनाव जीतने के इस सफल माने जा रहे फार्मूले को अपनाएंगे?

अमिताभ तिवारी@politicalbaaba

राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए एक बेहतरीन 'उपहार' साबित हो रहे हैं। अब वे भारत पर एक व्यक्ति के शासन की बात कर रहे हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि जब उनका परिवार सत्ता में था, तब देश ठीक इसी तरह चलाया जाता था।

तवलीन सिंह@tavleen_singh

बच्चे कितने पैदा करने हैं, यह तो मां-बाप आपस में तय करेंगे। उनका निजी मामला है। नेतागण इस पर उपदेश न दें। आप बस सार्वजनिक ढांचा ठीक कर दें, मेडिकल सुविधाएं बढ़ा दें, शिक्षा का स्तर अच्छा कर दें, टैक्स कम कर दें।

आरके विज@ipsvijrk

जनपथ

प्राइमिनिस्टर के लिए वेटिंग कैंडीडेट,
दो-दो इक परिवार में है अब शुरू डिबेट।
है अब शुरू डिबेट प्रियंका जी हैं आगे,
राहुल जी रणछोड़ फिर रहे भागे-भागे!
संसद में भी खूब प्रभावी दिखतीं सिस्टर,
कहें वाड्रा मैम बनेंगी प्राइमिनिस्टर!!

– ओमप्रकाश तिवारी

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा जागरण प्रकाशन लि. के लिए डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित एवं 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित, संपादक (दिल्ली एनसीआर)-विष्णु प्रकाश त्रिपाठी
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय :0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No 50755/90 समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त। वर्ष 36 अंक 160

6100 किलो वजनी उपग्रह लेकर अंतरिक्ष पहुंचा भारत, इसरो बोला– ये क्रिसमस का उपहार

श्रीहरिकोटा, प्रेट्र: नए साल के आगमन से पहले भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और इतिहास रच दिया है। 'बाहुबली' के नाम से मशहूर इसरो के सबसे भारी प्रक्षेपण यान एलवीएम3-एम6 ने बुधवार को एक अमेरिकी संचार उपग्रह ब्लूबर्ड ब्लाक-2 को उसकी निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। इस उपग्रह का वजन 6100 किलोग्राम है। भारत की धरती से लांच किया गया यह अब तक का सबसे भारी उपग्रह है। जिस राकेट से इस उपग्रह का प्रक्षेपण किया गया है, उसी से भारत के गगनयान मिशन को अंजाम दिया जाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी प्रमुख ने इसे देश के लिए क्रिसमस का उपहार बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने इसरो की इस उपलब्धि की सराहना की है।

लगभग 15 मिनट की उड़ान के बाद ब्लूबर्ड ब्लाक-2 उपग्रह प्रक्षेपण यान से अलग हो गया और इसे सफलतापूर्वक धरती की कक्षा में स्थापित कर दिया गया। इससे मिशन कंट्रोल सिस्टम में खुशी की लहर दौड़ गई। ब्लू बर्ड ब्लाक-2 का उद्देश्य उपग्रह के माध्यम से मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान करना है। इससे हर किसी को, हर जगह, हर समय 4जी और 5जी वायस और वीडियो काल, टेक्स्ट मैसेज, स्ट्रीमिंग और डाटा की सुविधा मिलेगी।

इसरो ने बताया कि भारी वजन उठाने की क्षमता के कारण 'बाहुबली' नाम से विख्यात

- इसरो ने अमेरिकी संचार उपग्रह को 15 मिनट में अंतरिक्ष कक्षा में कर दिया स्थापित
- इसरो का सबसे भारी राकेट है एलवीएम3-एम6, इसी राकेट से गगनयान मिशन होगा पूरा

श्रीहरिकोटा में एलवीएम3-एम6 राकेट के सफल प्रक्षेपण के बाद संवाददाता सम्मेलन के दौरान इसरो के चेयरमैन वी नारायणन (बाएं से तीसरे) समेत अन्य वैज्ञानिक ● प्रेट्र

एलवीएम3-एम6 राकेट ने उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड और अमेरिका की एएसटी स्पेसमोबाइल के बीच हुए एक वाणिज्यिक समझौते के तहत संचार उपग्रह का प्रक्षेपण किया गया है। न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड, इसरो की वाणिज्यिक इकाई है।

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने इस सफल प्रक्षेपण के बाद कहा, मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि एलवीएम3-एम6 प्रक्षेपण यान ने ब्लूबर्ड-ब्लाक 2 उपग्रह को उसकी निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है। मैं इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर न्यू स्पेस इंडिया और एएसटी स्पेसमोबाइल को बधाई देता हूं। इस प्रक्षेपण यान ने अपनी 100 प्रतिशत सफलता दर का प्रदर्शन किया है। इससे पहले सबसे भारी पेलोड एलवीएम3-एम5 संचार उपग्रह-03 था, जिसका वजन करीब 4400 किलोग्राम था। इसे इसरो ने दो नवंबर को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया था।

इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा कि ब्लू बर्ड ब्लाक-2 उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित करने वाले एलवीएम3 राकेट से ही गगनयान मिशन को अंजाम दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2017 से आज तक एलवीएम-3 राकेट द्वारा किए गए सभी प्रक्षेपण 100 प्रतिशत सफल रहे हैं। यही वह राकेट है, जिसे हमने गगनयान कार्यक्रम के लिए निर्धारित किया है।

43.5 मीटर लंबे अंतरिक्ष यान से लांच हुआ उपग्रह

8:55 बजे सुबह अंतरिक्ष यान उपग्रह को लेकर रवाना हुआ

518 किमी की कक्षा में उपग्रह को स्थापित किया

4400 किलोग्राम के उपग्रह को इसरो ने इससे पहले लांच किया था

एलवीएम3-एम6 के सफल प्रक्षेपण पर टीम इसरो को बधाई दी। दुनियाभर में बेहतर संचार उपलब्ध कराने के लिए जिस अमेरिकी उपग्रह का प्रक्षेपण किया गया, वह भारत की अंतरिक्ष क्षमता को वाणिज्यिक सफलता में बदलने की हमारे विज्ञानियों की क्षमता को दिखाता है। यह भारत को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक गंतव्य बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को साकार करता है। **-अमित शाह**, गृह मंत्री

'आत्मनिर्भर भारत अभियान को समर्थन देने की आवश्यकता'

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि केंद्र के महत्वाकांक्षी 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' का सक्रिय समर्थन करने की तत्काल आवश्यकता है, जिसमें स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित करना, स्थानीय आपूर्ति शृंखलाओं को मजबूत करना और घरेलू उद्योग को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने कहा, ''हर कुशल भुगतान, हर उचित वित्तीय निर्णय और हर पारदर्शी प्रक्रिया राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास में योगदान करती है। आपका कार्य सशस्त्र बलों को उनके मुख्य मिशन हमारे राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाता है।'' राष्ट्रपति मुर्मु ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए उन्हें नए कौशल सीखने और वित्तीय विश्लेषण के लिए एआइ आधारित उपकरणों का उपयोग करने की सलाह दी, ताकि साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने और कुशल निधि उपयोग के लिए विश्लेषण किया जा सके। राष्ट्रपति ने कहा, ''युवा अधिकारियों के रूप में आप में से कई अपने करियर की शुरुआत में उच्च-मूल्य और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रस्तावों से निपटेंगे।

उद्धव–राज ने की गठबंधन की घोषणा

भाजपा बोली– कोई फर्क नहीं पड़ेगा, 18 वर्ष बाद आए साथ

राज्य ब्यूरो, मुंबई : महाराष्ट्र में चल रहे स्थानीय निकाय चुनावों के लिए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने चुनावी गठबंधन की घोषणा कर दी है। लेकिन तीन दिन पहले ही नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव में बड़ी सफलता हासिल कर चुकी भाजपा का मानना है कि ठाकरे बंधुओं के साथ आने से भी उन्हें कोई फायदा नहीं होने वाला। महाराष्ट्र की 29 महानगरपालिकाओं के लिए 15 जनवरी को मतदान होना है। इनमें मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) शिवसेना (यूबीटी) के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बनी हुई है, क्योंकि अगला वर्ष शिवसेना की स्थापना का 60वां वर्ष है और शिवसेना (अविभाजित) पिछले तीस वर्षों से बीएमसी की सत्ता पर काबिज है।

पिछले विधानसभा चुनाव में हाशिए पर पहुंच चुकी शिवसेना (यूबीटी) की आखिरी उम्मीद बीएमसी से ही बची है। पिछले विधानसभा चुनाव में राज ठाकरे को भी कोई सीट नहीं मिली। यहां तक कि वह अपने बेटे अमित ठाकरे को भी नहीं जिता सके। इसलिए, दोनों चचेरे भाइयों ने करीब 18 वर्ष बाद एक-दूसरे के साथ मिलकर राजनीति करने का फैसला किया है।

बुधवार को उद्धव ठाकरे बड़प्पन दिखाते हुए अपनी पत्नी रश्मि ठाकरे के साथ पहले शिवाजी पार्क के सामने ही स्थित राज ठाकरे के घर 'शिवतीर्थ' पहुंचे। वहां राज ठाकरे की मां (जो कि उद्धव ठाकरे की सगी मौसी भी हैं) ने दोनों भाइयों को साथ बैठाकर उनकी आरती उतारी। फिर दोनों भाई एक ही कार में बैठकर शिवाजी पार्क स्थित बालासाहेब ठाकरे स्मृति स्थल पहुंचे। बालासाहेब ठाकरे का अंतिम संस्कार इसी स्थान पर किया गया था। वहां पूरे परिवार ने एक साथ शिवसेना संस्थापक को श्रद्धांजलि अर्पित की। फिर दोनों ने साथ ही वरली स्थित एक होटल में पहुंचकर पत्रकारों के सामने शिवसेना (यूबीटी) एवं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के गठबंधन की घोषणा की। हालांकि, दोनों भाइयों ने यह नहीं बताया कि कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा। लेकिन माना जा रहा है कि शिवसेना (यूबीटी) करीब 150 सीटों पर और मनसे 60 से 70 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बीएमसी के अलावा ठाणे, मीरा-भायंदर, कल्याण-डोंबीवली, नासिक और पुणे में भी दोनों दल मिलकर ही चुनाव लड़ेंगे। इस गठबंधन से दोनों दलों के समर्थकों में उत्साह है।

मुंबई में बुधवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और एमएनएस के अध्यक्ष राज ठाकरे ● आइएएनएस

- उद्धव की शिवसेना लगभग 150 और मनसे 60 से 70 सीटों पर लड़ सकती है स्थानीय निकाय चुनाव
- हाशिए पर पहुंच चुकी शिवसेना (यूबीटी) की आखिरी उम्मीद बीएमसी से बची है

चाचा–भतीजा भी एक साथ आने को तैयार

राज्य ब्यूरो, मुंबई : महाराष्ट्र में चल रहे स्थानीय निकाय चुनावों ने जहां दो चचेरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बीच की दूरियां घटा दी हैं, वहीं अब उप मुख्यमंत्री अजीत पवार भी अपने चाचा शरद पवार के करीब आने जा रहे हैं। पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ सहित पश्चिम महाराष्ट्र की कुछ और महानगरपालिकाओं में ये दोनों दल गठबंधन कर चुनाव लड़ सकते हैं। जबकि भाजपा इनके विरुद्ध लड़ सकती है। लगभग तीन साल पहले अजीत पवार अपने चाचा शरद पवार का साथ छोड़कर भाजपानीत गठबंधन का हिस्सा बन गए थे। उन्होंने लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव राकांपा (शरदचंद्र पवार) के विरुद्ध लड़ा। लोकसभा चुनाव में बारामती संसदीय क्षेत्र से अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने उनकी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के विरुद्ध चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। फिर विधानसभा चुनाव में बारामती विधानसभा चुनाव में शरद पवार ने अजीत के सगे भतीजे युगेंद्र पवार को ही अजीत पवार के विरुद्ध मैदान में उतारा। वह चुनाव अजीत पवार भारी मतों के अंतर से जीत गए।

कुलदीप सेंगर की सजा के निलंबन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी सीबीआइ

- एजेंसी ने कहा, जमानत के खिलाफ जल्द विशेष अनुमति याचिका दायर की जाएगी
- उन्नाव की दुष्कर्म पीड़िता और उनकी मां से मिले राहुल गांधी, न्याय दिलाने का दिया आश्वासन

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: सीबीआइ ने बुधवार को कहा कि वह पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को उन्नाव दुष्कर्म मामले में सुनाई गई आजीवन कारावास के निलंबन और जमानत दिए जाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। यह निर्णय 2017 के दुष्कर्म मामले में दिल्ली हाई कोर्ट के आदेशों का अध्ययन करने के बाद लिया गया है। इस बीच, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने दुष्कर्म पीड़िता से मुलाकात के दौरान उन्हें अपनी तरफ से हरसंभव मदद का भरोसा दिया है।

प्रेट्र के अनुसार, सीबीआइ के प्रवक्ता ने कहा कि हाई कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ जल्द-से-जल्द सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर करने का निर्णय लिया गया है, जिसमें सेंगर की आजीवन कारावास की सजा निलंबित करते हुए जमानत दी गई थी। हालांकि, हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद सेंगर जेल में ही रहेंगे, क्योंकि वह दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मृत्यु के मामले में भी 10 साल की सजा काट रहे हैं। जागरण ब्यूरो के अनुसार, कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत से आक्रोशित पीड़िता के परिवार ने बुधवार को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर न्याय और मदद की गुहार लगाई। पार्टी सूत्रों ने बताया कि पीड़िता और उनके परिवार ने सुप्रीम कोर्ट में कुलदीप सेंगर के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए एक शीर्ष वकील दिलवाने का अनुरोध किया, जिस पर नेता विपक्ष ने सकारात्मक वादा किया। पीड़िता की मां ने वर्तमान हालात में परिवार की सुरक्षा और जान पर खतरे की आशंका को देखते हुए किसी कांग्रेस शासित राज्य में रहने की व्यवस्था कराने की बात कही। तीसरा आग्रह पीड़िता के पति ने एक बेहतर नौकरी दिलाने का किया। मुलाकात के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी भी मौजूद थीं।

राहुल गांधी ● फाइल फोटो

राहुल ने कहा– हम बन रहे मृत समाज

पीड़िता के परिवार को इंडिया गेट पर प्रदर्शन से रोकने की तीखी आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने एक्स पर कहा, 'दुष्कर्मियों को जमानत और पीड़िताओं से अपराधियों सा व्यवहार, ये कैसा न्याय है? हम सिर्फ एक मृत अर्थव्यवस्था नहीं, ऐसी अमानवीय घटनाओं के साथ मृत समाज भी बनते जा रहे हैं। लोकतंत्र में आवाज उठाना अधिकार है और उसे दबाना अपराध।'

दुष्कर्म पीड़िता व मां ने प्रधानमंत्री से भी मिलने का मांगा समय

जासं के अनुसार, दुष्कर्म पीड़िता और उनकी मां ने मंडी हाउस पहुंचकर विरोध जताने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षा बल ने उन्हें बीकानेर हाउस से हिरासत में लेकर कुछ घंटे बाद छोड़ दिया। 25 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री से भी मिलने के लिए समय मांगा है। पीड़िता की मां ने रोते हुए कहा कि हाई कोर्ट का फैसला उनके लिए न्याय नहीं, बल्कि उनके बच्चों के लिए बड़ा खतरा है।

'गाजा पर कैंडल मार्च करने वाले बांग्लादेश की घटना पर मौन क्यों'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ : उत्तर प्रदेश विधानसभा में बुधवार को अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या पर विपक्ष को घेरा। कहा कि बांग्लादेश में एक दलित हिंदू युवक की हत्या हो गई, लेकिन यहां विपक्ष चुप्पी साधे हुए है। गाजा जैसे मुद्दों पर प्रदर्शन और कैंडल मार्च निकालने वाले दल बांग्लादेश या पाकिस्तान में हिंदुओं और सिखों पर हो रहे अत्याचार पर मौन धारण क्यों कर लेते हैं? योगी ने कहा -''वह यहां भजन-कीर्तन करने नहीं आए हैं, उसके लिए मठ है।'' चेतावनी दी कि प्रदेश में बांग्लादेशी, रोहिंग्या के खिलाफ बहुत कड़ी कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों से कहा कि बांग्लादेश में नौजवान के मरने पर आपकी जुबान सिल जाती है। आप दलित समाज को केवल वोटबैंक के रूप में इस्तेमाल करते हैं। यह वह सच्चाई है, जो आपकी तुष्टिकरण नीति को दर्शाती है, जिसके कारण बांग्लादेश बना है। यदि बांग्लादेश और पाकिस्तान नहीं बना होता तो इस तरीके से हिंदू नहीं जलाया जाता। बांग्लादेश की घटना को लेकर निंदा प्रस्ताव पारित होना चाहिए और यह प्रस्ताव नेता विरोधी दल की तरफ से आना चाहिए। बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को बाहर का रास्ता दिखाएंगे तो उनके समर्थन में आप लोग (विपक्ष) मत आना, क्योंकि उनमें से बहुत सारे लोगों को वोटर आपने बनवाया है।

मुख्यमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार पर चर्चा करते हुए कहा, वर्ष 2017 से पहले प्रदेश की पहचान एक पिछड़े राज्य की थी, आज प्रदेश में 22 एक्सप्रेसवे हैं, जो देश के कुल एक्सप्रेसवे का 60 प्रतिशत है। देश की पहली रैपिड रेल यूपी में चल रही है और देश का पहला वाटरवे भी यूपी में ही संचालित हो चुका है। वाराणसी से हल्दिया के बीच चल रहे जलमार्ग को प्रयागराज तक और आगे बलिया से अयोध्या तक विस्तार देने की योजना पर काम चल रहा है।

सत्र में अनुपूरक बजट पर चर्चा में बोलते सीएम योगी ● सूचना विभाग

- सीएम ने कहा– मैं भजन करने नहीं बैठा हूं, उसके लिए मठ है
- बोले– रोहिंग्या पर जब कार्रवाई हो, तब विपक्ष सामने नहीं आए

शार्टकट अपनाने में गरीब रथ से कटकर दंपती समेत पांच लोगों की मृत्यु

जासं, शाहजहांपुर : दस मिनट का समय बचाने के लिए अपनाया गया शार्टकट दो बच्चों सहित पांच जिंदगियों के लिए काल बन गया। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में एक ही बाइक पर सवार होकर रोजा जंक्शन के पास रेलवे लाइन पार करते समय गरीब रथ एक्सप्रेस इनको टक्कर मारने के बाद 200 मीटर तक घसीटते ले गई। हादसे में सेठपाल, उनकी पत्नी पूजा, पांच वर्षीय बेटे सूर्यांश, चार वर्षीय बेटी निधि व बाइक चला रहे साढ़ू हरिओम की मृत्यु हो गई। बाइक के परखचे आधा किमी दूर तक जा गिरे। अमृतसर से सहरसा जा रही ट्रेन करीब 40 मिनट तक रुकी रही।

सेब वाला सैंटा क्लाज

ओडिशा के पुरी तट पर बुधवार को क्रिसमस की पूर्व संध्या में सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने सैंटा क्लाज की कलाकृति बनाई। इसकी खासियत यह थी सैंटा क्लाज के कोट और टोपी को लाल रंग देने के लिए सैकड़ों सेब इस्तेमाल किए गए ● प्रेट्र

नौ वर्ष बाद आजम की जौहर यूनिवर्सिटी से सरकारी गेस्ट हाउस हुआ 'आजाद'

जागरण संवाददाता, रामपुर : समाजवादी पार्टी की सरकार में आजम खां की हनक के आगे 'बौने' हुए नियम-कानून की एक और बानगी सामने आई है। करीब नौ वर्ष पहले निजी विश्वविद्यालय (मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी) से सटे सरकारी गेस्ट हाउस में अंदर ही अंदर आवागमन के लिए 16 फीट का गेट लगवा दिया गया। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) भी तब से खामोशी की चादर ओढ़े रहा। हालांकि, मामला संज्ञान में आते ही रामपुर के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने गेट हटवाकर दीवार खड़ी करवा दी। कहा कि एपीजे अब्दुल कलाम गेस्ट हाउस सरकारी संपत्ति है। इसके जरिये किसी निजी संस्थान को लाभ नहीं पहुंचाया जा सकता। अवैध रास्ता किसने व किसके आदेश पर बनवाया, इसकी जांच के भी आदेश दिए हैं। विश्वविद्यालय के समीप ही एपीजे अब्दुल कलाम के नाम से गेस्ट हाउस का निर्माण वर्ष 2014 से 2016 के मध्य सपा सरकार में आजम खां ने ही करवाया था। दो महीने पहले कार्यभार संभालने वाले डीएम अजय कुमार द्विवेदी को इस गेस्ट हाउस के बारे में पता चला तो सवाल उठा कि शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर होने के चलते वहां वीवीआइपी कम ही रुकते होंगे। ऐसे में इतनी दूर सरकारी गेस्ट क्यों? सवाल का जवाब खोजने के लिए डीएम खुद निरीक्षण करने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे थे।

यूनिवर्सिटी व गेस्ट हाउस के बीच अवैध बना गेट ● सौ.प्रशासन

विनोद शुक्ल का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

रायपुर में शैलेंद्र नगर स्थित आवास के बाहर विनोद कुमार शुक्ल के पार्थिव शरीर को कांधा देते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व उनके बेटे शाश्वत गोपाल ● नईदुनिया

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर: वरिष्ठ कवि-कथाकार व ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित विनोद कुमार शुक्ल को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित मारवाड़ी मुक्तिधाम में बुधवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। बेटे शाश्वत गोपाल ने उन्हें मुखाग्नि दी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उनके पार्थिव शरीर को कंधा दिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की माटी से उपजे महान साहित्यकार शुक्ल के निधन से हिंदी साहित्य जगत को अपूरणीय क्षति पहुंची है। शुक्ल को एक महीने पहले ही ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वह पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। मंगलवार को रायपुर एम्स में उन्होंने अंतिम सांस ली थी।

सरयू तट पर रानी हौ की प्रतिमा का अनावरण

जागरण संवाददाता, अयोध्या : रामनगरी की संभावनाओं का एक और अध्याय प्रशस्त हुआ, जब सरयू के संत तुलसीदास घाट से सटे दो हजार वर्गमीटर के भू-क्षेत्र पर विकसित परिसर में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने रानी हौ की आदमकद कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारत और दक्षिण कोरिया के संबंधों में नया आयाम जोड़ने वाला है। अयोध्या की राजकुमारी लगभग दो हजार वर्ष पूर्व समुद्री मार्ग से कोरिया गई थीं और वहां राजा सूरो से विवाह के बाद वहां के सबसे प्रभावी वंश की पितामही के रूप में प्रतिष्ठित हुईं। आज भी दक्षिण कोरिया में उनका गहरा सम्मान और व्यापक प्रभाव देखने को मिलता है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई।

रानी हौ की प्रतिमा का अनावरण करते महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ● जागरण

पार्क की चीफ को-आर्डिनेटर वंदना शर्मा ने बताया कि क्वीन हौ मेमोरियल पार्क अयोध्या और कोरिया के ऐतिहासिक रिश्तों का प्रतीक स्थल है। बताया कि स्थापित की गई प्रतिमा लगभग 12 फीट ऊंची है। इसका निर्माण कोरिया के कारीगरों ने किया है और इसे अयोध्या तक पहुंचाने में लगभग 20 दिन का समय लगा। वंदना के अनुसार पार्क में ध्यान केंद्र, प्रदर्शनी कक्ष के साथ विशाल सरोवर व उस पर आकर्षक सेतु का निर्माण किया गया है।

कार्यालय अधिशसी अभियन्ता
उत्तराखण्ड जल संस्थान, पिथौरागढ़
फोन/फैक्स: 05964–225237 E-mail-eepitujs@gmail.com

पत्रांक–3005/विज्ञप्ति /50 दिनांक 24.12.2025

ई–निविदा विस्तार सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक 2832/विज्ञप्ति/48 दिनांक 02.12.2025 द्वारा आमंत्रित ई–निविदा अपरिहार्य कारणों से समयान्तर्गत वेबसाइट में अपलोड ना हो पाने के कारण ई–निविदा में निम्नानुसार विस्तार/आंशिक संशोधन किया जाता है

S. No.	Description	Time Schedule (Key Dates)
1	Document download : Start Date	30.12.2025 at 11:00 Hrs
2	Pre-Bid Meeting : Date	02.01.2026 at 11:00 Hrs
3	Bid Submission : Start date	03.01.2026 at 11:00 Hrs
4	Bid Submission : End date	19.01.2026 upto17:00 Hrs
5	Offline Submission of Technical Bid Documents (Cost of bidding Document, Bid Security, Original affidavits and all supporting Document in support of qualification). At office of Executive Engineer Uttarakhand Jal Sansthan,Pithoragarh	19.01.2026 upto17:00 Hrs
6	Date of Technical Bid Opening	20.01.2026 at 11:00 Hrs

ई–निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारियां व शर्तें उत्तराखण्ड की वेबसाइट www.uktenders.gov.in पर ऑनलाइन देखी/प्राप्त की जा सकती है।

(सुरेश चन्द्र जोशी)
अधिशासी अभियन्ता (प्र0)

****

Govt. of Bihar

NAGAR PANCHAYAT TARAPUR
tarapurnp@gmail.com
Notice Inviting Tender (e-tender)

Nagar Panchayat Tarapur invites online proposals for Selection of Agencies for Providing Outsourced Manpower for Performing and Managing Day to Day Activities related to sanitation work for Nagar Panchayat Tarapur.

NIT No. 15/2025-26	Date 22/12/2025
Name of the Work	Selection of Agencies for Providing Outsources Manpower for Per forming and Manging Day to Day Activities related to sanitation work for Nagar Panchayat Tarapur.
Estimated Project Cost	Rs 52474704.00
Bid Security/EMD (2%)	Rs 1049494.00
Performance Security (5%)	Rs 2623735.00
Cost of Bid Document	Rs 10,000.00
Work Period	24 Months
Website for submission of proposal	www.eproc2.bihar.gov.in/
Mode of Submission	Online Submission through eproc2 portal (www.eproc2.bihar.gov.in) and at the same time Submission of Hard copies at the office of Nagar Panchayat at Tarapur .
Name of Publisher and Officer/Address	The Executive Officer, Nagar Panchayat Tarapur.
NIT Publication date	29/12/25
Online tender Submission Start Date	03/01/2026 (at 11:00AM) www.eproc2.bihar.gov.in/
Pre Bid Meeting Date/Time/Address	06.01.2026 (at 03:00 PM) (Meeting Hall Nagar Panchayat Tarapur)
Last Date of Submission of Bids (online)	09.01.2026 (till 03:00 PM)
Physical documents (Payment proof in the case of a bank Guarantee, the Original Copy of the Power of Attorney and documents related to blacklisting/Department shall be submitted in original) submission End Date/Time/Place . -	10.01.2026 (till 03:00 PM) At office of NAGAR PANCHAYAT TARAPUR
Technical Bid Opening Date/Time of online opening of documents.	10.01.2026 (After 04:00 PM)
Date of opening of financial bid Date and time of opening of financial Proposal	To be informed later to technically qualified bidders.
Method of opening of financial bid Date and time of opening of financial proposal	To be informed later to technically qualified bidders.
Method of Selection	Least Cost Selection (LCS)
Bid Validity	180 Days

- Detailed RFP document shall be available of website:www.eproc2.bihar.gov.in
- For Queries & Clarification, send E-Mail to tarapurnp@gmail.com
- For support related to e-tendering process, bidders may contact at following address- Email id-eproc2 support@bihar.gov.in, **Helpline No.-18005726571**

PR-012124 (B&C) 2025-26

Executive Officer
Nagar Panchayat, Tarapur

PR- 020302 (B & C) 2025-26

उक्त सूचना state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

पोलमपोल भायो

डूँगर नैमत कुदरती,धरती को सिणगार।
छिप्या इरादा 'नियम' में, नीयत बड़ी छिनार।।

फ्लावर शो का आगाज: फतहसागर की पाल पर रंग-बिरंगे फूलों की बहार, खिल उठे मन...

उदयपुर @ पत्रिका. फतहसागर की पाल पर बुधवार को फ्लावर शो की शुरुआत होते ही प्रकृति, सौंदर्य और रचनात्मकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। पाल पर विभिन्न प्रजातियों के रंग-बिरंगे फूलों से की गई आकर्षक सजावट, पुष्प आकृतियां और थीम आधारित फ्लावर इंस्टॉलेशन पर्यटकों एवं शहरवासियों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। फूलों से सजी पाल पर घूमते परिवार, बच्चे और पर्यटक इस नैसर्गिक सुंदरता को कैमरों में कैद करते नजर आए। फ्लावर शो से फतहसागर पाल इन दिनों शहर का सबसे जीवंत और आकर्षक स्थल बना रहा है। फोटो - प्रमोद सोनी

ट्रेंडिंग वीडियो

1\.

भयंक कोहरा, बारिश, बर्फबारी! इन राज्यों में शीतलहर का अलर्ट!

2\.

'पधारो म्हारे देश' जाने क्या दिख जाए...!

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV

राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

भाई ने हत्या कर मिट्टी में गाड़ दिया था शव

चूरू @ पत्रिका. रतननगर थाना क्षेत्र में एनएच-52 के पास मिट्टी में दबे मिले शव का खुलासा हो गया है। वारदात को सगे भाई ने हीं अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि आरोपी अंकित मेघवाल झुंझुनूं जिले के बिसाऊ थाना क्षेत्र के धीरासर गांव का निवासी है। उसने अपने बड़े भाई विकास की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। बाद में शव पर मिट्टी डालकर छोड़ दिया। इससे पहले उसने विकास को उसने बिसाऊ में शराब भी पिलाई थी।

पोस्त तस्करी के दोषी को 4 साल का कारावास

हनुमानगढ़ @ पत्रिका. विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस प्रकरण ने पोस्त तस्करी के मामले में बुधवार को एक जने को चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। आरोपी कृष्ण कुमार पुत्र कालूराम निवासी चक सात डीबीएल, डबली खुर्द तहसील टिब्बी हाल वार्ड 22, सुरेशिया, जंक्शन है। वर्ष 2019 में उसके पास से 20 किलो डोडा पोस्त बरामद कर उसे गिरफ्तार किया गया था।

युवक की मौत, थाने के बाहर प्रदर्शन

करेड़ा (भीलवाड़ा) @ पत्रिका. करेड़ा थाना क्षेत्र में युवक की खेत पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से ग्रामीण गुस्सा उठे। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने करेड़ा पुलिस थाने के बाहर प्रदर्शन कर विरोध जताया। डांग का खेडा निवासी जगदीश (38) पुत्र मांगीलाल कुमावत का शव मंगलवार देर शाम को सरकारी कुएं के पास मिला था। बुधवार सुबह बड़ी सख्या में ग्रामीण करेड़ा पुलिस थाना के बाहर जमा हो गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन करने लगे। आसींद पुलिस उपाधीक्षक ओमप्रकाश सोलंकी व थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और परिजनों व ग्रामीणों से बातचीत की। इसके उपरांत ही शव का पोस्टमार्टम हो सका। पुलिस ने पिता मांगीलाल कुमावत की रिपोर्ट पर हत्या का मामला दर्ज किया है।

अनूपगढ़-बीकानेर वाया छत्तरगढ़ रेल मार्ग पर अब भी सन्नाटा

देश के नक्शे में है, रेलवे के नहीं 78 साल बीते, सीमा इलाका बे-पटरी

रामेश्वर लाल भादू
patrika.com

छत्तरगढ़/बीकानेर. आजादी के 78 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन भारत-पाक सीमा से सटे राजस्थान के सैकड़ों गांव आज भी रेल की सीटी सुनने को तरस रहे हैं। देश और प्रदेश के नक्शे में दर्ज यह इलाका अब तक भारतीय रेल के नक्शे से बाहर है।

अनूपगढ़ से बीकानेर वाया छत्तरगढ़ प्रस्तावित रेल मार्ग दशकों से सिर्फ फाइलों, सर्वे और आश्वासनों में सिमटा हुआ है। यह वही अधूरा सपना है, जो कभी दादा ने देखा था और आज वही सपना पोता भी देख रहा है।

डीपीआर तैयार, बजट से बाहर

इस प्रस्तावित रेल मार्ग की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) के अनुसार करीब 155 किलोमीटर रेल लाइन बिछाई जानी है, जिसकी लागत एक हजार करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। प्रस्तावित मार्ग अनूपगढ़, सतराना, घड़साना, रोजड़ी, रावला, छत्तरगढ़, खाजूवाला, सतासर, मोतीगढ़, लाखूसर, बदरासर, शोभासर होते हुए लालगढ़ तक जाता है। बजट स्वीकृति के अभाव में यह परियोजना वर्षों से अटकी पड़ी है।

ट्रेन के अभाव में बस के सफर को मजबूर सीमावर्ती इलाके के लोग।

सामरिक दृष्टि से अहम

यह रेल मार्ग केवल विकास नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। भारत-पाक सीमा से सटे सैन्य क्षेत्रों से गुजरने वाला यह मार्ग सेना की आवाजाही, आपूर्ति और रणनीतिक मजबूती के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, इसके बावजूद यह परियोजना प्राथमिकता से बाहर है।

एक इंच भी नहीं बढ़ी उम्मीद

कांग्रेस से लेकर भाजपा सरकार तक अनूपगढ़-बीकानेर रेल लाइन की मांग हर दौर में उठी, लेकिन हकीकत यह है कि आज तक एक इंच पटरी भी नहीं बिछी। रेलवे की ओर से 2009-10, 2012 और 2024 में तीन बार सर्वे कराए गए, डीपीआर भी तैयार हुई, लेकिन परियोजना अब तक जमीन पर नहीं उतरी।

पीढ़ियां बदल गईं, इंतजार नहीं बदला

इस क्षेत्र के बुजुर्ग बताते हैं कि कांग्रेस शासन में सांसद मनफूलराम भादू के कार्यकाल के दौरान उनके दादा-पिता ने रेल लाइन का सपना देखा था। आज भाजपा सरकार में सांसद व केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के कार्यकाल में वही सपना पोते भी देख रहे हैं। घड़साना, छत्तरगढ़, रोजड़ी सहित दर्जनों गांव आज भी रेल सुविधा से वंचित हैं।

कृषि, व्यापार और रोजगार सब पर असर

रेल कनेक्टिविटी के अभाव में इस सीमावर्ती क्षेत्र की कृषि उपज की ढुलाई महंगी पड़ती है। साथ ही व्यापारिक गतिविधियां सीमित हुई हैं और रोजगार के अवसर सिमटे हुए हैं। विकास की दौड़ में यह इलाका दशकों पीछे छूटता जा रहा है। रेल विकास समिति और क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि 2026-27 के केंद्रीय बजट में इस रेल परियोजना को स्थान मिलेगा। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के प्रयासों से उम्मीद जगी है कि यह रेल लाइन केवल घोषणा नहीं, बल्कि हकीकत बनेगी।

ऑनलाइन विस्तृत आवेदन भरने का अंतिम अवसर

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान लोक सेवा आयोग ने समूह अनुदेशक, सर्वेयर, सहायक शिक्षुता सलाहकार ग्रेड द्वितीय भर्ती-2024 के तहत जारी विचारित सूची में सम्मिलित 8 अभ्यर्थियों को ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र भरने का अंतिम अवसर दिया है। अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र भरने का लिंक 25 से 28 दिसम्बर को रात्रि 11.59 बजे तक खोला जाएगा। निर्धारित तिथि तक विस्तृत आवेदन पत्र नहीं भरने वाले अभ्यर्थियों को कोई अन्य अवसर नहीं दिया जाएगा।

अजमेर: उत्तरकुंजी पर ऑनलाइन आपत्ति 28 से

अजमेर @ पत्रिका. सहायक आचार्य (कॉलेज शिक्षा विभाग) परीक्षा-2025 के तहत प्रश्न पत्र तृतीय (जनरल स्टडीज ऑफ राजस्थान) की मॉडल उत्तरकुंजी राजस्थान लोक सेवा आयोग की वेबसाइट पर जारी की है। मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया अभ्यर्थी इस मॉडल उत्तरकुंजी पर निर्धारित शुल्क के साथ 28 से 30 दिसम्बर की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आपत्ति दर्ज करा सकेंगे।

फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र से नियुक्ति का आरोप

करेड़ा नायब तहसीलदार एपीओ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भीलवाड़ा. करेड़ा नायब तहसीलदार कंचन चौहान को राजस्व मंडल ने पदस्थापन की प्रतीक्षा (एपीओ) में रखा है। राजस्व मंडल की ओर से जारी आदेश के अनुसार चौहान का मुख्यालय राजस्व मंडल अजमेर किया गया है। गौरतलब है कि ब्यावर से भाजपा विधायक शंकरसिंह रावत की पुत्री कंचन चौहान की फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर नियुक्ति पाने के आरोप के चलते एसओजी के जांच के दायरे में थी। ब्यावर के फनीश सोनी ने फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र से नौकरी पाने की मुख्यमंत्री और एसओजी से शिकायत की थी। इस पर राज्य सरकार ने जांच एसओजी को सौंपी थी। कंचन चौहान आरटीएस-2018 बैच की अधिकारी हैं।

नायब तहसीलदार कंचन चौहान

विवादों में रहीं

नायब तहसीलदार कंचन चौहान लगातार विवादों में रही हैं। कई बार ग्रामीणों ने उनकी कार्यशैली को लेकर उपखंड अधिकारी को जिला कलक्टर के नाम ज्ञापन भी दिया था।

खेरदन्ता मंदिर के पास मिले थे बेहोश

मध्यप्रदेश से आए प्रेमी युगल ने विषाक्त खाकर दी जान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

झालावाड़. मध्यप्रदेश के माचलपुर थाना इलाके से भागकर आए युवक और किशोरी ने जिले के भालता थाना क्षेत्र में जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। दोनों के बीच प्रेम सम्बंध थे। जहरीला पदार्थ खाने से किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक को बेहोशी की हालत में यहां एसआरजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने देर रात दम तोड़ दिया। पुलिस ने बुधवार को दोनों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिए। माचलपुर थाना इलाके के गोघडपुर निवासी अनिल (18) का मोहल्ले में रहने वाली सोलह वर्षीय किशोरी के साथ प्रेम सम्बंध था। दोनों मंगलवार को बाइक से भालता थाना क्षेत्र के खेरदन्ता बाबा रामदेव मंदिर के समीप पहुंचे। मंदिर के पास पहुंचने के बाद दोनों ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। इसके बाद उन्होंने मोबाइल पर मैसेज के जरिए परिजन को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर दोनों के परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने किशोरी को मृत घोषित कर दिया। अनिल को आइसीयू में भर्ती किया गया, लेकिन देर रात उसकी भी मौत हो गई।

चिकित्सालय में घटना से जुड़े दस्तावेज तैयार करती पुलिस।

धौलपुर: 50 हजार का इनामी अजीत ठाकुर घायल

जंगल में गोलियों की गूंज, पुलिस ने दबोचे 5 बदमाश

धौलपुर. जिला अस्पताल में भर्ती घायल बदमाश अजीत।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

धौलपुर. बसई डांग क्षेत्र के सात क्यारी के जंगल में बुधवार सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठी। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में खाकी का पलड़ा भारी रहा। 50 हजार का इनामी बदमाश अजीत ठाकुर पुलिस की गोली का शिकार होकर घायल हो गया। पुलिस ने 50 हजार के एक और इनामी बदमाश कल्ला उर्फ कल्याण ठाकुर समेत 5 बदमाशों को धरदबोचा। घायल बदमाश अजीत को अस्पताल में भर्ती कराया है। बदमाशों से 2 सिंगल शॉट 315 बोर रायफल, 3 देशी कट्टा 315 बोर और 75 जिन्दा और 15 खाली कारतूस बरामद किए हैं। ये गैंग उत्तरप्रदेश समेत धौलपुर जिले के में सक्रिय था। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि बसई डांग क्षेत्र के वन विहार स्थित सात क्यारी के जंगल में बदमाशों के छिपे होने की सूचना पर बसई डांग, डीएसटी, स्पेशल टीम ने घेराबंदी की। पुलिस से घिरने पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। जिसमें इनामी बदमाश अजीत के पैर में गोली लग गई। पुलिस ने अजीत ठाकुर निवासी रतनपुर थाना बसेड़ी, साथी कल्ला उर्फ कल्याण निवासी मुरावली थाना कंचनपुर और तीन अन्य शिवा ठाकुर, धीरज धोबी निवासी खरगपुरा व विष्णु कोली निवासी जारगा थाना बसेड़ी धौलपुर को धरदबोचा।

मुकदमों का अंबार

गिरफ्तार किए बदमाश अजीत ठाकुर पर जिले के विभिन्न थानों में 35, उसके साथी कल्याण पर 33 और धीरज के खिलाफ 8 प्रकरण दर्ज हैं। एसपी ने बताया कि हार्डकोर अपराधी अजीत व कल्याण का गिरोह जिले में बड़ी वारदात करने की फिराक में था।

अरावली की गोद में संवरती उम्मीद

फोटो स्टोरी

उदयपुर @ पत्रिका. सूखी पहाड़ियों के बीच अरावली की गोद में सहेजा गया यह जलस्रोत न सिर्फ प्रकृति की सुंदरता को दर्शाता है, बल्कि आने वाले कल की आशा भी जगाता है। चारों ओर फैले खजूर और हरियाली के बीच ठहरा पानी बताता है कि यदि अरावली सुरक्षित रहे तो जीवन की धारा कभी नहीं सूखेगी। यह दृश्य जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और अरावली के संरक्षण की अनिवार्यता का प्रतीक है, जहां हर बूंद भविष्य को हरा-भरा बनाने का संकल्प लेती नजर आती है। उदयपुर-अहमदाबाद मार्ग पर बलीचा स्थित लई गांव में पहाड़ियों के नीचे बना एनीकट।

पत्नी से अवैध सम्बन्ध का था शक, आरोपी युवक गिरफ्तार

हत्या के बाद शव लेकर पहुंच गया अस्पताल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

किशनगंज (बारां). मेहरावता गांव में बुधवार सुबह एक युवक ने कुल्हाड़ी से गांव के ही एक जने की हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी खुद के ऑटो में शव लेकर गांव से करीब 6 किमी दूर किशनगंज स्थित अस्पताल पहुंचा और शव पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मृतक के भाई की रिपोर्ट पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को शक था कि मृतक के उसकी पत्नी से अवैध संबंध थे। सूचना पर बारां से एसपी अभिषेक अंदासु पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मेहरावता निवासी हेमंत कुशवाह बुधवार सुबह 10 बजे घर से खाना खाकर टहलने के लिए गांव में चौराहे पर गया था। चौराहे के पास ही रमेश कुशवाह (35) का मकान और दुकान है। रमेश घर पर कुल्हाड़ी लेकर कुछ काम कर रहा था। तभी घर के बाहर हेमन्त को देखकर रमेश आग-बबूला हो गया। उसने हेमंत पर कुल्हाड़ी से दो बार ताबड़तोड़ वार कर दिए, वह खून से लथपथ हो गया। रमेश ऑटोरिक्शा में डालकर हेमन्त को अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जयपुर से बालोतरा कार्यक्रम में जा रहे थे

दुर्घटना में दो लोक कलाकारों की मौत, आठ हो गए घायल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

नागौर. राष्ट्रीय राजमार्ग-89 पर थांवला क्षेत्र में बुधवार तड़के साढ़े चार बजे भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और आठ जने घायल हो गए। हादसे का शिकार होने वाले लोक कलाकार थे, जो कार में जयपुर से बालोतरा कार्यक्रम में जा रहे थे। कार ग्राम टेहला के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार 10 जनों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें से तीन की हालत गंभीर है। थांवला थाना पुलिस ने घायलों को अजमेर के जेएलएन अस्पताल पहुंचाया। मृतकों की पहचान कटनी निवासी अमर गौतम तथा जालंधर (पंजाब) निवासी देव पुत्र लाल बहादुर के रूप में हुई है। गंभीर घायलों में श्रुति चौहान (मुंबई), विजय उर्फ अमन (पालड़ी, जयपुर) और रोहित (मुंबई) शामिल हैं, जबकि अन्य को सामान्य चोटें आई हैं।

स्याऊ नर्सरी के समीप की घटना

पेड़ पर लटके मिले प्रेमी युगल के शव, सुसाइड नोट मिला

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

चौमूं.गोविंदगढ़. धोबलाई नदी किनारे बुधवार सुबह स्याऊ नर्सरी के समीप पेड़ पर प्रेमी युगल के शव लटके मिले शवों की पहचान रायसिंह का बास निवासी नरेंद्र कुमार (24) व नीलम (18) के रूप में हुई है। परिजन की मौजूदगी में शवों को चौमूं उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जांच पड़ताल के बाद पोस्टमार्टम कराकर शव परिजन के सुपुर्द कर दिए गए। युवती के पास से सुसाइड नोट मिला है। जिसमें परिजन की ओर से परेशान करना जाना बताया है। युवती ने कक्षा 12 की परीक्षा देने के बाद रायसिंह का बास स्थित ननिहाल में रहना शुरू किया था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले नरेंद्र से उसका प्रेम प्रसंग शुरू हुआ। दोनों के मकान एक ही चौक में होने से मुलाकातें बढ़ी। मंगलवार रात युवती अपने घर रूंडल से गायब हो गई। तलाश करने पर भी वह नहीं मिली। बुधवार सुबह नदी क्षेत्र में दोनों के शव मिले। मौके से चद्दर, और विषाक्त पदार्थ जैसे पाउच भी मिले हैं।

संकट 'कृषि निर्यात जोन' का सपना भी अधूरा, मौसम की मार ने तोड़ी किसानों की कमर

हाड़ौती से गायब हो रही धनिया की खुशबू, आधा ही रह गया रकबा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रामगंजमंडी (कोटा). चम्बल की धरती पर उपजने वाले धनिया की खुशबू सात समंदर पार तक महकती है। प्रदेश में धनिया उत्पादन में हाड़ौती अंचल तीसरे पायदान पर है, लेकिन बदलते मौसम से धनिया की खेती से किसानों का मोहभंग हो गया है। धनिया की बुवाई पांच साल में ही आधी रह गई है। इसी तरह साल दर साल बुवाई का रकबा घटता रहा तो हाड़ौती की धरती से धनिया की महक गायब हो जाएगी। कृषि विभाग के अनुसार बुवाई के आंकड़ों के तहत पिछले साल के मुकाबले 50 प्रतिशत बुवाई में कमी आई है।

हाड़ौती अंचल में धनिया बुवाई के आंकड़े

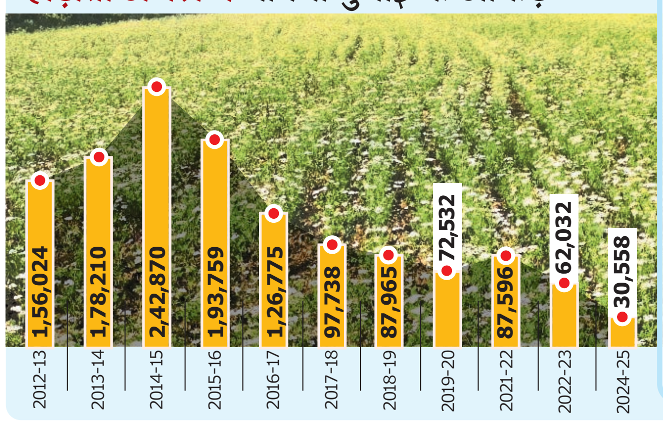

कागजों में सिमटी योजना

हाड़ौती में निर्यात गुणवत्ता के धनिये के उत्पादन के चलते केन्द्र और राज्य सरकार के साझा कार्यक्रम के तहत 2005 में कृषि निर्यात जोन (एईजेड) बनाया था, लेकिन सरकारी सुस्ती के चलते यह योजना फाइलों में ही सिमट कर रह गई।

यहां के धनिया की तासीर: हाड़ौती व चित्तौड़गढ़ की भूमि व एमपी की भूमि में पैदा होने वाले धनिया में सुगंध की मात्रा होती है। देश के अन्य राज्यों में पैदा होने वाले धनिया में यह तासीर नहीं होती। हाड़ौती संभाग के धनिया दाना का वजन कम होता है। गुजरात से पैदा होने वाले धनिया में यह क्वालिटी नहीं होती।

धनिया नाजुक फसल, इसलिए घटा रकबा: धनिया को नाजुक फसल माना जाता है। ज्यादा सर्दी इसको रास नहीं आती और इसके झुलसने का डर रहता है। इस बार औसत से अधिक बरसात से ज्यादा सर्दी से धनिया झुलसने के डर से किसानों ने धनिया की बुवाई नहीं की है।

हाड़ौती की जमीन में पोटाश अधिक है। इस कारण यहां के धनिया में खुशबूदार ऑयल की मात्रा अधिक होती है और चमक भी ज्यादा होती है। इसका लम्बी अवधि तक भण्डारण किया जा सकता है, क्योंकि पोटाश अधिक होने से कीट नहीं लगता है। देश और विदेशों में खुशबूदार धनिया कहीं नहीं होता है। इस कारण ही गुजरात के व्यापारी यहां से धनिया लेकर मिक्सिंग कर प्रोसेस करते हैं। -**पीके गुप्ता,** हॉर्टिकल्चर एक्सपर्ट

लाइन पर काम के दौरान सप्लाई चालू

डिस्कॉम की लापरवाही से एफआरटी कर्मी की मौत

11 केवी करंट की चपेट में आने से झुलसा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पीलीबंगा (हनुमानगढ़). जोधपुर डिस्कॉम की लापरवाही बुधवार देर शाम एक युवक की जान ले बैठी। एफआरटी (फॉल्ट रिपेयर टीम) में कार्यरत 33 वर्षीय मुकेश की करंट से मौत हो गई। मुकेश जाट, निवासी कालीबंगा, वाल्मीकि चौक पर ट्रांसफार्मर का फ्यूज लगाने के लिए पोल पर चढ़ा हुआ था। 132 केवी जीएसएस से सप्लाई चालू कर दी गई। इससे वह करंट की चपेट में आ गया। सप्लाई बंद कर उसे नीचे उतारा गया और अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। विधायक विनोद गोठवाल, किसान सभा के तहसील अध्यक्ष गोपाल बिश्नोई, जोधपुर डिस्कॉम के एइएन गोविंदनाथ, जेइएन (शहरी) शुभम जैन सहित अधिकारी, नागरिक अस्पताल पहुंचे। हादसे के बाद करंट से मुख्य लाइन में फॉल्ट के कारण देर रात तक पूरा शहर अंधेरे में डूबा रहा।

क्रिसमस स्पेशल

सांता बनकर सैकड़ों बच्चों का जीवन संवार रहीं संध्या

जिस तरह क्रिसमस पर सांता क्लॉज बच्चों के लिए उपहार लेकर आता है, उसी तरह जयपुर की संध्या जैन भी सैकड़ों बच्चों के जीवन में खुशियां और उम्मीदें लेकर आती हैं। फर्क बस इतना है कि सांता साल में एक बार आता है, जबकि संध्या 10 वर्षों से हर दिन बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में जुटी हुई हैं। उनके लिए उपहार सिर्फ खिलौने नहीं, बल्कि शिक्षा और संस्कार हैं।

पेरेंट्स करते थे विरोध

वह आर्थिक रूप से कमजोर और अनाथ बच्चों को न सिर्फ पढ़ाती हैं, बल्कि उन्हें लाइफ स्किल्स की शिक्षा भी देती हैं। आज उनके साथ सौ से अधिक बच्चे जुड़े हुए हैं। कच्ची बस्तियों में जाकर बच्चों को पढ़ाना आसान नहीं था। शुरुआत में जब वह बच्चों को पढ़ाने जाती थीं, तो बच्चों के माता-पिता विरोध करते थे, क्योंकि पढ़ाई के समय बच्चे काम पन नहीं जा पाते थे, जिससे परिवार की आय रुक जाती थी। उन्होंने हार नहीं मानते हुए खुद खर्चा उठाकर बच्चों को पढ़ाना शुरू किया।

वह बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए डांडिया प्रोग्राम और आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता कराती हैं।

न रहें कोई वंचित

वह बताती हैं कि बच्चे किसी चीज से वंचित न रहें इसलिए समय-समय पर बच्चों के लिए कई तरह के प्रोग्राम भी करवाए जाते हैं। कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से उन्होंने बच्चों के लिए खिलौने और गेम्स की भी व्यवस्था की है, ताकि वे पढ़ाई के साथ खेलकूद का आनंद भी ले सकें। वह बच्चों को किताबें, खिलौने, कपड़े आदि उपलब्ध कराती हैं। इसके साथ ही वह बच्चों की समस्याओं को भी सुनती हैं और उन्हें हल करने में मदद करती हैं। वह बताती हैं कि बच्चे उन्हें प्यार से संध्या मैम कहकर बुलाते हैं।

क्रिसमस स्पेशल रेसिपी

मीठे पकवानों के साथ मनाएं क्रिसमस का त्योहार

सांता हेट कपकेक

सामग्री-मैदा 1 कप, चीनी 1/2 कप, बटर 1/2 कप, दूध 1/2 कप, बेकिंग पाउडर 1 छोटा चम्मच, वनीला एसेंस 1/2 छोटा चम्मच, रेड फूड कलर, फ्रेश क्रीम/व्हिप्ड क्रीम।

विधि- बटर और चीनी को फेंटें। इसमें दूध और वनीला एसेंस मिलाएं। अब छाना हुआ मैदा और बेकिंग पाउडर डालकर हल्का बैटर बनाएं। बैटर में थोड़ा रेड फूड कलर मिलाएं। कपकेक मोल्ड में डालें, 180डिग्री पर 15-20 मिनट बेक करें। ठंडा होने पर ऊपर व्हिप्ड क्रीम से सजाएं और सांता हेट का आकार दें।

चॉकलेट मिंट कपकेक

सामग्री-मैदा 1 कप, कोको पाउडर 2 चम्मच, चीनी 1/2 कप, बटर 1/2 कप, दूध 1/2 कप,बेकिंग पाउडर 1/2 चम्मच, मिंट एसेंस 1/4 चम्मच, चॉकलेट चिप्स।

विधि-बटर और चीनी फेंटकर दूध मिलाएं। मैदा, कोको पाउडर और बेकिंग पाउडर छानकर मिलाएं। अंत में मिंट एसेंस डालें। मोल्ड में डालकर ऊपर से चॉकलेट चिप्स डालें। 180 डिग्री पर 15-20 मिनट बेक करें। ठंडा होने पर चॉकलेट या क्रीम से गार्निश करें।

जिंजर कपकेक

सामग्री: मैदा 1 कप, ब्राउन शुगर 1/2 कप, बटर 1/2 कप, दूध 1/2 कप, बेकिंग पाउडर 1 छोटा चम्मच, दालचीनी पाउडर 1/2 छोटा चम्मच, जिंजर पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच।

विधि: बटर और ब्राउन शुगर फेंटें तथा दूध मिलाएं। मैदा, बेकिंग पाउडर और मसाले छानकर मिलाएं। मोल्ड में डालकर 180 डिग्री पर 15-20 मिनट बेक करें। ऊपर से क्रीम या कुकी क्रम्ब्स से सजाएं।

निधि शर्मा
फूड ब्लॉगर
patrika.com

आर्ट एंड क्राफ्ट

स्नोमैन

क्रिसमस का त्योहार बच्चों के लिए खुशियों और रचनात्मकता से भरा होता है। इस मौके पर घर पर उन्हें क्राफ्ट स्नोमैन बनाना सिखाएं। यह न केवल उनकी कल्पनाशक्ति को विकसित करेगा, बल्कि कला को भी निखारेगा।

आवश्यक सामग्री: रुई, सफेद चार्ट पेपर (बेस के लिए), गोंद, कैंची, स्केच पेन, छोटे बटन (आंख बनाने और सजावट के लिए), रिबन (स्कार्फ के लिए) रंगीन पेपर या ऑरेंज पेपर, आइसक्रीम स्टिक / कार्डबोर्ड (हाथों के लिए), ग्लिटर पेन।

बनाने की विधि

बेस तैयार करें- सबसे पहले चार्ट पेपर को टेबल पर रखें।
रुई चिपकाएं- रुई के गोले बनाकर बेस पर गोंद की सहायता से चिपकाएं। शरीर के लिए नीचे बड़ा गोला, बीच में थोड़ा छोटा गोला और ऊपर सिर के लिए सबसे छोटा गोला चिपकाएं।
आंख, नाक और मुंह बनाएं- काले स्केच पेन से आंखें और मुंह बनाएं। आप चाहें तो काले बटन भी चिपका सकती हैं। नारंगी पेपर से छोटी त्रिकोण नाक बनाकर चिपकाएं।
टोपी और मफरल- रंगीन पेपर से टोपी और मफरल काटकर चिपकाएं। इसके लिए रिबन का यूज भी कर सकती हैं। अधिक सुंदर बनाने के लिए ग्लिटर पेन का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

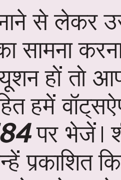

ज्योति अभिषेक शर्मा
आर्ट एंड क्राफ्ट डिजाइनर

किचन में कार्य करते समय खाना बनाने से लेकर उसकी साफ-सफाई तक में काफी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आपके पास कुछ किचन सॉल्यूशन हों तो आपके नाम व अपनी फोटो सहित हमें वॉट्सऐप नंबर ***9057531584*** पर भेजें। शी न्यूज पेज पर इन्हें प्रकाशित किया जाएगा। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें।

पत्रिका शी न्यूज़ हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

---

50 फीट ऊंचाई पर लगी लाइटें अनुपयोगी, कलाकारों की जरूरतों के अनुरूप नहीं : सुरक्षा जांच के लिए उपकरण और विशेषज्ञता नहीं होने का हवाला

करोड़ों फूंके, पर न सुरक्षा न सुविधा : बदहाली की मार झेलता टाउन हॉल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. शहर के बीचोंबीच स्थित जयनारायण व्यास स्मृति भवन यानी टाउन हॉल कभी सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र हुआ करता था, लेकिन आज यह बदइंतजामी, लापरवाही और सरकारी उदासीनता का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है। करोड़ों रुपए खर्च कर नवीनीकरण के दावे किए गए, मगर न तो यह भवन सुरक्षित बन पाया और न ही कलाकारों के काम आने लायक। 12 अप्रेल को छज्जा गिरने की घटना के बाद से एहतियातन इसे बंद कर दिया गया, लेकिन हैरानी की बात यह है कि महीनों बाद भी न तो इसकी सुरक्षा जांच हुई और न ही संचालन दोबारा शुरू किया जा सका।

हॉल की दीवारों पर लगी लाइटिंग की दिखती प्लाई।

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी ने भवन की सुरक्षा जांच के लिए जेडीए और पीडब्ल्यूडी को पत्र लिखा, लेकिन दोनों ही एजेंसियों ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए यह कह दिया कि उनके पास न तो जरूरी उपकरण हैं और न ही तकनीकी विशेषज्ञ। सवाल यह है कि जब शहर की एक प्रमुख सार्वजनिक इमारत की जांच ही कोई नहीं कर सकता, तो फिर आमजन की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? उसी दिन से टाउन हॉल बंद पड़ा है और प्रशासन मौन साधे बैठा है।

लाइटें काम की नहीं : थिएटर के लिए की गई लाइटिंग भी पूरी तरह अनुपयोगी साबित हो रही है। थिएटर कर्मियों के अनुसार, लाइटें करीब 50 फीट ऊंचाई पर लगा दी गई हैं, लेकिन वहां तक पहुंचने का कोई सुरक्षित इंतजाम नहीं है। जो स्पॉट लाइटें लगी हैं, उनमें न तो मूवमेंट है और न ही वे थिएटर की जरूरतों के हिसाब से उपयोगी हैं। करोड़ों की लाइटिंग सिर्फ शोपीस बनकर रह गई है।

ये काम भी अधूरे: भवन में कई काम अधूरे और जुगाड़ आधारित हैं। छत पर बनाए गए एसी कूलिंग प्लांट अधूरे पड़े हैं। फायर सेफ्टी के नाम पर पानी की सप्लाई पुराने टैंक से जोड़कर खानापूर्ति कर दी गई है, जहां झाड़ियों ने कब्जा जमा लिया है। सेंटर एसी के आउटडोर सिस्टम को बिना कवर छोड़ा गया है और थिएटर की छत लोहे की एंगलों से अस्थायी तरीके से जोड़ी गई है।

अध्यक्ष तय नहीं: राज्य में सरकार बने दो साल हो चुके हैं, लेकिन राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो सकी है। जिम्मेदार पद खाली हैं और ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहर बदहाली की ओर बढ़ती जा रही है।

नवीनीकरण के नाम पर केवल खानापूर्ति

नवीनीकरण के नाम पर तत्कालीन सरकार ने करीब साढ़े 11 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें थिएटर, लाइटिंग, साउंड सिस्टम, एसी और अन्य आधुनिक सुविधाओं का दावा किया गया था। हकीकत यह है कि आज न यहां ढंग से थिएटर हो पा रहा है और न ही भवन का सही संचालन। हॉल की दीवारों पर लगी प्लाई उखड़ने लगी है। सीटिंग अरेंजमेंट ऐसा है कि दर्शकों के आने-जाने के लिए सिर्फ एक ही रास्ता छोड़ा गया है, जो किसी भी आपात स्थिति में बड़ा खतरा बन सकता है।

रोजाना 25 लाख लीटर तक पानी की उपलब्धता में कमी

नर्मदा पेयजल आपूर्ति का गणित बिगड़ा, पानी में 30% कटौती

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जालोर. सर्दी की सीजन में भी जालोर, आहोर समेत एफआर प्रोजेक्ट से जुड़े गांव कस्बों में जल संकट गहरा रहा है। जालोर-आहोर तक सप्लाई चेन के मुख्य प्वाइंट बागोड़ा-उम्मेदाबाद पंपिंग स्टेशन पर वोल्टेज में उतार चढ़ाव और पॉवर कट से ये दिक्कत हो रही है। नर्मदा परियोजना के एफआर प्रोजेक्ट को जालोर-आहोर समेत 300 गांव कस्बों को परियोजना से पानी मुहैया होता है।

पिछले कई दिनों से करीब 30 फीसदी तक पानी की कटौती इस पॉवर कट के चलते हो रही है। विभागीय जानकारी के अनुसार नर्मदा परियोजना से जालोर शहर को प्रतिदिन 80 लाख लीटर तक पानी मिलता है। लेकिन रोजाना एग्रीकल्चर लोड के दौरान 6 से 7 घंटे तक वोल्टेज में उतार चढ़ाव से पंपिंग प्रभावित होती है। पंपिंग व्यवस्थित नहीं होने से सप्लाई सिस्टम बिगड़ रहा है। बारिश के दौरान उम्मेदाबाद जवाई नदी में पानी के वेग से यहां नर्मदा जीएसएस की सप्लाई का बिजली पोल गिर गया था। इस स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर अन्य सप्लाई रूट से बिजली आपूर्ति की जा रही थी। अब तक भी नदी क्षेत्र में नया खंभा नहीं लगाया गया है। दूसरी तरफ एग्रीकल्चर सीजन के कारण बिजली का लोड अधिक होने पर उम्मेदाबाद से पंपिंग प्रभावित हो रही है।

जालोर. नर्मदा परियोजना मुख्य केनाल।

केनाल में पूरी आपूर्ति

अधिकारियों के अनुसार नर्मदा परियोजना के तहत केनाल में पर्याप्त पानी मौजूद है और तेतरोल से पर्याप्त पंपिंग भी हो रही है। लेकिन पॉवर कट और वोल्टेज के उतार चढ़ाव से दिक्कत है। इस स्थिति में पूरी सप्लाई नहीं हो रही। शहरी क्षेत्र में आपूर्ति का शेड्यूल प्रभावित है। जालोर में अधिकतर क्षेत्रों में 96 घंटों के अंतराल में पानी की सप्लाई हो रही है।

इनका कहना है

केनाल में पर्याप्त पानी मौजूद है। लेकिन वोल्टेज में उतार चढ़ाव से दिक्कत है। उम्मेदाबाद की सप्लाई लाइन का पोल बारिश की सीजन में गिरा था। डिस्कॉम अधिकारियों ने इसे बदलने की बात कही, अब तक बदला नहीं गया है। जिससे दिक्कत हो रही है।
लिच्छुराम, एसई,
नर्मदा पेयजल परियोजना

रात में बिजली आपूर्ति से ठंड में सिंचाई मुश्किल

मंडार. नायब तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते किसान।

मंडार @ पत्रिका. क्षेत्र में हो रही बिजली कटौती से किसानों में आक्रोश व्याप्त हैं। किसानों ने बिजली कटौती सहित अन्य समस्याओं को लेकर मंगलवार को किसान गणेश चौधरी की अगुआई में मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार जब्बर सिंह देवड़ा व सहायक अभियंता कुलदीप शर्मा को ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में किसानों ने बताया कि सोरडा जीएसएस में 132 केवी का 6 माह पूर्व लगाया बड़ा ट्रांसफार्मर आज तक चालू नहीं किया। इसे चालू किया जाए, ताकि किसानों को बिजली की समस्या से राहत मिल सके। सरकार के निर्देश के बावजूद किसानों को रात में बिजली आपूर्ति की जा रही है, जिससे रात्रि में ठंड में सिंचाई करने में समस्या आ रही है।

रात्रि में किसान ढंग से सिंचाई भी नहीं कर पाते, जिससे फसल जलने का डर रहता है। सरकारी के आदेशानुसार विद्युत आपूर्ति सुबह 5 से शाम को 5 बजे तक करने की मांग की। इसके अलावा किसानों ने विद्युत लाइनों के ढीले तारों, पेड़ों की टहनियों के बीच से गुजर रहे तारों और पोलों को दुरुस्त करने, किसानों को 6 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने की मांग की।

शीतला माता डूंगरी पाटन में भागवत कथा का समापन

'निर्मल हृदय और शुद्ध मन में ही ईश्वर का वास होता है'

लाडनूं . पाटन ग्राम में श्रीमद् भागवत कथा आयोजन में उपस्थित श्रद्धालु।

लाडनूं@पत्रिका. विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पाटन डूंगरी स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन शोभायात्रा के साथ हुआ। कथा व्यास सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी पं. रामपाल शर्मा शास्त्री ने प्रवचनों में भक्ति, ज्ञान और कर्म के समन्वय का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि ग्राम पाटन, आजवा एवं आसपास के गांवों के श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर के विकास के लिए व्यासपीठ पर कुल 8.25 लाख की दान राशि अर्पित की, जिसे आयोजन समिति को सौंपा गया। इससे पूर्व ग्राम मिंडासरी निवासी गणपत ठोलिया ने चार लाख की लागत से मंदिर के पूर्व में गणपति द्वार का निर्माण कराया। वहीं ग्राम कलवानी निवासी बन्नाराम मंडा ने डेढ़ लाख रुपए की लागत से मां शीतला की मूर्ति स्थापना कराई। पं. शर्मा ने कहा कि सुदामा निर्धन नहीं, बल्कि आत्मज्ञान से परिपूर्ण थे। निर्मल हृदय और शुद्ध मन में ही ईश्वर का वास होता है। कथा के अंत में शुकदेवजी के उपदेशों के माध्यम से आत्मा की अमरता और मोक्ष के मार्ग को सरल शब्दों में समझाया गया।

पंचमुखी महादेव में शिक्षा कार्ययोजना पर चर्चा

'बालिकाओं की उच्च शिक्षा से समाज होगा सशक्त'

पंचमुखी महादेव मंदिर के लाइब्रेरी हॉल में कार्यक्रम में अतिथि।

जैसलमेर. स्थानीय पंचमुखी महादेव मंदिर परिसर स्थित बालिका लाइब्रेरी हाल में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की प्रांतीय बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. मोहनलाल छीपा ने की। बैठक में समाज में बालिकाओं की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने, शैक्षणिक स्तर सुदृढ़ करने और आगामी शिक्षा कार्ययोजना तैयार करने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। डॉ. मोहनलाल छीपा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बालिकाओं की उच्च शिक्षा ही समाज को आत्मनिर्भर और सशक्त बना सकती है। उन्होंने इस विषय पर संभाग स्तर पर बैठकों के आयोजन का सुझाव दिया। इस अवसर पर बालिका लाइब्रेरी हाल का निरीक्षण भी किया गया। बालिका शिक्षा अभियान के लिए तन, मन और धन से सहयोग का संकल्प व्यक्त किया गया। इसी क्रम में समाज की ओर से बालिका शिक्षा प्रोत्साहन के लिए 11 हजार रुपए की राशि कोषाध्यक्ष को सौंपी गई। अमरीका प्रवासी रुचि ने भी बालिकाओं को उच्च शिक्षा दिलाने पर जोर देते हुए अपने विचार रखे।

विधवा-विधुर, तलाकशुदा के पुनर्विवाह तथा सर्वसमाज और राजपूत समाज के वैवाहिक विशेषांकों का प्रकाशन 28 को

रियायती दरों पर कल शाम तक बुक करा सकेंगे विज्ञापन

जयपुर@पत्रिका.समाज के विभिन्न संगठनों के आग्रह पर 28 दिसंबर को पत्रिका के राजस्थान के सभी संस्करणों सहित भोपाल, इंदौर व रायपुर संस्करण में विधवा-विधुर, तलाकशुदा के पुनर्विवाह तथा सर्वसमाज और राजपूत समाज के वैवाहिक विशेषांकों का प्रकाशन किया जाएगा। पत्रिका और समाज के विभिन्न संगठनों की इस पहल से विवाह योग्य युवाओं का बायोडाटा देश के लाखों परिवारों तक पहुंचने के साथ ही पाठकों को भी नवीन डाटा बेस उपलब्ध होगा।

इस विशेषांक में पुनर्विवाह या बिना किसी जाति बंधन के सभी समाजों में अथवा राजपूत समाज में योग्य रिश्ता तलाश रहे उच्च शिक्षित प्रोफेशनल युवक-युवतियों के बायोडेटा प्रकाशित किए जाएंगे। अपने या परिवार के विवाह योग्य युवक-युवती के लिए रिश्ता खोज रहे देश के किसी भी हिस्से में रहने वाले राजपूत अथवा सर्व समाज में रिश्ता खोजने वाले परिवार उसका बायोडेटा इस विशेषांक में नाम मात्र की दर पर छपवा सकते हैं। विज्ञापन बुकिंग के लिए पूरा नाम, शहर का नाम व कॉन्टैक्ट नंबर, वाट्सऐप नंबर 7733014575 पर भेज दें। पत्रिका टीम शीघ्र आपसे फोन पर संपर्क करेगी। रियायती दरों पर विज्ञापन की बुकिंग शुक्रवार शाम पांच बजे तक ही की जाएगी। इस कार्य में देशभर से राजपूत सहित सर्वसमाज के संगठन जुड़ चुके हैं। आप भी इस मुहिम में योगदान देना चाहते हैं तो ऊपर दिए नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2023 में 18 जून, 2 व 16 जुलाई, 19 नवंबर, 3 दिसंबर तथा गत वर्ष 11 व 25 फरवरी, 28 अप्रेल, 12 मई, 4 व 18 अगस्त और 17 नवम्बर, इस वर्ष 12 जनवरी, 23 फरवरी, 9 व 23 मार्च एव एक जून और 21 सितम्बर को उक्त सभी संस्करणों में सर्व समाज व पुनर्विवाह वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन हो चुका है। इसके अलावा वर्ष 2023 में 2, 16 जुलाई, 26 नवंबर, 10 दिसंबर, वर्ष 2024 में 7 और 21 अप्रेल, 11 व 25 अगस्त, 10 दिसंबर तथा इस वर्ष 9 , 23 मार्च , 7 एवं 21 सितम्बर और 14 दिसंबर को उपरोक्त संस्करणों में राजपूत समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन में किया जा चुका है।

अव्यवस्थाओं के बीच चल रहे रैन बसेर

सिरोही @ पत्रिका. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिरोही की सचिव सावित्री आनंद निर्भीक ने जिले में संचालित रैन बसेरों का निरीक्षण किया तो अव्यवस्थाओं की पोल खुलकर सामने आ गई। सिरोही शहर में दो रैन बसेरे संचालित हैं, एक पुराना बस स्टैंड के सामने और दूसरा पूर्व कांजी हाउस में।

पुराना बस स्टैंड रैन बसेरा परिसर में चारों ओर गंदगी फैली मिली, शौचालय जर्जर एवं उपयोग योग्य नहीं, गर्म पानी की कोई व्यवस्था नहीं, पेयजल व बिजली की स्थिति असंतोषजनक, बिस्तर, कंबल व अन्य सुविधाएं जीर्ण-शीर्ण, महिलाओं व विशेष योग्यजन के लिए कोई पृथक व्यवस्था नहीं थी। रजिस्टर संधारण नहीं और 19 दिसम्बर के बाद उपस्थिति दर्ज नहीं थी। अव्यवस्थाएं देखकर प्राधिकरण सचिव ने नाराजगी जताते हुए नगर निकाय एवं जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल तत्काल साफ-सफाई, शौचालयों की मरम्मत, पेयजल व बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी निरीक्षण में लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

सिरोही. रैन बसेरे का निरीक्षण करतीं सचिव।

कौशल मेले में छात्रों ने दिखाया नवाचार

कुचामनसिटी. शहर की पीएमश्री जवाहर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को विद्यालय परिसर में कौशल मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्देश्य विद्यार्थियों में व्यावहारिक ज्ञान, नवाचार तथा कौशल आधारित अधिगम को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं वोकेशनल शिक्षा से जुड़े आकर्षक मॉडल और रचनात्मक प्रस्तुतियां देकर प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मेले में विज्ञान प्रभारी व्याख्याता राजेश चौधरी के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने उपयोगी मॉडल प्रस्तुत किए।

आज का राशिफल गुरुवार, 25 दिसंबर, 2025

पंडित मुकेश भारद्वाज, ज्योतिर्विद व वास्तुविद्

मेष: **आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी।** व्यवसाय की विभिन्न परियोजनाओं पर गहन विचार विमर्श होगा। परिवार का सहयोग मिलने की संभावना कम है। मित्रों और बैंक आदि पर निर्भरता रहेगी।

वृषभ: **कार्य कुशलता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।** पारिवारिक या भावनात्मक विषयों से रोजमर्रा के कार्य प्रभावित न हो इसके लिए विशेष प्रयत्नशील रहना होगा। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन: **कार्यस्थल पर लोगों का सहयोग मिलेगा।** व्यवस्था परिवर्तन में लाभ की स्थितियां बनेंगी। पुराने संपर्कों का लाभ मिलने से उत्साहित रहेंगे। आध्यात्मिक विषयों से जुड़ाव बढ़ेगा।

कर्क: **कार्य की अधिकता से थकान रह सकती है।** खान-पान की शुद्धता पर विशेष ध्यान देना होगा। लेखन और गायन के क्षेत्र में रुचि बढ़ेगी। नया सीखने को मिलेगा।

सिंह: **भावनात्मक संबंधों से किसी खास बात की सहमति के लिए दबाव बन सकता है।** पुराने वादे पूरे करने के लिए धन और समय खर्च होने की संभावना है। साझेदारी व्यवसाय से लाभान्वित होंगे।

कन्या: **कार्यस्थल पर अनिश्चिता की स्थिति रह सकती है।** पुराने कार्यों से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। विरोधियों से निपटने की सही नीति बनानी होगी। संबंधों से जुड़ाव बेहतर होंगे।

तुला: **शैक्षणिक कार्यों में हो रही धीमी प्रगति से थोड़ा तनाव महसूस कर सकते हैं।** भविष्य के श्रेष्ठ परिणाम के लिए एकाग्रता का स्तर बढ़ाना होगा। व्यावसायिक गतिविधियों से लाभ के योग।

वृश्चिक: **व्यक्तियों और घटनाओं से नए अनुभव मिलने की स्थितियां बन रही हैं।** सार्वजनिक कार्यों में सहयोगी पीछे हट सकते हैं। बचत खर्च होने के योग बन रहे हैं। मार्केटिंग के लिए समय अच्छा है।

धनु: **बदलते मौसम में स्वास्थ्य का खयाल रखें।** व्यक्तियों को सूचना और आश्वासनों का सही आकार समझ कर अपनी योजना निर्धारित करना आने वाली बड़ी समस्याओं से बचाएगा।

मकर: **व्यावसायिक संपर्क मजबूत होंगे।** वादों पर खरा उतरना मुश्किल रहेगा। परिवार में सभी का सहयोग लेने के लिए जीवनसाथी का सहयोग महत्त्वपूर्ण रहेगा।

कुंभ: **मनोरंजन, कार्य और विश्राम में से जो भी चुनेंगे। उसका भरपूर आनंद ले पाएंगे।** पारिवारिक जीवन में दूसरों की अपेक्षाओं की पूर्ति में धन और समय खर्च होने की संभावना रहेगी।

मीन: **उच्च अधिकारियों के निशाने पर रह सकते हैं।** सावधानी से वक्तव्य देने होंगे। जीवनसाथी के साथ यात्रा योजना बन सकती है। घर व वाहन के रखरखाव पर धन खर्च होने की संभावना है।

ग्रह-नक्षत्र

शुभ वि. सं:	2082	हिजरी संवत :	1447	ऋतु:	शिशिर ऋतु
संवत्सर का नाम:	सिद्धार्थ	मु.मास:	रज्जब 04	मास:	पौष
शाके संवत:	1947	अयन:	उत्तरायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन

गुरुवार, 25 दिसंबर, 2025

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

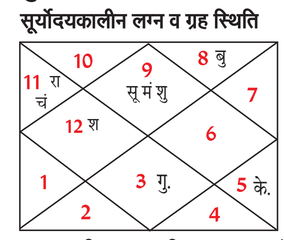

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज शुभ का चौघड़िया सूर्योदय से 8.35 तक रहेगा। चर का चौघड़िया 11.09 से 12.27 तक रहेगा, लाभ व अमृत के चौघड़िए 12.27 से 3.01 तक रहेंगे।
तिथि: पंचमी तिथि दिन 1.43 तक रहेगी, तदुपरांत षष्ठी तिथि होगी।
दिशाशूल: आज दक्षिण दिशा में दिशा शूल रहेगा।
राहु काल वेला: (मध्यमान से) दिन 1.30 से 3.00 तक रहेगा।

नक्षत्र: धनिष्ठा नक्षत्र दिन 8.18 तक रहेगा, तदुपरांत शतभिषा नक्षत्र होगा।
योग: वज्र योग दिन 3.13 तक रहेगा, तदुपरांत सिद्धि योग रहेगा।
करण: बालव करण दिन 1.43 तक रहेगा, तदुपरांत कौलव करण रहेगा।
विशिष्ट योग: रवियोग प्रात: 8.18 से प्रारंभ।
व्रत/दिवस विशेष: क्रिसमस (ईसा जयंती), पंचक, महामना मदनमोहन मालवीय व अटल बिहारी वाजपेयी जयंती।
चंद्रमा: आज संपूर्ण दिन रात्रि कुंभ राशि में होगा।
ग्रह का राशि/नक्षत्र परिवर्तन: मंगल का पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में प्रवेश दिन 12.15 पर।
आज जन्म लेने वाले बच्च: आज जन्म लेने वाले बच्चों की राशि कुंभ होगी। दिन 8.18 तक जन्म लेने वाले बच्चों का धनिष्ठा नक्षत्र होगा, तदुपरांत शतभिषा नक्षत्र होगा। इन बच्चों का ताम्र पाद होगा। इनके प्रथम नामाक्षर गे, गो, सा, सी, सू पर रखे जा सकते हैं। कुंभ का स्वामी भी शानि हैं। इनका स्वभाव दयावान, निस्वार्थ, स्वतंत्रताप्रिय, कल्पना शील और देश-विदेश घूमने के शौकीन होते हैं।

क्रिसमस स्पेशल

सांता बनकर सैकड़ों बच्चों का जीवन संवार रहीं संध्या

जिस तरह क्रिसमस पर सांता क्लॉज बच्चों के लिए उपहार लेकर आता है, उसी तरह जयपुर की संध्या जैन भी सैकड़ों बच्चों के जीवन में खुशियां और उम्मीदें लेकर आती हैं। फर्क बस इतना है कि सांता साल में एक बार आता है, जबकि संध्या 10 वर्षों से हर दिन बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में जुटी हुई हैं। उनके लिए उपहार सिर्फ खिलौने नहीं, बल्कि शिक्षा और संस्कार हैं।

पेरेंट्स करते थे विरोध

वह आर्थिक रूप से कमजोर और अनाथ बच्चों को न सिर्फ पढ़ाती हैं, बल्कि उन्हें लाइफ स्किल्स की शिक्षा भी देती हैं। आज उनके साथ सौ से अधिक बच्चे जुड़े हुए हैं। कच्ची बस्तियों में जाकर बच्चों को पढ़ाना आसान नहीं था। शुरुआत में जब वह बच्चों को पढ़ाने जाती थीं, तो बच्चों के माता-पिता विरोध करते थे, क्योंकि पढ़ाई के समय बच्चे काम पन नहीं जा पाते थे, जिससे परिवार की आय रुक जाती थी। उन्होंने हार नहीं मानते हुए खुद खर्चा उठाकर बच्चों को पढ़ाना शुरू किया।

वह बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए डांडिया प्रोग्राम और आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता कराती हैं।

न रहें कोई वंचित

वह बताती हैं कि बच्चे किसी चीज से वंचित न रहें इसलिए समय-समय पर बच्चों के लिए कई तरह के प्रोग्राम भी करवाए जाते हैं। कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से उन्होंने बच्चों के लिए खिलौने और गेम्स की भी व्यवस्था की है, ताकि वे पढ़ाई के साथ खेलकूद का आनंद भी ले सकें। वह बच्चों को किताबें, खिलौने, कपड़े आदि उपलब्ध कराती हैं। इसके साथ ही वह बच्चों की समस्याओं को भी सुनती हैं और उन्हें हल करने में मदद करती हैं। वह बताती हैं कि बच्चे उन्हें प्यार से संध्या मैम कहकर बुलाते हैं।

क्रिसमस स्पेशल रेसिपी

मीठे पकवानों के साथ मनाएं क्रिसमस का त्योहार

सांता हेट कपकेक

सामग्री- मैदा 1 कप, चीनी 1/2 कप, बटर 1/2 कप, दूध 1/2 कप, बेकिंग पाउडर 1 छोटा चम्मच, वनीला एसेंस 1/2 छोटा चम्मच, रेड फूड कलर, फ्रेश क्रीम/व्हिप्ड क्रीम।

विधि- बटर और चीनी को फेंटें। इसमें दूध और वनीला एसेंस मिलाएं। अब छाना हुआ मैदा और बेकिंग पाउडर डालकर हल्का बैटर बनाएं। बैटर में थोड़ा रेड फूड कलर मिलाएं। कपकेक मोल्ड में डालें, 180डिग्री पर 15-20 मिनट बेक करें। ठंडा होने पर ऊपर व्हिप्ड क्रीम से सजाएं और सांता हेट का आकार दें।

चॉकलेट मिंट कपकेक

सामग्री- मैदा 1 कप, कोको पाउडर 2 चम्मच, चीनी 1/2 कप, बटर 1/2 कप, दूध 1/2 कप,बेकिंग पाउडर 1/2 चम्मच, मिंट एसेंस 1/4 चम्मच, चॉकलेट चिप्स।

विधि- बटर और चीनी फेंटकर दूध मिलाएं। मैदा, कोको पाउडर और बेकिंग पाउडर छानकर मिलाएं। अंत में मिंट एसेंस डालें। मोल्ड में डालकर ऊपर से चॉकलेट चिप्स डालें। 180 डिग्री पर 15-20 मिनट बेक करें। ठंडा होने पर चॉकलेट या क्रीम से गार्निश करें।

जिंजर कपकेक

सामग्री: मैदा 1 कप, ब्राउन शुगर 1/2 कप, बटर 1/2 कप, दूध 1/2 कप, बेकिंग पाउडर 1 छोटा चम्मच, दालचीनी पाउडर 1/2 छोटा चम्मच, जिंजर पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच।

विधि: बटर और ब्राउन शुगर फेंटें तथा दूध मिलाएं। मैदा, बेकिंग पाउडर और मसाले छानकर मिलाएं। मोल्ड में डालकर 180 डिग्री पर 15-20 मिनट बेक करें। ऊपर से क्रीम या कुकी क्रम्ब्स से सजाएं।

निधि शर्मा
फूड ब्लॉगर
patrika.com

आर्ट एंड क्राफ्ट

स्नोमैन

क्रिसमस का त्योहार बच्चों के लिए खुशियों और रचनात्मकता से भरा होता है। इस मौके पर घर पर उन्हें क्राफ्ट स्नोमैन बनाना सिखाएं। यह न केवल उनकी कल्पनाशक्ति को विकसित करेगा, बल्कि कला को भी निखारेगा।

आवश्यक सामग्री: रुई, सफेद चार्ट पेपर (बेस के लिए), गोंद, कैंची, स्केच पेन, छोटे बटन (आंख बनाने और सजावट के लिए), रिबन (स्कार्फ के लिए) रंगीन पेपर या ऑरेंज पेपर, आइसक्रीम स्टिक / कार्डबोर्ड (हाथों के लिए), ग्लिटर पेन।

बनाने की विधि

बेस तैयार करें- सबसे पहले चार्ट पेपर को टेबल पर रखें।

रुई चिपकाएं- रुई के गोले बनाकर बेस पर गोंद की सहायता से चिपकाएं। शरीर के लिए नीचे बड़ा गोला, बीच में थोड़ा छोटा गोला और ऊपर सिर के लिए सबसे छोटा गोला चिपकाएं।

आंख, नाक और मुंह बनाएं- काले स्केच पेन से आंखें और मुंह बनाएं। आप चाहें तो काले बटन भी चिपका सकती हैं। नारंगी पेपर से छोटी त्रिकोण नाक बनाकर चिपकाएं।

टोपी और मफरल- रंगीन पेपर से टोपी और मफरल काटकर चिपकाएं। इसके लिए रिबन का यूज भी कर सकती हैं। अधिक सुंदर बनाने के लिए ग्लिटर पेन का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

ज्योति अभिषेक शर्मा
आर्ट एंड क्राफ्ट डिजाइनर

किचन में कार्य करते समय खाना बनाने से लेकर उसकी साफ-सफाई तक में काफी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आपके पास कुछ किचन सॉल्यूशन हों तो आपके नाम व अपनी फोटो सहित हमें वॉट्सऐप नंबर ***9057531584*** पर भेजें। शी न्यूज पेज पर इन्हें प्रकाशित किया जाएगा। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें।

पत्रिका शी न्यूज़

हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

50 फीट ऊंचाई पर लगी लाइटें अनुपयोगी, कलाकारों की जरूरतों के अनुरूप नहीं : सुरक्षा जांच के लिए उपकरण और विशेषज्ञता नहीं होने का हवाला

करोड़ों फूंके, पर न सुरक्षा न सुविधा : बदहाली की मार झेलता टाउन हॉल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. शहर के बीचोंबीच स्थित जयनारायण व्यास स्मृति भवन यानी टाउन हॉल कभी सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र हुआ करता था, लेकिन आज यह बदइंतजामी, लापरवाही और सरकारी उदासीनता का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है। करोड़ों रुपए खर्च कर नवीनीकरण के दावे किए गए, मगर न तो यह भवन सुरक्षित बन पाया और न ही कलाकारों के काम आने लायक। 12 अप्रेल को छज्जा गिरने की घटना के बाद से एहतियातन इसे बंद कर दिया गया, लेकिन हैरानी की बात यह है कि महीनों बाद भी न तो इसकी सुरक्षा जांच हुई और न ही संचालन दोबारा शुरू किया जा सका।

हॉल की दीवारों पर लगी लाइटिंग की दिखती प्लाई।

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी ने भवन की सुरक्षा जांच के लिए जेडीए और पीडब्ल्यूडी को पत्र लिखा, लेकिन दोनों ही एजेंसियों ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए यह कह दिया कि उनके पास न तो जरूरी उपकरण हैं और न ही तकनीकी विशेषज्ञ। सवाल यह है कि जब शहर की एक प्रमुख सार्वजनिक इमारत की जांच ही कोई नहीं कर सकता, तो फिर आमजन की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? उसी दिन से टाउन हॉल बंद पड़ा है और प्रशासन मौन साधे बैठा है।

लाइटें काम की नहीं : थिएटर के लिए की गई लाइटिंग भी पूरी तरह अनुपयोगी साबित हो रही है। थिएटर कर्मियों के अनुसार, लाइटें करीब 50 फीट ऊंचाई पर लगा दी गई हैं, लेकिन वहां तक पहुंचने का कोई सुरक्षित इंतजाम नहीं है। जो स्पॉट लाइटें लगी हैं, उनमें न तो मूवमेंट है और न ही वे थिएटर की जरूरतों के हिसाब से उपयोगी हैं। करोड़ों की लाइटिंग सिर्फ शोपीस बनकर रह गई है।

ये काम भी अधूरे: भवन में कई काम अधूरे और जुगाड़ आधारित हैं। छत पर बनाए गए एसी कूलिंग प्लांट अधूरे पड़े हैं। फायर सेफ्टी के नाम पर पानी की सप्लाई पुराने टैंक से जोड़कर खानापूर्ति कर दी गई है, जहां झाड़ियों ने कब्जा जमा लिया है। सेंटर एसी के आउटडोर सिस्टम को बिना कवर छोड़ा गया है और थिएटर की छत लोहे की एंगलों से अस्थायी तरीके से जोड़ी गई है।

नवीनीकरण के नाम पर केवल खानापूर्ति

नवीनीकरण के नाम पर तत्कालीन सरकार ने करीब साढ़े 11 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें थिएटर, लाइटिंग, साउंड सिस्टम, एसी और अन्य आधुनिक सुविधाओं का दावा किया गया था। हकीकत यह है कि आज न यहां ढंग से थिएटर हो पा रहा है और न ही भवन का सही संचालन। हॉल की दीवारों पर लगी प्लाई उखड़ने लगी है। सीटिंग अरेंजमेंट ऐसा है कि दर्शकों के आने-जाने के लिए सिर्फ एक ही रास्ता छोड़ा गया है, जो किसी भी आपात स्थिति में बड़ा खतरा बन सकता है।

अध्यक्ष तय नहीं: राज्य में सरकार बने दो साल हो चुके हैं, लेकिन राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हो सकी है। जिम्मेदार पद खाली हैं और ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहर बदहाली की ओर बढ़ती जा रही है।

रोजाना 25 लाख लीटर तक पानी की उपलब्धता में कमी

नर्मदा पेयजल आपूर्ति का गणित बिगड़ा, पानी में 30% कटौती

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जालोर. सर्दी की सीजन में भी जालोर, आहोर समेत एफआर प्रोजेक्ट से जुड़े गांव कस्बों में जल संकट गहरा रहा है। जालोर-आहोर तक सप्लाई चेन के मुख्य प्वाइंट बागोड़ा-उम्मेदाबाद पंपिंग स्टेशन पर वोल्टेज में उतार चढ़ाव और पॉवर कट से ये दिक्कत हो रही है। नर्मदा परियोजना के एफआर प्रोजेक्ट को जालोर-आहोर समेत 300 गांव कस्बों को परियोजना से पानी मुहैया होता है।

पिछले कई दिनों से करीब 30 फीसदी तक पानी की कटौती इस पॉवर कट के चलते हो रही है। विभागीय जानकारी के अनुसार नर्मदा परियोजना से जालोर शहर को प्रतिदिन 80 लाख लीटर तक पानी मिलता है। लेकिन रोजाना एग्रीकल्चर लोड के दौरान 6 से 7 घंटे तक वोल्टेज में उतार चढ़ाव से पंपिंग प्रभावित होती है। पंपिंग व्यवस्थित नहीं होने से सप्लाई सिस्टम बिगड़ रहा है। बारिश के दौरान उम्मेदाबाद जवाई नदी में पानी के वेग से यहां नर्मदा जीएसएस की सप्लाई का बिजली पोल गिर गया था। इस स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर अन्य सप्लाई रूट से बिजली आपूर्ति की जा रही थी। अब तक भी नदी क्षेत्र में नया खंभा नहीं लगाया गया है। दूसरी तरफ एग्रीकल्चर सीजन के कारण बिजली का लोड अधिक होने पर उम्मेदाबाद से पंपिंग प्रभावित हो रही है।

जालोर. नर्मदा परियोजना मुख्य केनाल।

केनाल में पूरी आपूर्ति

अधिकारियों के अनुसार नर्मदा परियोजना के तहत केनाल में पर्याप्त पानी मौजूद है और तेतरोल से पर्याप्त पंपिंग भी हो रही है। लेकिन पॉवर कट और वोल्टेज के उतार चढ़ाव से दिक्कत है। इस स्थिति में पूरी सप्लाई नहीं हो रही। शहरी क्षेत्र में आपूर्ति का शेड्यूल प्रभावित है। जालोर में अधिकतर क्षेत्रों में 96 घंटों के अंतराल में पानी की सप्लाई हो रही है।

इनका कहना है

केनाल में पर्याप्त पानी मौजूद है। लेकिन वोल्टेज में उतार चढ़ाव से दिक्कत है। उम्मेदाबाद की सप्लाई लाइन का पोल बारिश की सीजन में गिरा था। डिस्कॉम अधिकारियों ने इसे बदलने की बात कही, अब तक बदला नहीं गया है। जिससे दिक्कत हो रही है।
लिच्छुराम, एसई,
नर्मदा पेयजल परियोजना

रात में बिजली आपूर्ति से ठंड में सिंचाई मुश्किल

मंडार. नायब तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते किसान।

मंडार @ पत्रिका. क्षेत्र में हो रही बिजली कटौती से किसानों में आक्रोश व्याप्त हैं। किसानों ने बिजली कटौती सहित अन्य समस्याओं को लेकर मंगलवार को किसान गणेश चौधरी की अगुआई में मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार जब्बर सिंह देवड़ा व सहायक अभियंता कुलदीप शर्मा को ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में किसानों ने बताया कि सोरडा जीएसएस में 132 केवी का 6 माह पूर्व लगाया बड़ा ट्रांसफार्मर आज तक चालू नहीं किया। इसे चालू किया जाए, ताकि किसानों को बिजली की समस्या से राहत मिल सके। सरकार के निर्देश के बावजूद किसानों को रात में बिजली आपूर्ति की जा रही है, जिससे रात्रि में ठंड में सिंचाई करने में समस्या आ रही है।

रात्रि में किसान ढंग से सिंचाई भी नहीं कर पाते, जिससे फसल जलने का डर रहता है। सरकारी के आदेशानुसार विद्युत आपूर्ति सुबह 5 से शाम को 5 बजे तक करने की मांग की। इसके अलावा किसानों ने विद्युत लाइनों के ढीले तारों, पेड़ों की टहनियों के बीच से गुजर रहे तारों और पोलों को दुरुस्त करने, किसानों को 6 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने की मांग की।

शीतला माता डूंगरी पाटन में भागवत कथा का समापन

'निर्मल हृदय और शुद्ध मन में ही ईश्वर का वास होता है'

लाडनूं . पाटन ग्राम में श्रीमद् भागवत कथा आयोजन में उपस्थित श्रद्धालु।

लाडनूं@पत्रिका. विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पाटन डूंगरी स्थित शीतला माता मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन शोभायात्रा के साथ हुआ। कथा व्यास सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी पं. रामपाल शर्मा शास्त्री ने प्रवचनों में भक्ति, ज्ञान और कर्म के समन्वय का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि ग्राम पाटन, आजवा एवं आसपास के गांवों के श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर के विकास के लिए व्यासपीठ पर कुल 8.25 लाख की दान राशि अर्पित की, जिसे आयोजन समिति को सौंपा गया। इससे पूर्व ग्राम मिंडासरी निवासी गणपत ठोलिया ने चार लाख की लागत से मंदिर के पूर्व में गणपति द्वार का निर्माण कराया। वहीं ग्राम कलवानी निवासी बन्नाराम मंडा ने डेढ़ लाख रुपए की लागत से मां शीतला की मूर्ति स्थापना कराई। पं. शर्मा ने कहा कि सुदामा निर्धन नहीं, बल्कि आत्मज्ञान से परिपूर्ण थे। निर्मल हृदय और शुद्ध मन में ही ईश्वर का वास होता है। कथा के अंत में शुकदेवजी के उपदेशों के माध्यम से आत्मा की अमरता और मोक्ष के मार्ग को सरल शब्दों में समझाया गया।

पंचमुखी महादेव में शिक्षा कार्ययोजना पर चर्चा

'बालिकाओं की उच्च शिक्षा से समाज होगा सशक्त'

पंचमुखी महादेव मंदिर के लाइब्रेरी हॉल में कार्यक्रम में अतिथि।

जैसलमेर. स्थानीय पंचमुखी महादेव मंदिर परिसर स्थित बालिका लाइब्रेरी हाल में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की प्रांतीय बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. मोहनलाल छीपा ने की। बैठक में समाज में बालिकाओं की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने, शैक्षणिक स्तर सुदृढ़ करने और आगामी शिक्षा कार्ययोजना तैयार करने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। डॉ. मोहनलाल छीपा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि बालिकाओं की उच्च शिक्षा ही समाज को आत्मनिर्भर और सशक्त बना सकती है। उन्होंने इस विषय पर संभाग स्तर पर बैठकों के आयोजन का सुझाव दिया। इस अवसर पर बालिका लाइब्रेरी हाल का निरीक्षण भी किया गया। बालिका शिक्षा अभियान के लिए तन, मन और धन से सहयोग का संकल्प व्यक्त किया गया। इसी क्रम में समाज की ओर से बालिका शिक्षा प्रोत्साहन के लिए 11 हजार रुपए की राशि कोषाध्यक्ष को सौंपी गई। अमरीका प्रवासी रुचि ने भी बालिकाओं को उच्च शिक्षा दिलाने पर जोर देते हुए अपने विचार रखे।

विधवा-विधुर, तलाकशुदा के पुनर्विवाह तथा सर्वसमाज और राजपूत समाज के वैवाहिक विशेषांकों का प्रकाशन 28 को

रियायती दरों पर कल शाम तक बुक करा सकेंगे विज्ञापन

जयपुर@पत्रिका. समाज के विभिन्न संगठनों के आग्रह पर 28 दिसंबर को पत्रिका के राजस्थान के सभी संस्करणों सहित भोपाल, इंदौर व रायपुर संस्करण में विधवा-विधुर, तलाकशुदा के पुनर्विवाह तथा सर्वसमाज और राजपूत समाज के वैवाहिक विशेषांकों का प्रकाशन किया जाएगा। पत्रिका और समाज के विभिन्न संगठनों की इस पहल से विवाह योग्य युवाओं का बायोडाटा देश के लाखों परिवारों तक पहुंचने के साथ ही पाठकों को भी नवीन डाटा बेस उपलब्ध होगा।

इस विशेषांक में पुनर्विवाह या बिना किसी जाति बंधन के सभी समाजों में अथवा राजपूत समाज में योग्य रिश्ता तलाश रहे उच्च शिक्षित प्रोफेशनल युवक-युवतियों के बायोडेटा प्रकाशित किए जाएंगे। अपने या परिवार के विवाह योग्य युवक-युवती के लिए रिश्ता खोज रहे देश के किसी भी हिस्से में रहने वाले राजपूत अथवा सर्व समाज में रिश्ता खोजने वाले परिवार उसका बायोडेटा इस विशेषांक में नाम मात्र की दर पर छपवा सकते हैं। विज्ञापन बुकिंग के लिए पूरा नाम, शहर का नाम व कॉन्टैक्ट नंबर, वाट्सऐप नंबर 7733014575 पर भेज दें। पत्रिका टीम शीघ्र आपसे फोन पर संपर्क करेगी। रियायती दरों पर विज्ञापन की बुकिंग शुक्रवार शाम पांच बजे तक ही की जाएगी। इस कार्य में देशभर से राजपूत सहित सर्वसमाज के संगठन जुड़ चुके हैं। आप भी इस मुहिम में योगदान देना चाहते हैं तो ऊपर दिए नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2023 में 18 जून, 2 व 16 जुलाई, 19 नवंबर, 3 दिसंबर तथा गत वर्ष 11 व 25 फरवरी, 28 अप्रेल, 12 मई, 4 व 18 अगस्त और 17 नवम्बर, इस वर्ष 12 जनवरी, 23 फरवरी, 9 व 23 मार्च एव एक जून और 21 सितम्बर को उक्त सभी संस्करणों में सर्व समाज व पुनर्विवाह वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन हो चुका है। इसके अलावा वर्ष 2023 में 2, 16 जुलाई, 26 नवंबर, 10 दिसंबर, वर्ष 2024 में 7 और 21 अप्रेल, 11 व 25 अगस्त, 10 दिसंबर तथा इस वर्ष 9 , 23 मार्च , 7 एवं 21 सितम्बर और 14 दिसंबर को उपरोक्त संस्करणों में राजपूत समाज के वैवाहिक विशेषांक का प्रकाशन में किया जा चुका है।

अव्यवस्थाओं के बीच चल रहे रैन बसेर

सिरोही @ पत्रिका. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिरोही की सचिव सावित्री आनंद निर्भीक ने जिले में संचालित रैन बसेरों का निरीक्षण किया तो अव्यवस्थाओं की पोल खुलकर सामने आ गई। सिरोही शहर में दो रैन बसेरे संचालित हैं, एक पुराना बस स्टैंड के सामने और दूसरा पूर्व कांजी हाउस में।

पुराना बस स्टैंड रैन बसेरा परिसर में चारों ओर गंदगी फैली मिली, शौचालय जर्जर एवं उपयोग योग्य नहीं, गर्म पानी की कोई व्यवस्था नहीं, पेयजल व बिजली की स्थिति असंतोषजनक, बिस्तर, कंबल व अन्य सुविधाएं जीर्ण-शीर्ण, महिलाओं व विशेष योग्यजन के लिए कोई पृथक व्यवस्था नहीं थी। रजिस्टर संधारण नहीं और 19 दिसम्बर के बाद उपस्थिति दर्ज नहीं थी। अव्यवस्थाएं देखकर प्राधिकरण सचिव ने नाराजगी जताते हुए नगर निकाय एवं जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल तत्काल साफ-सफाई, शौचालयों की मरम्मत, पेयजल व बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी निरीक्षण में लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की चेतावनी दी।

सिरोही. रैन बसेरे का निरीक्षण करतीं सचिव।

कौशल मेले में छात्रों ने दिखाया नवाचार

कुचामनसिटी. शहर की पीएमश्री जवाहर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को विद्यालय परिसर में कौशल मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्देश्य विद्यार्थियों में व्यावहारिक ज्ञान, नवाचार तथा कौशल आधारित अधिगम को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं वोकेशनल शिक्षा से जुड़े आकर्षक मॉडल और रचनात्मक प्रस्तुतियां देकर प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मेले में विज्ञान प्रभारी व्याख्याता राजेश चौधरी के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने उपयोगी मॉडल प्रस्तुत किए।

आज का राशिफल गुरुवार, 25 दिसंबर, 2025

पंडित मुकेश भारद्वाज, ज्योतिर्विद व वास्तुविद्

मेष: **आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी।** व्यवसाय की विभिन्न परियोजनाओं पर गहन विचार विमर्श होगा। परिवार का सहयोग मिलने की संभावना कम है। मित्रों और बैंक आदि पर निर्भरता रहेगी।

वृषभ: **कार्य कुशलता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।** पारिवारिक या भावनात्मक विषयों से रोजमर्रा के कार्य प्रभावित न हो इसके लिए विशेष प्रयत्नशील रहना होगा। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन: **कार्यस्थल पर लोगों का सहयोग मिलेगा।** व्यवस्था परिवर्तन में लाभ की स्थितियां बनेंगी। पुराने संपर्कों का लाभ मिलने से उत्साहित रहेंगे। आध्यात्मिक विषयों से जुड़ाव बढ़ेगा।

कर्क: **कार्य की अधिकता से थकान रह सकती है।** खान-पान की शुद्धता पर विशेष ध्यान देना होगा। लेखन और गायन के क्षेत्र में रुचि बढ़ेगी। नया सीखने को मिलेगा।

सिंह: **भावनात्मक संबंधों से किसी खास बात की सहमति के लिए दबाव बन सकता है।** पुराने वादे पूरे करने के लिए धन और समय खर्च होने की संभावना है। साझेदारी व्यवसाय से लाभान्वित होंगे।

कन्या: **कार्यस्थल पर अनिश्चिता की स्थिति रह सकती है।** पुराने कार्यों से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। विरोधियों से निपटने की सही नीति बनानी होगी। संबंधों से जुड़ाव बेहतर होंगे।

तुला: **शैक्षणिक कार्यों में हो रही धीमी प्रगति से थोड़ा तनाव महसूस कर सकते हैं।** भविष्य के श्रेष्ठ परिणाम के लिए एकाग्रता का स्तर बढ़ाना होगा। व्यावसायिक गतिविधियों से लाभ के योग।

वृश्चिक: **व्यक्तियों और घटनाओं से नए अनुभव मिलने की स्थितियां बन रही हैं।** सार्वजनिक कार्यों में सहयोगी पीछे हट सकते हैं। बचत खर्च होने के योग बन रहे हैं। मार्केटिंग के लिए समय अच्छा है।

धनु: **बदलते मौसम में स्वास्थ्य का खयाल रखें।** व्यक्तियों को सूचना और आश्वासनों का सही आकार समझ कर अपनी योजना निर्धारित करना आने वाली बड़ी समस्याओं से बचाएगा।

मकर: **व्यावसायिक संपर्क मजबूत होंगे।** वादों पर खरा उतरना मुश्किल रहेगा। परिवार में सभी का सहयोग लेने के लिए जीवनसाथी का सहयोग महत्त्वपूर्ण रहेगा।

कुंभ: **मनोरंजन, कार्य और विश्राम में से जो भी चुनेंगे। उसका भरपूर आनंद ले पाएंगे।** पारिवारिक जीवन में दूसरों की अपेक्षाओं की पूर्ति में धन और समय खर्च होने की संभावना रहेगी।

मीन: **उच्च अधिकारियों के निशाने पर रह सकते हैं।** सावधानी से वक्तव्य देने होंगे। जीवनसाथी के साथ यात्रा योजना बन सकती है। घर व वाहन के रखरखाव पर धन खर्च होने की संभावना है।

ग्रह-नक्षत्र

शुभ वि. सं:	2082	हिजरी संवत :	1447	ऋतु:	शिशिर ऋतु
संवत्सर का नाम:	सिद्धार्थ	मु.मास:	रज्जब 04	मास:	पौष
शाके संवत:	1947	अयन:	उत्तरायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन

गुरुवार, 25 दिसंबर, 2025

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

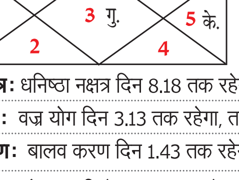

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज शुभ का चौघड़िया सूर्योदय से 8.35 तक रहेगा। चर का चौघड़िया 11.09 से 12.27 तक रहेगा, लाभ व अमृत के चौघड़िए 12.27 से 3.01 तक रहेंगे।

तिथि: पंचमी तिथि दिन 1.43 तक रहेगी, तदुपरांत षष्ठी तिथि होगी।

दिशाशूल: आज दक्षिण दिशा में दिशा शूल रहेगा।

राहु काल वेला: (मध्यमान से) दिन 1.30 से 3.00 तक रहेगा।

नक्षत्र: धनिष्ठा नक्षत्र दिन 8.18 तक रहेगा, तदुपरांत शतभिषा नक्षत्र होगा।

योग: वज्र योग दिन 3.13 तक रहेगा, तदुपरांत सिद्धि योग रहेगा।

करण: बालव करण दिन 1.43 तक रहेगा, तदुपरांत कौलव करण रहेगा।

विशिष्ट योग: रवियोग प्रात: 8.18 से प्रारंभ।

व्रत/दिवस विशेष: क्रिसमस (ईसा जयंती), पंचक, महामना मदनमोहन मालवीय व अटल बिहारी वाजपेयी जयंती।

चंद्रमा: आज संपूर्ण दिन रात्रि कुंभ राशि में होगा।

ग्रह का राशि/नक्षत्र परिवर्तन: मंगल का पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में प्रवेश दिन 12.15 पर।

आज जन्म लेने वाले बच्च: आज जन्म लेने वाले बच्चों की राशि कुंभ होगी। दिन 8.18 तक जन्म लेने वाले बच्चों का धनिष्ठा नक्षत्र होगा, तदुपरांत शतभिषा नक्षत्र होगा। इन बच्चों का ताम्र पाद होगा। इनके प्रथम नामाक्षर गे, गो, सा, सी, सू पर रखे जा सकते हैं। कुंभ का स्वामी भी शानि हैं। इनका स्वभाव दयावान, निस्वार्थ, स्वतंत्रताप्रिय, कल्पना शील और देश-विदेश घूमने के शौकीन होते हैं।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। **–वाल्तेयर**

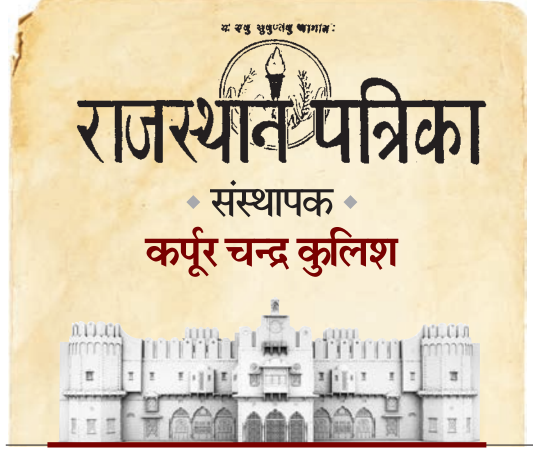

अब अंतरिक्ष में खुलेंगे नई संभावनाओं के द्वार

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने फिर साबित कर दिया है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष तकनीक का उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर उसका नेतृत्वकर्ता बन चुका है। वर्ष के अपने आखिरी मिशन में इसरो ने सबसे भारी अमरीकी संचार उपग्रह ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 का सफल प्रक्षेपण कर इतिहास रच दिया है। यह मिशन पूरी तरह से वाणिज्यिक था, जिसने भारत की बढ़ती अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था और वैश्विक भरोसे को मजबूती दी है।

इस मिशन के लिए इसरो ने अपने शक्तिशाली एलवीएम-3 लॉन्च व्हीकल का उपयोग किया, जिसे उसकी क्षमताओं के कारण पहले ही 'बाहुबली' नाम दिया जा चुका है। यह एलवीएम-3 की छठी उड़ान और वाणिज्यिक मिशन के लिए तीसरी सफल उड़ान रही, जो बताता है कि भारत अब भारी और जटिल पेलोड को सुरक्षित रूप से अंतरिक्ष में स्थापित करने में सक्षम है। पहले जहां इस तरह के बड़े संचार उपग्रहों के लिए देशों को अमरीका या यूरोप पर निर्भर रहना पड़ता था, अब भारत भी उस भरोसेमंद सूची में शामिल हो गया है। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 उपग्रह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं है, बल्कि संचार क्रांति की दिशा में बड़ा कदम है। यह अगली पीढ़ी की प्रणाली का हिस्सा है, जिसके जरिए 4जी और 5जी स्मार्टफोन पर सीधे सेल्युलर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाएगी यानी भविष्य में दूरदराज, समुद्री क्षेत्रों या नेटवर्क से वंचित इलाकों में भी बिना पारंपरिक टावरों के मोबाइल कनेक्टिविटी संभव हो सकेगी। इस सफल लॉन्चिंग का महत्व भारत के लिए कई स्तरों पर है। पहला, यह भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता और विश्वसनीयता को बताता है। दूसरा, यह इसरो के बढ़ते वाणिज्यिक स्वरूप को दर्शाता है, जहां भारत 'लॉन्च सर्विस प्रोवाइडर' के रूप में उभर रहा है। तीसरा, यह भारत की अंतरिक्ष कूटनीति को भी मजबूती देता है, क्योंकि ऐसे मिशन देशों के बीच विश्वास और सहयोग को गहरा करते हैं। आज जब अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक खोज तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि संचार, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और विकास का अहम आधार बन चुका है, तब भारत की यह छलांग दुनिया के लिए भी कल्याणकारी है। कम लागत, उच्च विश्वसनीयता और समयबद्ध लॉन्चिंग का संयोजन इसरो को वैश्विक बाजार में अलग पहचान देता है।

ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 का सफल प्रक्षेपण इस बात का प्रमाण है कि भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक बड़ी शक्ति बन चुका है। यह उपलब्धि न केवल हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि हमारे नीति नियंताओं की उस दूरदृष्टि का परिचायक भी है, जिसने भारत को 'जनकल्याण के लिए अंतरिक्ष' के मार्ग पर अग्रसर किया है। अंतरिक्ष में भारत की यह उड़ान आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को छुएगी और विश्व के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी।

कर्पूर चन्द्र कुलिश
जन्म शताब्दी वर्ष
भाग -40

हमारे नीति निर्माताओं का सर्वाधिक ध्यान आजकल बिजली पर है। यह उचित एवं आवश्यक भी है लेकिन इससे अधिक महत्व कृषि को देना होगा।

खेती ही उद्योगों का आधार

अब तक खेती में नारेबाजी को ही दिया नीति का नाम

हम बरसों से भारत को कृषि प्रधान देश भले ही कहते आए हों, लेकिन औद्योगीकरण की होड़ में खेती कहीं पीछे हो गई है। दो दिन पहले ही देशभर में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती (23 दिसंबर) किसान दिवस के रूप में मनाई गई। हर बार की तरह कृषि व काश्तकारों के कल्याण की बातें भी हुईं। खेती को दोयम दर्जे पर रखने तथा छोटी होती जोतों की वजह से नुकसान की तरफ ध्यान दिलाता कुलिश जी का हुक्मरानों को नसीहत देता यह आलेख आज भी प्रासंगिक है। आलेख के अंशः

यह सच है कि उद्योग ही समृद्धि के साधन हैं। यह युग भी उद्योग प्रधान है परन्तु हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उद्योगों का आधार कृषि है। हमें रहन-सहन के लिए प्राकृतिक पदार्थों पर ही निर्भर करना है। बासी और नकली पदार्थों पर निर्भर करने वाला जीवन क्षीण ही होता है। हम कृषि को कदापि गौण न समझें। हमें सम्पूर्ण अर्थनीति को कृषि प्रधान बनाना होगा। आज सभी पश्चिमी देशों में नैसर्गिक आहार की मांग है। हमें इस अनुकूल परिस्थिति का लाभ उठाकर कृषि पर अधिक जोर देना चाहिए और देशी फसलों की तरफ कृषि को प्रेरित करना चाहिए। हमारे नीति निर्माताओं का सर्वाधिक ध्यान आजकल बिजली पर है। यह उचित एवं आवश्यक भी है लेकिन हमें इससे अधिक महत्व कृषि को देना होगा। कृषि हमारी अर्थ नीति का आधार हो और पानी भी उसका आधार हो। बिजली उसके लिए सहायक के रूप में काम करे। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि, जो देश उद्योगों के बल पर बढ़े-चढ़े हैं वे छलांग मार कर नहीं चढ़े हैं। वे कई दौरों से गुजर कर आगे बढ़े हैं। हमारे देश की जो जनशक्ति है उसके समुचित उपयोग का एकमात्र आसरा कृषि ही है। कृषि को आधार मानकर ही उसकी नींव पर उद्योगों का विकास किया जाना चाहिए। भारतीय कृषि की एक बड़ी कमजोरी छोटी- छोटी जोतें हैं और वे हर दिन छोटी होती जा रही हैं। उत्तराधिकार कानून के प्रावधानों के अनुसार एक खेत हर पीढ़ी में छोटा होता जाता है। कोई भी किसान उसके भरोसे अपने परिवार का पेट नहीं पाल सकता। इन जोतों को उपयोगी बनाने का कोई उद्यम नहीं हुआ। हमारे देश में कृषि के संबंध में कोई कारगर नीति नहीं है। सामान्यतः नारेबाजी को ही नीति का नाम दिया जाता है। हरित क्रांति, आधुनिक तकनीक, खाद-बिजली पर अनुदान, न्यूनतम समर्थन मूल्य आदि ऐसे ही नारे हैं। किसान को यह मालूम नहीं कि कितनी जमीन में अनाज, गन्ना, तिलहन या कपास बोना हैं। कभी कपास में मंदी आती है तो कभी गन्ने के खेत जलाए जाते हैं। अकाल, बाढ़, ओलावृष्टि जैसे मौकों पर तकाबी या ऋण वसूल न करने की घोषणा कर दी जाती है। कृषि को ही आर्थिक नीति का मूलाधार बनाया जाना चाहिए। कृषि ही उद्योगों को कच्चा माल दे सकती है।

खेती को उद्योग-व्यापार न बनावें

*23 अगस्त 1995 अंक में **'खेती को उद्योग-व्यापार न बनावें'** आलेख*

तीजो बरण

आकर्षण करसो करम,
अन्दाता को रूप।
करसन ही खेती-कृषी,
तीजो बरण अनूप।।

***'सात सैंकड़ा'** से*

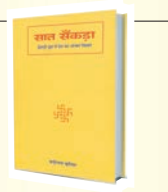

भारत का ग्राम्य जीवन

भारत का ग्राम्य जीवन किसी औद्योगिक क्रांति में समास होने वाला नहीं है और जो गांवों में उद्योग-धंधे चल रहे हैं उनकी भी जरूरत बनी रहेगी। इन धंधों में सुधार का मतलब होगा, समूचे गांव में सुधार होना। जो लोग पीढ़ियों से एक धंधा कर रहे हैं, वे सधे हुए हैं और गांव को उपयोगी सेवा प्रदान करते हैं। इन सेवाओं का स्थान कोई दूसरा नहीं ले सकता। सामुदायिक विकास योजनाओं के माध्यम से गांवों में किए जाने वाले नियोजित परिवर्तन का विलक्षण तत्व 'सर्व ग्राह्यता' है। अतः सुधार और आधुनिकता के बीच प्रकट होने वाले अकल्पित विरोध के प्रति विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इसी ने दुविधा, संशय और व्यक्तिवाद को बढ़ावा दिया है। सामाजिक परिवर्तन के निर्धारित तत्वों में समन्वय एवं निरंतरता अपेक्षित हैं।

*(कुलिश जी की यात्रा वृत्तांत पर आधारित पुस्तक **'मैं देखता चला गया'** से)*

गांव में उत्पादन के साधन

हमारे शास्त्रों में शरीर को भूतग्राम कहा गया है। विभिन्न महाभूतों से बनी हुई शरीर की..पिण्ड की जो रचना है उसे ग्राम कहिए। यह ग्राम का संगठित रूप है, जो देश में बसे हुए ग्रामों में देखने में आता है। ग्राम में अपने स्वयं के उत्पादन के साधन हैं। कृषि से अन्न मिल रहा है, कपास से कपड़ा, खेती से सब्जी, तिलहन, पशुपालन से घी-दूध सब उपलब्ध है। इनके वितरण के साधन भी समस्त मौजूद हैं। पहले तो उत्पादन करने वाला घर में उपभोग करेगा, कर्जा उधारी होगा उसे चुकाएगा, लगान में भी उत्पादन का एक हिस्सा चला जाएगा। यदि ग्राम में ही खपत है तो ठीक है वरना पास-पड़ोस की मंडी में बिकने चला लाएगा।

('**धाराप्रवाह**' से)

(जारी... कुलिश जी का सृजन संसार पढ़ें आगामी गुरुवार को भी)

आंतरिक राजनीति : प्रियंका को बड़ी राजनीतिक भूमिका देने की चर्चाएं जोर पकड़ने लगीं

पार्टी, परिवार और भविष्य : क्या कांग्रेस के अंदर बन रहे हैं दो सत्ता केंद्र?

राज कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक
@patrika.com

वरिष्ठ नेताओं के लिए भी राहुल से मुलाकात आसान नहीं। इसका असर कांग्रेसियों में पार्टी व अपने भविष्य की चिंता के रूप में सामने आ रहा है। प्रियंका में उन्हें बेहतर संभावनाएं दिखती हैं।

संसद से सड़क तक सत्तापक्ष और विपक्ष में टकराव तो साफ दिख रहा है, पर कांग्रेस की आंतरिक राजनीति में भी सब कुछ सामान्य नहीं है। 'वंदे मातरम्' पर संसद में चर्चा के बाद राजनीतिक गलियारों में राहुल-प्रियंका की चर्चाएं चल पड़ी हैं। सदन के नेता के नाते प्रधानमंत्री ने 'वंदे मातरम्' पर चर्चा की शुरुआत की। अपेक्षा थी कि नेता प्रतिपक्ष के नाते राहुल गांधी बोलेंगे, पर कांग्रेस की ओर से मोर्चा संभाला प्रियंका ने। इसका कारण तो कांग्रेस ही जानती होगी, पर मोदी की भाषण कला की प्रशंसा करते हुए भी प्रियंका हास-परिहास के बीच ही तर्कों और तथ्यों के साथ सत्तापक्ष पर कटाक्षों से सदन को प्रभावित करने में सफल दिखीं। सत्तापक्ष और अध्यक्ष ओम बिड़ला की ओर से ज्यादा रोक-टोक भी नहीं हुई। राहुल गांधी भी बोले, मगर चुनाव सुधार पर चर्चा में। राहुल के भाषण में न तो नए तथ्य-तर्क दिखे और न ही प्रियंका की तरह आक्रामक हुए बिना सत्तापक्ष को कठघरे में खड़ा करने की कला।

'वंदे मातरम्' में काट-छांट का आरोप लगाते हुए मोदी ने नेहरू द्वारा नेताजी सुभाष चंद बोस को लिखे पत्र के चुनिंदा अंश का उल्लेख किया था, जबकि प्रियंका ने कांग्रेस की सोच स्पष्ट करने वाले सभी अंशों का उल्लेख करते हुए उससे पहले नेताजी द्वारा नेहरू को लिखे गए पत्र और रवींद्र नाथ टैगोर के भी इस बाबत पत्र के अंश सुनाए। उसके बाद खुद कांग्रेस के अंदर राहुल से तुलना करते हुए प्रियंका को बड़ी राजनीतिक भूमिका देने की चर्चाएं फिर जोर पकड़ने लगी हैं। 'टीम राहुल' और 'टीम प्रियंका' में कथित टकराव की चर्चाओं को हवा देने में भाजपा के राजनीतिक निहितार्थ हो सकते हैं, पर इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि दोनों की अपनी-अपनी टीम है और देश-प्रदेश में अपने-अपने पसंदीदा नेता भी।

नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब में प्रियंका की पसंद माने जाते हैं, जिनकी महत्वाकांक्षाओं के चलते 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सत्ता से बेआबरू विदाई हुई। पहले सुनील जाखड़ को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटना पड़ा और फिर कैप्टन अमरेंद्र सिंह को मुख्यमंत्री पद से। अब ये दोनों भाजपा के नेता हैं। मुख्यमंत्री बनने के लिए 500 करोड़ रुपए के सूटकेस की जरूरत होने का खुलासा करते हुए भी सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर ने बताया कि उनके पति के पार्टी और प्रियंका से भावनात्मक रिश्ते हैं। पूर्व मंत्री नवजोत कौर को कांग्रेस ने निलंबित कर दिया है। माना जाता है कि राहुल को उत्तराधिकारी बनाने तथा पार्टी में दो सत्ता केंद्रों से बचने के मकसद से ही सोनिया गांधी ने प्रियंका को परदे के पीछे की भूमिका में रखा। वे मां सोनिया और भाई राहुल के चुनाव क्षेत्रों में प्रचार व प्रबंधन संभालती रहीं। प्रियंका को राष्ट्रीय महासचिव और यूपी प्रभारी बनने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। 'इंडिया' गठबंधन में सहयोगी दलों के साथ भी कांग्रेस के रिश्ते सहज नहीं। खरगे राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, पर अहम फैसले राहुल ले रहे हैं। हरियाणा में पिछले नेता प्रतिपक्ष को ही पुनः चुनने में पूरा साल लग गया। लगता है कि मां सोनिया की कांग्रेस को राहुल अपना नहीं पा रहे और अपनी पसंद की कांग्रेस बनाने का साहस नहीं जुटा पा रहे। परिणाम नेताओं के पलायन के रूप में भी सामने आ रहा है। पदयात्रा से राहुल की छवि बेहतर हुई, लेकिन संगठनात्मक कमजोरी के चलते उसका ज्यादा चुनावी लाभ मिला नहीं। राहुल की छवि सीधे मोदी पर तल्ख हमले करते हुए टकराव की राजनीति करने वाले नेता की बन गई है। उनकी राजनीति और मुद्दों में निरंतरता का अभाव भी है। बीच-बीच में राहुल के विदेश चले जाने से भाजपा को उनकी अगंभीर राजनेता की छवि बनाने का मौका भी मिल रहा है। वरिष्ठ नेताओं के लिए भी राहुल से मुलाकात आसान नहीं। इसका असर कांग्रेसियों में पार्टी व अपने भविष्य की चिंता के रूप में सामने आ रहा है। प्रियंका में उन्हें बेहतर संभावनाएं दिखती हैं।

इंदिरा गांधी की झलक के अलावा राजनीतिक समझ, संवाद और प्रभावी भाषण शैली में प्रियंका बेहतर मानी जाती हैं। प्रियंका के सत्र की समाप्ति पर स्पीकर की चाय पार्टी में शामिल होने और प्रधानमंत्री समेत सभी से हास-परिहास के साथ चर्चा को भी छवि निर्माण की कवायद माना जा रहा है। प्रियंका का एक ही नकारात्मक पहलू है- पति रॉबर्ट वाड्रा के विरुद्ध दर्ज मुकदमे। उसके चलते वह सरकार के विरोध में कितनी दूर तक जा पाएंगी- यह सवाल कांग्रेस में भी पूछा जा रहा है। बेशक प्रियंका की भूमिका का फैसला सोनिया ही करेंगी। वह कब और क्या होगी- यह देखना दिलचस्प होगा।

असंभव लगने वाला घर, संभव बनाता शहरी जीवन

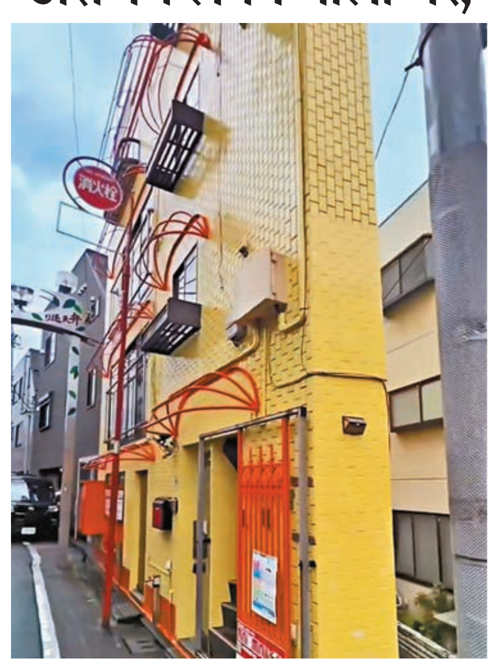

टोक्यो की यह इमारत बेहद पतली है। यह संकरी संरचना शहरी जापान की रचनात्मक सोच और वास्तुकला की नवाचार क्षमता को दर्शाती है। असंभव से दिखने वाले इस घर में चार अलग-अलग परिवार रहते हैं। इस घर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि हर परिवार को निजता, रोशनी और उपयोगी स्थान मिल सके।

बुक इनसाइट

द डेविल रीच्ड टूवर्ड द स्काई

गैरेट एम. ग्राफ की नई पुस्तक 'द डेविल रीच्ड टूवर्ड द स्काई' बीसवीं सदी के सबसे भयावह और निर्णायक क्षणों में से एक परमाणु बम के निर्माण और उसके इस्तेमाल की गहरी और सजीव पड़ताल करती है। यह किताब एक मौखिक इतिहास के रूप में लिखी गई है, जहां वैज्ञानिकों, सैनिकों, राजनेताओं और प्रत्यक्षदर्शियों की आवाजें मिलकर उस दौर का जीवंत चित्र खींचती हैं। जेम्स पैटर्सन जैसे मशहूर लेखक ने इसे एक कालजयी रचना बताया है, जो आज के समय में भी प्रासंगिक और डरावनी लगती है। ग्राफ ने इस पुस्तक में दिखाया है कि कैसे विज्ञान, राजनीति और युद्ध की परिस्थितियों ने मिलकर ऐसा हथियार गढ़ा, जिसने न केवल द्वितीय विश्वयुद्ध का अंत किया बल्कि पूरी दुनिया की दिशा भी बदल दी। हिरोशिमा और नागासाकी की त्रासदी, लाखों निर्दोषों की मौत और आने वाली पीढ़ियों पर उसका असर इस किताब के केंद्र में है। यह किताब न केवल तथ्यों से भरी है, बल्कि उन भावनाओं को भी उजागर करती है जो इस विनाशकारी हथियार के निर्माण से जुड़ी थीं। ग्राफ की लेखन शैली सरल और रोचक है।

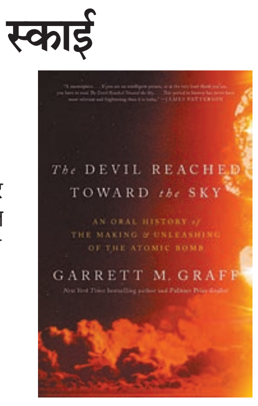

प्रसंगवश

अंगदान को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता के प्रयासों को गति देनी होगी

लोगों को ब्रेन डेड की अवधारणा समझा अंगदान से जुड़ी भ्रांतियां दूर करनी चाहिए

कभी-कभी जीवन की बड़ी सीख उन लोगों से मिलती है, जो अपनी संतान के बिछोह की गहरी पीड़ा के बीच जनकल्याण से जुड़ा फैसला लेते हैं। राजस्थान में एम्स जोधपुर में नर्सरी में पढ़ने वाले पांच साल के बच्चे भोमाराम के परिजनों ने ऐसे दुःख के बीच जो निर्णय किया, वह केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया से जुड़ा ही नहीं, बल्कि मानवता के प्रति लिया गया गहरा संकल्प भी था। अपने बच्चे को खो जाने का दर्द सीने में दबाए उसे ब्रेन डेड घोषित करने के क्षण में ही बच्चे के अंगदान का साहसिक फैसला कर इस परिवार ने यह दिखा दिया कि मृत्यु भी जीवन का अंत नहीं होती। अपने प्रियजन की मौत के बाद भी उसकी स्मृतियों को जिंदा रखने का काम अंगदान से हो सकता है। सच यही है कि अंगदान के जरिए किसी के अंग, किसी अन्य जरूरतमंद के लिए नई सुबह बन सकते हैं। ब्रेन डेड घोषित होने के बाद अंगदान का निर्णय आसान नहीं होता। न ही हम ब्रेन डेड की अवधारणा को समझ पाए हैं।

प्रदेश में अंगदान को लेकर कई चुनौतियां हैं। सबसे बड़ी चुनौती जागरूकता की कमी है। लोग आज भी अंगदान को धर्म, परंपरा या दूसरी कई भ्रांतियों से जोड़कर देखते हैं। कई परिवार यह सोचकर पीछे हट जाते हैं कि अंग निकालने से शरीर को नुकसान होगा या अंतिम संस्कार में बाधा आएगी। जबकि चिकित्सकीय सच यह है कि अंगदान सम्मानपूर्वक और पूरी गरिमा के साथ किया जाता है। दूसरी बड़ी चुनौती समय पर समन्वय की है। ब्रेन डेड घोषित होने के बाद अंगों को उपयोग के लायक बनाए रखने, ट्रांसप्लांट के लिए उपयुक्त मरीज खोजने और ट्रांसप्लांट टीमों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में हर मिनट की कीमत होती है। छोटे बच्चों के अंगों के लिए उपयुक्त मरीज मिलना और भी कठिन हो जाता है। इन चुनौतियों पर काबू पाने के लिए बहुस्तरीय प्रयास जरूरी हैं। स्कूल स्तर से ही अंगदान पर वैज्ञानिक और मानवीय शिक्षा दी जानी चाहिए।

- योगेन्द्र सेन
yogendra.sen@in.patrika.com

अटल जी की जयंती | विचारों में दृढ़, आचरण में शालीन और व्यवहार में मानवीय संवेदनाओं से भरपूर थे

वाजपेयी सदा भारतीय राजनीति का 'अटल' नक्षत्र बने रहेंगे

वासुदेव देवनानी
विधानसभा अध्यक्ष
राजस्थान
@patrika.com

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के उन बिरले व्यक्तित्वों में से थे, जिनकी पहचान केवल सत्ता या पद से नहीं, बल्कि विचार, संवेदना और राष्ट्रनिष्ठा से बनी। उनका व्यक्तित्व सचमुच 'अटल' था। वे विचारों में दृढ़, आचरण में शालीन और व्यवहार में मानवीय संवेदनाओं से भरपूर थे। वे एक ऐसे राजनेता थे, जिन्हें विरोधी भी सम्मान की दृष्टि से देखते थे और समर्थक आदर्श जननेता मानते थे।

अटल जी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर में हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहते हुए उन्होंने राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। राजनीति में आने के बाद उन्होंने जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी को वैचारिक मजबूती दी। वे केवल एक दल के नेता नहीं थे, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के सच्चे प्रहरी थे। संसद में उनके भाषण तर्क, मर्यादा और व्यंग्य का अद्भुत संगम होते थे। उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था। एक ओर वे कुशल प्रशासक और दूरदर्शी राजनेता थे, तो दूसरी ओर संवेदनशील कवि और साहित्य प्रेमी भी थे। उनकी कविताओं में राष्ट्रप्रेम, मानवीय पीड़ा और आशा की झलक मिलती है। लोकसभा में अटल बिहारी वाजपेयी का एक ओजस्वी भाषण सुनने के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कहा था यह लड़का एक दिन भारत का प्रधानमंत्री बनेगा। वैचारिक मतभेद होने के बावजूद पंडित नेहरू ने वाजपेयी जी की वाक-कला,

तर्कशक्ति और लोकतांत्रिक मर्यादा की खुले मन से सराहना की थी, जो कि कालान्तर में सही साबित हुई। हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा- उनकी मौलिक कविता की यह पंक्ति उनके जीवन-दर्शन को बखूबी अभिव्यक्त करती है। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने कभी धैर्य और संतुलन नहीं खोया।

भारत के प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत को एक नई दिशा और दृष्टि दी। राजस्थान के पोकरण में परमाणु परीक्षण के माध्यम से उन्होंने भारत की सामरिक क्षमता को विश्व के सामने दृढ़ता से स्थापित किया। साथ ही, बस यात्रा और शांति पहल के जरिए उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ संवाद का साहसिक प्रयास भी किया। यह उनके अटल व्यक्तित्व का ही प्रमाण था कि वे शक्ति और शांति दोनों के संतुलन में विश्वास रखते थे।

अटल जी की सबसे बड़ी विशेषता थी राजनीति में नैतिकता का आचरण करना। सत्ता में रहते हुए भी उन्होंने अपने जीवन मूल्यों और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। अटल जी की शख्सियत की बेजोड़ और अनूठी मिसाल तब देखने को मिली जब कांग्रेस शासनकाल में प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव ने उन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का पक्ष रखने के लिए भेजा। उस समय वाजपेयी जी सत्ता पक्ष में नहीं, बल्कि विपक्ष के प्रमुख नेता थे। इसके बावजूद, राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए नरसिम्हा राव सरकार ने उन्हें भारत का प्रतिनिधि बनाया। यह अवसर उस समय आया जब कश्मीर और मानवाधिकारों के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को घेरने का प्रयास किया जा रहा था। पाकिस्तान भारत के आंतरिक मामलों का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की कोशिश कर रहा था।

ऐसे संवेदनशील समय में भारत को एक ऐसे नेता की आवश्यकता थी, जिनकी अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता, वाक-कौशल, राजनीतिक अनुभव और नैतिक विश्वसनीयता निर्विवाद हो और यह गुण अटल बिहारी वाजपेयी में सहज रूप से विद्यमान थे। संयुक्त राष्ट्र में अटल बिहारी वाजपेयी ने अत्यंत संतुलित, तथ्यपरक और दृढ़ भाषा में भारत का पक्ष रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कश्मीर भारत का आंतरिक विषय है और किसी भी प्रकार का आतंकवाद मानवाधिकारों का सबसे बड़ा उल्लंघन है। उनके तर्कों में आक्रोश नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और संयम था, जिसने भारत की स्थिति को मजबूती प्रदान की। इस घटना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह था कि यह किसी पार्टी की राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देने का उदाहरण बनी। उन्होंने यह संदेश दिया कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत एक स्वर में बोलता है, चाहे देश के भीतर राजनीतिक मतभेद हों। यह प्रसंग भारतीय संसदीय लोकतंत्र की परिपक्वता, विपक्ष की जिम्मेदारी और नेतृत्व की उदारता का सशक्त प्रतीक बना।

राजस्थान की राजनीति में भी अटल जी का मार्गदर्शक प्रभाव रहा। पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह जसोल जैसे नेताओं के साथ उनका स्नेहपूर्ण और मार्गदर्शक संबंध रहा। वे राजस्थान के नेताओं को न केवल संगठनात्मक मजबूती देते थे, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादाओं और वैचारिक स्पष्टता का पाठ भी पढ़ाते थे। मेरे राजनीतिक जीवन में भी वाजपेयी जी का अहम स्थान रहा है। उनसे मिले स्नेह, अपनत्व और मार्गदर्शन से मुझे हमेशा एक नई प्रेरणा मिली। भारत के राजनीतिक इतिहास में अटल बिहारी वाजपेयी जी का नाम सदैव सम्मान, गरिमा और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक के रूप में अंकित रहेगा और वे भारतीय राजनीति का एक अटल नक्षत्र बने रहेंगे।

आपकी बात

अरावली हमारी जीवनरेखा है

अरावली संरक्षण के लिए अवैध खनन और पेड़ों की कटाई का विरोध करें। पौधरोपण को जीवन का हिस्सा बनाएं। अरावली हमारी जीवन रेखा है, इसका संरक्षण जरूरी है। पशु-पक्षियों की जीवनदायिनी और पारिस्थितिक तंत्र की मजबूती, भूजल का स्तर नीचे न गिरने तथा ऑक्सीजन का स्रोत अरावली ही हैं। इसे बचाना हम सबका ध्येय बने।

- शिवजी लाल मीना, जयपुर

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की अन्य प्रतिक्रियाएं

इसे स्कैन करें

पत्रिकायन का सवाल था, 'अरावली के संरक्षण को लेकर क्या कदम उठाए जाने चाहिए?' अन्य प्रतिक्रियाएं ऑनलाइन भी देखें।
https://shorturl.at/68aOb

आज का सवाल

एआइ के उपयोग से लोगों की जीवनशैली में आ रहे बदलावों को लेकर आपके क्या विचार हैं?
ईमेल करें: edit@epatrika.com

आज का पंचांग

पंडित प्रो. विनोद शास्त्री

तिथि संवत् : पौष, शुक्ल पक्ष पंचमी, गुरुवार दोपहर 01:43 तक रहेगी। विक्रम संवत् 2082, शाके 1947, हिजरी 1447, मुस्लिम माह रज्जब, तारीख 4, सूर्य उत्तरायण, शिशिर ऋतु, 25 दिसंबर।

सूर्योदय कालीन नक्षत्र : धनिष्ठा नक्षत्र प्रातः 08:18 तक, इसके बाद शतभिषा नक्षत्र रहेगा। वज्र योग दोपहर 03:13 तक, इसके बाद सिद्धि योग रहेगा। तैतिल करण दोपहर 01:44 तक, इसके बाद गर करण रहेगा।

ग्रह विचार (प्रातः 05:30) : सूर्य-धनु, चंद्र-कुंभ, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरु-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है।

राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00 तक रहेगा।

दिशाशूल : दक्षिण दिशा-यदि जरूरी हो तो तुलसी का पत्ता खाकर या साबुत सिंका धनिया साथ लेकर यात्रा कर सकते हैं।

शुभाशुभ ज्ञानम् : मंगल पूर्वाषाढ़ा में दोपहर 12:15, क्रिसमस दिवस, ईसा जयंती, बड़ा दिन, पंचक, महामना मदन मोहन मालवीय व अटल बिहारी वाजपेयी जयंती, सुशासन दिवस।

चौघड़िया मुहूर्त : प्रातः 07:17 से 08:35 तक शुभ का, प्रातः 11:09 से 12:27 तक चर का, दोपहर 12:27 से 03:01 तक लाभ व अमृत का, सायं 04:19 से 05:36 तक शुभ का चौघड़िया रहेगा।

आज विशेष : आज गुरुवार को पीले वस्त्र, चने की दाल और गुड़ दान करें। साथ ही व्रत करने वाले पीले पदार्थों का भोजन करें तो गुरु जनित दोष दूर होते हैं और सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। आज वज्र योग में कंबल का दान करना शुभ फलदायी होता है।

आज जन्मे बच्चों के नामाक्षर व राशि

समय	नक्षत्र	चरण	पाया	राशि	नामाक्षर
07:17	धनिष्ठा	4	ताम्र	कुंभ	गे
08:18	शतभिषा	1	ताम्र	कुंभ	गो
14:32	शतभिषा	2	ताम्र	कुंभ	सा
20:43	शतभिषा	3	ताम्र	कुंभ	सी
02:53	शतभिषा	4	ताम्र	कुंभ	सू

राशिफल: कर्क वालों को प्रॉपर्टी में निवेश के अवसर मिलेंगे, सिंह वालों का भाग्योदय

मेष शुभ अंक 9, शुभ रंग गुलाबी : व्यवहार में विनम्रता रखें, सबका सहयोग मिलेगा। दूसरों की कमियां ढूंढने की बजाय अपने काम पर ध्यान दें, सफलता मिलेगी। राजकीय कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। नए संपर्कों का लाभ मिलेगा।

वृष शुभ अंक 5, शुभ रंग जामुनी : साझेदारी में नए समझौते हो सकते हैं। भावनात्मक रूप से कमजोर महसूस करेंगे। विपरीत माहौल में तनाव बढ़ेगा। यात्रा परेशानी का कारण बन सकती है। भाग्य भरोसे रहे तो नुकसान हो सकता है।

मिथुन शुभ अंक 2, शुभ रंग नीला : कामकाज में देरी से मन दुखी होगा। नई योजनाओं पर फिर से विचार कर सकते हैं। विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल करेंगे। अनुभवी लोगों का सहयोग तरक्की दिलवा सकता है।

कर्क शुभ अंक 7, शुभ रंग स्लेटी : दिखावे के चलते कर्ज लेना पड़ेगा। सुख-सुविधा पर खर्च संभव है। प्रॉपर्टी में निवेश के अवसर मिलेंगे। सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी। जिद में आकर अपना नुकसान कर लेंगे।

सिंह शुभ अंक 3, शुभ रंग हरा : खानपान में लापरवाही से सेहत बिगड़ सकती है। खोई हुई वस्तु मिलने से मन प्रसन्न होगा। भाग्योदय की संभावना है। मनचाही सफलता की राह आसान होगी। जल्दबाजी में कोई गलती कर बैठेंगे।

कन्या शुभ अंक 1, शुभ रंग पीला : मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा। सेहत बिगड़ने से परेशानी हो सकती है। रुकी हुई योजना फिर से शुरू कर सकते हैं। करीबी लोग ही आपका विरोध करेंगे। सामाजिक संपर्क लाभदायक हो सकते हैं।

तुला शुभ अंक 8, शुभ रंग नारंगी : प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिल सकती है। निजी काम को लेकर दौड़धूप करनी पड़ सकती है। आलोचना से बचें, संबंध मधुर होंगे। कार्यक्षेत्र में थोड़े प्रयास से बड़ी सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक शुभ अंक 3, शुभ रंग काला : बिखरे काम समेटने में परिवार की मदद मिलेगी। अध्ययन में आ रही बाधा दूर होगी। भूमि-भवन व वाहन के क्रय पर खर्च संभव है। विरोधी उलझने का प्रयास करेंगे। धार्मिक यात्रा की रूपरेखा बनेगी।

धनु शुभ अंक 6, शुभ रंग लाल : कानूनी मामलों में सफलता के आसार हैं। व्यर्थ के काम में समय एवं धन खर्च होगा। युवाओं को नौकरी की तलाश में भटकना पड़ सकता है। बुजुर्गों के स्वास्थ्य संबंधी चिंता बढ़ेगी।

मकर शुभ अंक 4, शुभ रंग नीला : व्यापारिक सौदे लाभदायक हो सकते हैं। दृढ़ निश्चय से आगे बढ़ें, सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य संबंधी चिंता दूर होने से राहत महसूस करेंगे। संतान के कैरियर को लेकर चिंतित रहेंगे।

कुंभ शुभ अंक 7, शुभ रंग भूरा : बातचीत में नरमी बरतें, सबका सहयोग मिलेगा। मेहनत के अनुसार लाभ नहीं मिलने से निराशा होगी। साझेदारी में चल रही योजना बीच में रुक सकती है। लेनदेन के मामलों में सावधान रहें।

मीन शुभ अंक 1, शुभ रंग पीला : जोखिम के कामों में नुकसान संभव है। सामाजिक मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। कार्यक्षेत्र में अनुभव का पूरा लाभ मिलेगा। अधिकारी आपके काम की प्रशंसा करेंगे। यात्रा टालना बेहतर है।

बांग्लादेश • मारे गए छात्र नेता हादी के भाई ने अंतरिम सरकार पर आरोप लगाया

बेनकाबः यूनुस सरकार ने चुनाव टालने के लिए छात्र नेता की हत्या करवाई

ढाका से भास्कर संवाददाता
अमानुर रहमान

बांग्लादेश में हिंसा के हालिया दौर का कारण बने छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। हादी के भाई शरीफ ने हत्या के पीछे सीधे मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार का हाथ बताया है। शरीफ ने कहा है कि 5 फरवरी को होने वाले चुनाव को टालने की साजिश के तहत उस्मान की हत्या कराई गई है। 'शहीद शपथ' कार्यक्रम में शरीफ ने ऐलान किया कि असल दोषियों की गिरफ्तारी से ही उस्मान को इंसाफ मिलेगा। ढाका यूनिवर्सिटी के कैंपस में इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए।

शरीफ के इस खुलासे के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस घिर गए हैं। अब तक उनकी सरकार हादी की मौत की साजिश के पीछे भारत पर अंगुली उठा रही थी। मामले की जांच कर रही ढाका पुलिस ने तो यहां तक कह दिया था कि हादी के हमलावर सीमा पार कर चुके हैं। बता दें कि हादी को 12 दिसंबर को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी थी। सिंगापुर में इलाज के दौरान 18 दिसंबर को हादी की मौत हो गई थी। मौत के बाद हादी के संगठन 'इंकलाब मंच' के युवा सड़कों पर उतर आए थे। इस घटना के बाद भारत विरोधी संगठन भी सक्रिय हो गए थे। मेमनसिंह जिले में दंगाइयों ने हिंदू युवक दीपू की पीट-पीट कर हत्या के बाद शव को पेड़ पर लटका कर फूंक दिया था।

पूर्व पीएम खालिदा के पुत्र रहमान 17 साल बाद आज लौटेंगे

ढाका में तैनात सुरक्षाकर्मी।

पूर्व पीएम और बीएनपी नेता बेगम खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान 17 साल बाद लंदन से बांग्लादेश लौटेंगे। फिलहाल रहमान को रैली की इजाजत नहीं दी है। बीएनपी के 1 लाख समर्थकों के आने की संभावना है। ढाका में 15 हजार पुलिसकर्मी तैनात हैं।

भास्कर इनसाइट

पाक उच्चायोग में आईएसआई के एजेंट्स और कट्टरपंथी नेताओं की गुप्त मीटिंग

सूत्रों के अनुसार, 18 दिसंबर के बाद से ढाका में पाकिस्तानी उच्चायोग में गहमागहमी तेज हो गई है। यहां पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट्स और बांग्लादेश के कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के बड़े नेताओं की सीक्रेट मीटिंग हुई है। इनमें जमात के अमीर (प्रमुख) शफीकुर रहमान भी शामिल हुए। आईएसआई का एक मेजर जनरल रैंक का बड़ा अफसर इस मीटिंग में शामिल हुआ। यह अफसर 20 दिसंबर को ही ढाका पहुंचा था। पता चला है कि पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर को रियल टाइम अपडेट दिया जा रहा है। पाकिस्तानी उच्चायुक्त सैयद हैदर भी सक्रिय भूमिका में हैं। बता दें कि हैदर की नियुक्ति अगस्त में ही हुई है, जब तत्कालीन उच्चायुक्त अहमद एक सेक्स स्कैंडल सामने आने के बाद से अचानक पाक लौट गए थे।

• बांग्लादेश में पाकिस्तानी उच्चायोग में अब लगभग 50-60 कर्मचारी नियुक्त हैं। जबकि अगस्त, 2024 तक यहां इससे आधे की कर्मचारी थे। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश ने पाक उच्चायोग में एक की जगह 5 डिफेंस अताशे (राजनयिक) रखने की मंजूरी दी है।

आगे क्या

आर्मी चीफ वकार वेट एंड वॉच के रोल में रहेंगे

- बांग्लादेश की राजनीति की धुरी बन चुके आर्मी के चीफ वाकर-उज-जमान फिलहाल वेट एंड वॉच के रोल में रहेंगे। वे हिंसा का दौर और यूनुस के खिलाफ पब्लिक सेंटीमेंट बढ़ने पर ही एक्टिव रोल में आएंगे।
- ऐसा कर वकार सत्ता के लिए लोभी होने के आरोप से बचे रहेंगे। इनमें वकार को अमेरिका का साथ मिल सकता है।
- यूनुस चुनाव को टाल कर बस फरवरी में रेफरेंडम (जनमत संग्रह) करा सकते हैं। रेफरेंडम के जरिए नए चुनाव सुधार होंगे, हिंदू बहुल सीटें कम हो जाएंगी।

बांग्लादेश में चीनी मिलिट्री हार्डवेयर बढ़ाः पेंटागन... अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने बुधवार को वार्षिक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि बांग्लादेश चीन के मिलिट्री हार्डवेयर का बड़ा खरीदार बन गया है। चीन ने पिछले डेढ़ साल में बांग्लादेश को वीटी-5 टैंक और जे-10 सी फाइटर जेट्स की सप्लाई की है। चीन की नजर बांग्लादेश में नेवी बेस बनाने पर भी है। दो मिंग क्लास पनडुब्बियों की भी आपूर्ति की गई है।

मैनेजमेंट फंडा

एन. रघुरामन
मैनेजमेंट गुरु raghu@dbcorp.in

लक्ष्य ऐसा बनाओ कि गूगल पर आपका नाम प्रकट होने लगे

कल तक इस गांव की पहचान 225206 थी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के सआदतगंज पोस्टल हेड ऑफिस के तहत यह पिन कोड अमेहरा गांव के लिए इस्तेमाल होता था। और 24 दिसंबर को गांव आए एक पोस्टमैन ने अपने साथियों से कहा कि 'आज मैं इसे डिलीवर करने पूजा के गांव जा रहा हूं।'

सोच रहे हैं कि एक नंबर को यह नाम कैसे मिला? 2011 की जनगणना के मुताबिक करीब 1100 की आबादी वाले इस गांव को 17 साल की पूजा पाल ने गूगल पर पहचान दिला दी। यह गांव पहले खेती और संबंधित ग्रामीण गतिविधियों से जुड़ा था। तो पूजा ने ऐसा क्या किया? पूजा भी दूसरे बच्चों की तरह स्कूल जाती थी। कई सालों तक वह भी अपने स्कूल में गेहूं कटाई के मौसम में उड़ने वाली धूल के शिकार बनी। स्कूलों और घरों के आसपास चलने वाले थ्रेशरों के कारण समूचे इलाके में यह लोगों के लिए, खासकर श्वास रोगों से जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन चुकी थी। उसके स्कूल के समीप के थ्रेशर से रोजाना धूल कक्षा तक पहुंचती थी। बच्चों का पढ़ना, लिखना और यहां तक कि सांस लेना भी मुश्किल हो जाता था।

दूसरों की तरह कक्षा-दर-कक्षा पास होती गई पूजा सातवीं में पहुंच गई, जहां बच्चे विज्ञान जैसे विषयों से परिचित होते हैं। उन्हें बताया जाता है कि विज्ञान और तकनीक से आप कई समस्याएं हल कर सकते हो। उसकी समस्या यह थी कि वह स्कूल में पढ़ाई पर ध्यान नहीं लगा पा रही थी। उसे यह भी बताया गया कि गेहूं कटाई और थ्रेशिंग रोके नहीं जा सकते, क्योंकि इसी से गांव की रोजी-रोटी चलती है। कुछ दिन बाद उसने मां को घर पर आटा छानते देखा तो उसे आइडिया आया कि अगर रसोई में किसी जाली से महीन कणों को छाना जा सकता है तो वैसी ही प्रक्रिया थ्रेशिंग के दौरान उड़ने वाली धूल को भी रोक सकती है।

अपने विज्ञान शिक्षक राजीव श्रीवास्तव के साथ उसने एक ऐसे समाधान पर काम शुरू किया, जो व्यावहारिक और किफायती हो और व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल किया जा सके। पूजा से अपना कॉन्सेप्ट चार्ट पेपर पर स्केच करने को कहा गया। कागज और लकड़ी से बने शुरुआती प्रोटोटाइप ठोस नतीजा नहीं दे पाए। लेकिन वह अपनी डिजाइन को सुधारने में जुटी रही। आखिरकार टिन शीट और वेल्डिंग मशीन की मदद से एक कारगर मॉडल बन कर तैयार हो गया। इस नवाचार को 'भूसा-धूल पृथक्करण यंत्र' नाम दिया गया। इसने अनाज अलग करने के दौरान उड़ने वाले ऐसे धूल और सूक्ष्म कणों को प्रभावी तरीके से कम कर दिया, जो फेफड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं और श्वास संबंधी बीमारियां बढ़ाते हैं। इसने किसानों और ग्रामीणों का बचाव किया।

मॉडल ने गांव के बाहर के लोगों का ध्यान खींचा और पूरे जिले में इसकी चर्चा फैलने लगी। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मूल्यांकन और मंजूरी के बाद इंस्पायर अवार्ड के तहत इस मॉडल का चयन किया और पूजा को अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर विजिट का मौका मिला। 2025 में उसे जापान साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजेंसी की महत्वपूर्ण पहल 'साकुरा साइंस हाई स्कूल प्रोग्राम' के लिए चुना गया। वह देशभर से चुने गए 54 भारतीय छात्रों में उत्तर प्रदेश की इकलौती छात्रा थी। इस कार्यक्रम में विज्ञान के गहन सत्र और टोक्यो का स्टडी टूर शामिल था। इससे पहले, उत्तर प्रदेश सरकार ने उसे बाल वैज्ञानिक के रूप में एक लाख रुपए का पुरस्कार प्रदान किया।

कल, यानी 26 दिसंबर 2025 को घास-फूस के झोंपड़े में पली-बढ़ी 17 साल की पूजा अपने महत्वपूर्ण नवाचार के लिए प्रधानमंत्री बाल पुरस्कार ग्रहण करने जा रही है। पूजा उन 20 बच्चों में शामिल है, जिन्हें देशभर से इस सम्मान के लिए चुना गया है। गुरुवार को जब हम लंच कर रहे होंगे तो पूजा यह पुरस्कार ग्रहण कर रही होगी। योग्यता और जरूरत को देखते हुए जिला प्रशासन ने उसके परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्थायी मकान भी मंजूर किया है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

फंडा यह है कि अगर युवा पीढ़ी अपनी असीम ऊर्जा को सही दिशा में बहने दे तो उनके पास गूगल का फेवरेट बनने का अवसर होता है।

साफ-सफाई पर सख्त एमसीडी, सेंट्रल और नजफगढ़ जोन में ताबड़तोड़ कार्रवाई, 266 से ज्यादा चालान

नई दिल्ली | दिल्ली को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने सख्त रुख अपनाया है। सेंट्रल और नजफगढ़ जोन में एक साथ प्रवर्तन अभियान चलाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों जोन में कुल 266 से ज्यादा चालान जारी किए गए और लाखों रुपए का जुर्माना लगाया गया। नजफगढ़ जोन में एमसीडी की टीमों ने सबसे ज्यादा कार्रवाई ठोस कचरा प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) नियमों के उल्लंघन पर की। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 202 चालान काटे गए। इसमें 66 चालान स्ट्रीट वेंडरों के खिलाफ जारी किए गए, जबकि कूड़ा-कचरा फैलाने पर 5 और बायोमास जलाने पर 3 चालान किए गए। ई-एसबीएम (ऑनलाइन) के तहत 51 चालानों से 15,500 रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा, एनजीटी के तहत भी 3 प्रवर्तन चालान काटे गए, जिन पर 3,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया।

क्रिसमस के जश्न से पहले दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने 24 और 25 दिसंबर मनाए जाने वाले क्रिसमस जश्न को लेकर बुधवार को एडवाइजरी जारी की। एडवाइजरी जारी कर साउथ दिल्ली के कुछ हिस्सों, विशेष रूप से साकेत क्षेत्र में यातायात में बदलाव और प्रतिबंधों के बारे में लोगों को सूचित किया। एडवाइजरी के अनुसार भीड़ भाड़ की आशंका को देखते हुए सुचारू ट्रैफिक और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए साकेत में सेलेक्ट सिटी मॉल, डीएलएफ एवेन्यू मॉल और एमजीएफ मेट्रोपॉलिटन कोर्ट मॉल के आसपास ट्रैफिक में बदलाव किया जाएगा। यह विशेष ट्रैफिक व्यवस्था दोनों दिन दोपहर दो बजे से लागू होगी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया प्रतिबंधों के कारण प्रेस एंक्लेव रोड और साकेत तथा पुष्प विहार की कई आंतरिक सड़कें प्रभावित होंगी। भीड़भाड़ को नियंत्रित करने के लिए, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग पर शेख सराय लाल बत्ती, महरौली-बदरपुर (एमबी) रोड पर एशियन मार्केट लाल बत्ती और श्री अरबिंदो मार्ग पर पीटीएस मालवीय नगर लाल बत्ती सहित प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक में बदलाव किया जाएगा। ट्रैफिक में किए गए बदलाव के तहत शेख सराय से हौज रानी तक डिवाइडर पर बने सभी मोड प्रतिबंधित समय के दौरान बंद रहेंगे। प्रेस एन्क्लेव रोड की दोनों लेन पर भारी वाहनों और डीटीसी व क्लस्टर बसों को चलने की अनुमति नहीं होगी। इसके अतिरिक्त, डीटीसी और क्लस्टर बसों को एमबी रोड से एशियन मार्केट लाल बत्ती होते हुए पुष्प विहार की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। ट्रैफिक पुलिस ने यात्रियों को असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का सुझाव भी दिया है।

'मेक इन इंडिया' विजन को राहुल गांधी ने स्वीकाराः वैष्णव

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

कर्नाटक ने औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राज्य में महज आठ–नौ महीनों के भीतर एक ही औद्योगिक इकाई में करीब 30 हजार लोगों को रोजगार मिला है। इसे देश में अब तक का सबसे तेज फैक्ट्री रैंप-अप माना जा रहा है। इस उपलब्धि को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर केंद्र सरकार के काम की सराहना की। राहुल गांधी के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने उन्हें धन्यवाद कहा। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' विजन को स्वीकार करने के लिए वह राहुल गांधी का आभार व्यक्त करते हैं और देश एक उत्पादक अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। इस औद्योगिक इकाई की खास बात यह है कि यहां लगभग 80 प्रतिशत कर्मचारी महिलाएं हैं, जिनकी उम्र 19 से 24 वर्ष के बीच है। अधिकांश युवतियों के लिए यह पहली नौकरी है। विशेषज्ञों के अनुसार राज्य सरकार, उद्योग और कौशल विकास तंत्र के बेहतर समन्वय से यह संभव हो पाया है। यह मॉडल पूरे देश के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है।

ड्राइवर बनेंगे मालिकः अमित शाह ने किया 'भारत टैक्सी' का ऐलान

सारा मुनाफा सीधे चालकों के खाते में जाएगाः अमित शाह

भास्कर न्यूज़ | पंचकूला

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हरियाणा के पंचकूला में आयोजित सहकारी सम्मेलन के दौरान ड्राइवरों के लिए एक क्रांतिकारी पहल की घोषणा की है। सहकारिता मंत्रालय अगले एक-दो महीने में 'भारत टैक्सी' सेवा लॉन्च करने जा रहा है। शाह ने स्पष्ट किया कि वर्तमान टैक्सी कंपनियों के विपरीत, इस सहकारी मॉडल का एक-एक पैसा मुनाफा सीधे ड्राइवर भाइयों के पास जाएगा।

अमित शाह ने कहा कि 'भारत टैक्सी' न केवल रोजगार के नए द्वार खोलेगी, बल्कि ड्राइवरों को बीमा सुरक्षा और उनकी टैक्सियों पर विज्ञापन से होने वाली आय भी दिलाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह जल्द ही देश की नंबर-1 टैक्सी सेवा बनेगी।

हरियाणा की प्रशंसाः सम्मेलन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में शाह ने हरियाणा के किसानों, जवानों और खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि इस भूमि ने देश को अनाज में आत्मनिर्भर बनाया है। इस दौरान उन्होंने रुपे प्लेटिनम कार्ड और सहकारी पोर्टल का भी लोकार्पण किया।

पेज एक के शेष

हमें मौत दे दो या जेल वरना...

महिला अधिकार कार्यकर्ता योगिता भयाना ने बताया, मंगलवार रात इंडिया गेट पर प्रदर्शन के दौरान पीड़िता की मां को हटा दिया गया और पीड़िता से धक्का-मुक्की हुई। धक्का-मुक्की में पीड़िता को चोट भी लगी। भयाना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें पीड़िता कह रही हैं कि वह वकील से मिलने निकली थीं, लेकिन सीआरपीएफ वाले उन्हें वापस भेजने की कोशिश कर रहे थे।

वहीं, दिल्ली पुलिस ने कहा, रात 8:45 बजे प्रदर्शनकारियों को इंडिया गेट से हटाकर बस में बैठाया गया और कोई कार्रवाई नहीं हुई।

दुष्कर्म के बाद हिरासत में पिता की मौत, ट्रक ने दो मौसी और वकील को कुचला...

- **4 जून 2017**:नाबालिग पीड़िता सेंगर से नौकरी मांगने उनके घर गई। दुष्कर्म। दो दिन बाद अपहरण।
- **20 जून 2017**: पीड़िता और पिता ने एफआईआर दर्ज कराई।
- **3 अप्रैल 18**: सेंगर के लोगों की शिकायत पर पीड़िता के पिता आर्म्स एक्ट में गिरफ्तार किए गए।
- **8 अप्रैल 2018**: पीड़िता ने मुख्यमंत्री आवास के बाहर आत्मदाह का प्रयास किया।
- **9 अप्रैल 2018**: पीड़िता के पिता की पुलिस हिरासत में मौत।
- **10 अप्रैल 18**: एसआईटी बनी।
- **12 अप्रैल 18**: दुष्कर्म, हिरासत मौत की जांच सीबीआई को सौंपी।
- **2018**: पिता की मौत का गवाह यूनुस संदिग्ध परिस्थिति में मृत।
- **4 जुलाई 2019**: पीड़िता के चाचा को पुराने केस में 10 साल की सजा सुनाई गई।
- **28 जुलाई 2019**: ट्रक की टक्कर से पीड़िता की दो मौसियों की मौत; पीड़िता, वकील घायल।
- **1 अगस्त 2019**: सुप्रीम कोर्ट ने केस यूपी से दिल्ली भेजे।
- **दिसंबर 19**: सेंगर को उम्रकैद, 25 लाख रु. जुर्माने की सजा दी।
- **दिसंबर 20**: एक्सीडेंट में घायल वकील की इलाज के दौरान मौत।
- **23 दिसंबर 25**: हाई कोर्ट से उम्रकैद की सजा निलंबित, बेल।

एयर प्यूरीफायर पर टैक्स...

जब हजारों लोग मर जाएंगे? इस शहर का हर नागरिक साफ हवा का हकदार है और आप उसे उपलब्ध कराने में नाकाम रहे हैं। ज्यादा टैक्स से एयर प्यूरीफायर ज्यादातर लोगों की पहुंच से दूर हैं। कोर्ट ने पूछा कि एयर इमरजेंसी की स्थिति में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत एयर प्यूरीफायर को अस्थाई रूप में कर मुक्त क्यों नहीं किया जा सकता?

बता दें कि कोर्ट एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें एयर प्यूरीफायर को मेडिकल डिवाइस के रूप में पुनः वर्गीकृत करने की मांग की गई है। ऐसा होने पर इस उत्पाद पर जीएसटी दर घटकर 5% हो जाएगी।

भास्कर नॉलेज

दिल्ली में कोयला-गाड़ियों का धुआं ज्यादा

- दिल्ली में प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह पीएम 2.5 का खतरनाक स्तर है। यह हवा में मौजूद एक अति सूक्ष्म कण है, जिसका आकार 2.5 माइक्रोमीटर से भी कम होता है। इंसान के एक बाल की मोटाई 70 माइक्रोमीटर होती है यानी पीएम 2.5 कण बाल से भी 30 गुना छोटा होता है।
- बड़ी बात है कि दिल्ली में स्थानीय से ज्यादा प्रदूषण बाहरी स्रोतों से हो रहा है, क्योंकि यहां के पीएम 2.5 कणों में बड़ा हिस्सा सेकंडरी अमोनियम सल्फेट है। यह सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) से बनता है, जो कोयला पावर प्लांट से निकलता है।
- हमारी मौजूदा वायु गुणवत्ता नीतियों में पीएम 10 और सड़कों की धूल का ही ध्यान रखा जाता है, जबकि SO_2 जैसी गैसों का नहीं।
- भारत में पीएम 2.5 का 42% हिस्सा सेकंडरी पार्टिकुलेट मैटर है, जिसमें सबसे ज्यादा अमोनियम सल्फेट होता है। ज्यादातर राज्यों में अमोनियम सल्फेट का 40% हिस्सा सालभर बना रहता है।

डीयू में शैक्षणिक विषयों पर संवाद, शिक्षकों ने उठाई आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व की मांग

नई दिल्ली | दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन के तत्वावधान में शैक्षणिक विषयों पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के शिक्षक, दलित बुद्धिजीवी और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। संवाद की अध्यक्षता गांधी भवन के निदेशक प्रो केपी सिंह ने की, जबकि मंच संचालन प्रो मनोज कुमार कैन ने किया।

भास्कर CLASSIFIED

आवश्यकता
APPOINTMENT

सेल्स /मार्किटंग

दिल्ली NCR में
फील्ड मार्केटिंग
प्रतिनिधि की
आवश्यकता है।
प्रतिनिधि को फील्ड में प्रमोशन, कस्टमर से संपर्क, लीड जनरेशन और बिज़नेस कन्वर्जन का काम करना होगा। 10वीं /12वीं पास, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल जरूरी। फ्रेशर व अनुभवी दोनों आवेदन कर सकते हैं।
7587783535

प्रॉपर्टी
PROPERTY

अन्य प्रॉपर्टी

★ जयपुर जगतपुरा टोंक रोड वाटिका रोड की जेडीए कालोनियों मै प्लॉट खरीदने एवं बेचने हेतु संपर्क करें जितेन्द्र खंडेलवाल 9828151968

PROPERTY भास्कर
से मेरी दुकान के लिए
किराएदार मिलना हुआ
बेहद आसान

दैनिक भास्कर में प्रॉपर्टी संबंधित
विज्ञापन बुकिंग का सबसे सरल माध्यम
BhaskarAd.com
बनाए विज्ञापन बुकिंग आसान
• घर बैठे ऐड बुकिंग
• आसान ऑनलाइन पेमेंट
9772019222
अब आप क्लासीफाइड, वैवाहिकी, शोक संदेश और जाहिर सूचना के विज्ञापन भी सीधे बुक कर सकते हैं

सर्विसेस
SERVICES

फायनेंस

Notice : Ads have not been verified factually and Bhaskar does to stand responsible for the sales propositions.

बालाजी फाइनेंस कंपनी आधार पर्सनल बिजनेस प्रॉपर्टी (30,000-90,00,000), ग्रुप (1,00,000), (2% ब्याज), (50% छूट) सिविल खराब लोन पाए- 7015855790

बिजनेस
BUSINESS

होम बेस्ड बिजनेस
1,00,000 से 5,00,000 महीना कमाए लेडीज सेनेटरी पैड मशीन, बेबी डाइपर मशीन, पेंटी लाइनर मशीन प्लास्टिक उद्योग लगाए. कच्चा माल ले. तैयार माल दे, ट्रेनिंग ट्रांसपोर्ट सुविधा. 8929557844, 9205428852, 9643010487, 8929557840, 011-25193159, 011-25920179

सबसे ज्यादा रिटर्न • चार दशक में 1 लाख रुपए बन गए 1.57 करोड़, सालाना रिटर्न 13% से भी ज्यादा, इसके सामने सोना-चांदी में निवेश से हुआ मुनाफा फीका नजर आ रहा

सेंसेक्स के 40 सालः 549 से 86 हजार तक के सफर में निवेशकों को मिला 15,594% रिटर्न

बिजनेस संवाददाता | मुंबई

सेंसेक्स 1 जनवरी 2026 को 40 साल पूरे कर लेगा। यह 150 साल पहले स्थापित बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख इंडेक्स है। इसकी स्थापना 1 जनवरी 1986 को हुई थी। तब से चार दशकों में इसने चौंकाने वाला रिटर्न दिया है। इतना कि अभी सोना-चांदी से बेतहाशा कमाई भी फीकी नजर आने लगी है। 1 जनवरी 1986 को सेंसेक्स 549 पर था। 1 दिसंबर 2025 को ये 86,159 के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कुल रिटर्न 15,594% रहा। मतलब 1986 में लगाए गए 1 लाख आज 1.57 करोड़ रुपए बन चुके। सेंसेक्स आम लोगों के लिए पैसा बनाने का प्लेटफॉर्म बन चुका है। पहले बाजार कुछ शेयर दलालों तक सीमित था, अब 12.4 करोड़ निवेशक जुड़ चुके हैं। सेंसेक्स की ये यात्रा भारत की आर्थिक कहानी भी बयां करती है। उदारीकरण, आईटी उद्योग में उछाल और महामारी जैसे हर दौर में सेंसेक्स ने लचीलापन दिखाया। इसीलिए इसे अर्थव्यवस्था का पैमाना माना जाता है।

अर्थव्यवस्था से कदमतालः सेंसेक्स का अब तक का औसत सालाना रिटर्न 40 साल भारत की औसत विकास दर 12.97% के करीब

पूंजी बाजारः देश की अर्थव्यवस्था का प्रतिबिंब
पूंजी बाजार का इंडेक्स सेंसेक्स ने 4 दशकों में औसतन 13.4% सालाना रिटर्न दिया। यह नॉमिनल जीडीपी ग्रोथ 12.97% के करीब है। देश की अर्थव्यवस्था का आकार अब 4.13 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। सेंसेक्स इस ग्रोथ को सीधे-सीधे दर्शाता है।

घाटा कम हीः 40 साल में 75% समय पॉजिटिव रिटर्न
पिछले 40 साल में सेंसेक्स ने 75% वर्षों में पॉजिटिव रिटर्न दिया। डिविडेंड शामिल करने वाले टोटल रिटर्न इंडेक्स में यह आंकड़ा 79% रहा। पिछले 14 कैलेंडर वर्षों में सिर्फ एक साल नेगेटिव रहा। यह बाजार की मजबूती और स्थिरता दिखाता है।

खास संकेतः सेंसेक्स में सर्विसेज की अहमियत बढ़ी
2005 से 2025 के बीच सेंसेक्स में फाइनेंशियल सर्विसेज का वेटेज 22.25% से बढ़कर 39.5% हो गया। • आईटी का हिस्सा 19.9% से घटकर 12.95% रह गया। • कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी 4.93% से बढ़कर 12.95% पहुंचा। • एनर्जी का वजन घटा है।

ये स्थायीः चार कंपनियां 1986 से लगातार शामिल
हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलएंडटी, आईटीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज 1986 से लगातार सेंसेक्स में बनी हुई हैं। ये कंपनियां बदलते दौर में भी मजबूत बिजनेस मॉडल का उदाहरण हैं। ये कंपनियां आज भी बाजार की मजबूती का मुख्य आधार हैं।

सेंसेक्स ने निवेशकों को अब तक सोने से 2.5 गुना, चांदी से 3 गुना रिटर्न दिया

एसेट क्लास	1986	2025	वृद्धि (% में)
सेंसेक्स	549	86,159	15594
सोना	2125	136627	6330
चांदी	3918	218983	5489

(सोना रु. प्रति 10 ग्राम, चांदी रु. प्रति किलो)

मील के पत्थरः बीते 10 साल में 3 गुना
सेंसेक्स 1990 में 1 हजार, 2006 में 10 हजार, 2021 में 50 हजार और 2024 में 85 हजार का स्तर पार किया। 2014-2024 के बीच यह तीन गुना से ज्यादा चढ़ा। यानी निवेशक मालामाल हुए।

बिजनेस ब्रीफ

कतर एयरवेज और फ्रीबर्ड से 7 विमान लेगी इंडिगो

नई दिल्ली | इंडिगो घरेलू क्षमता बढ़ाने के लिए कतर एयरवेज और फ्रीबर्ड एयरलाइंस से सात विमान वेट-लीज पर ले रही है। दो विमान कतर एयरवेज से और पांच फ्रीबर्ड एयरलाइंस से लिए जाएंगे। वेट-लीज समझौते में विमान के साथ कॉकपिट क्रू, केबिन क्रू, रखरखाव और बीमा जैसी सुविधाएं पट्टे पर देने वाली कंपनी प्रदान करती है। विमान अगले साल की शुरुआत तक मिल जाएंगे।

गुजरात किडनी आईपीओ 5.21 गुना सब्सक्राइब

मुंबई | गुजरात किडनी एंड सुपर स्पेशियलिटी का 250.80 करोड़ रुपए के आईपीओ को बुधवार को अंतिम दिन 5.21 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। इसकी खुदरा हिस्सेदारी 19 गुना बुक हुई। 1.32 करोड़ इक्विटी शेयरों के ऑफर साइज के मुकाबले 114 प्रति शेयर की कीमत पर 6.89 करोड़ शेयरों के लिए 786.25 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं।

वेदांता के शेयर ने छुआ 52 सप्ताह का ऊंचा स्तर

बालकोनगर | वेदांता लिमिटेड के शेयरों ने बुधवार को एनएसई पर इंट्रा-डे कारोबार के दौरान 599.80 रुपए का नया ऑल-टाइम हाई स्तर छू लिया। बाद में 1.92% की बढ़त के साथ 597.65 पर बंद हुआ। बीते एक महीने में वेदांता के शेयरों में लगभग 21.70% की तेजी दर्ज की गई है, जिसका प्रमुख कारण कंपनी की डीमर्जर योजना को लेकर सकारात्मक उम्मीदें हैं।

सैमसंग का पीएलआई योजना के लिए आवेदन

नई दिल्ली | कोरियाई कंपनी सैमसंग अब भारत में स्मार्टफोन डिस्प्ले के स्थानीय उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दे रही है। सैमसंग ने मोबाइल डिस्प्ले कंपोनेंट्स को लेकर सरकार की पीएलआई स्कीम के तहत आवेदन किया है। सैमसंग के दक्षिण-पश्चिम एशिया अध्यक्ष जेबी पार्क ने कहा कि अगर भारत में मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ती है तो कंपनी निवेश में बढ़ोतरी करेगी।

सत्त्व ग्रुप 6 माह के भीतर आईपीओ के लिए तैयार

बेंगलुरु | कर्नाटक की रियल एस्टेट कंपनी सत्त्व ग्रुप ने संकेत दिए हैं कि वह छह महीने के भीतर आईपीओ ला सकती है। फिलहाल कंपनी रेसिडेंशियल, कमर्शियल, हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में तेजी से विस्तार कर रही है। सत्त्व के पास 7-7.5 करोड़ वर्गफुट का डेवलपमेंट पोर्टफोलियो है। कंपनी अब महाराष्ट्र जैसे नए बाजारों पर फोकस कर रही है।

रणनीति • पूरी दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते कंज्यूमर ड्यूरेबल्स मार्केट में बड़ा दांव

भारती-वारबर्ग फ्रिज, एसी, टीवी बाजार में भी उतरे, हायर में खरीदा 49% हिस्सा

बिजनेस संवाददाता | नई दिल्ली

एयरटेल टेलीकॉम सेवाओं के लिए मशहूर भारती एंटरप्राइजेज अब फ्रिज, एसी, टीवी, वॉशिंग मशीन जैसे कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर में उतर चुकी है। भारतीय कॉरपोरेट ग्रुप ने वैश्विक निवेश फर्म वारबर्ग पिंकस के साथ मिलकर हायर इंडिया में 49% हिस्सेदारी ले ली है। चीन के हायर ग्रुप के साथ यह सौदा कितने में हुआ, फिलहाल ये जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। लेकिन मामले से जुड़े लोगों का कहना है कि सौदे के लिए हायर इंडिया की वैल्यू करीब 15,000 करोड़ रुपए आंकी गई होगी। इस हिसाब से ये सौदा करीब 7,500 करोड़ रुपए का हो सकता है। बहरहाल, चीन की पैरेंट कंपनी हायर इंडिया में 49% हिस्सेदारी बरकरार रखेगी, जबकि शेष 2% हिस्सेदारी हायर इंडिया की प्रबंधन टीम के पास होगी।

यह सौदा ऐसे समय में हुआ है जब भारत बढ़ती खर्च योग्य आय, बदलती जीवनशैली के साथ दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (फ्रिज, वॉशिंग मशीन, टीवी जैसी टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं) का बाजार बन रहा है।

भास्कर नॉलेज जानिए कि इस सौदे में किस कंपनी के क्या हित हैं...

हायर इंडिया लोकल सोर्सिंग, विनिर्माण विस्तार और उत्पाद नवाचार पर दांव लगाना चाहती है। भारती का मजबूत भारतीय नेटवर्क, रेगुलेटरी समझ और वारबर्ग का ब्रांड-स्केलिंग अनुभव कंपनी को विकास के नए चरण में ले जा सकता है। यह रणनीतिक सहयोग भारत में हायर की वृद्धि और विस्तार को गति देगा। यह निवेश भारती समूह को भविष्य में डिजिटल कॉमर्स, कंज्यूमर फाइनेंसिंग और सर्विस इकोसिस्टम से जुड़ने का मौका भी दे सकता है। इस साझेदारी से बाजार में तेज प्रतिस्पर्धा, बेहतर कीमतें देखने को मिलेगी।

मजबूतीः हायर देश की शीर्ष तीन कंज्यूमर ड्यूरेबल कंपनियों में शामिल
हायर इंडिया वर्तमान में देश की शीर्ष 3 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की कंपनियों में से एक है। इसके पास एसी, रेफ्रिजरेटर, टीवी वॉशिंग मशीन और रसोई उपकरण जैसी श्रेणियों में उत्पादों का एक मजबूत पोर्टफोलियो है। पिछले सात वर्षों में, कंपनी ने भारत में लगभग 25% की सालाना वृद्धि हासिल की है, जो उद्योग में सबसे अधिक में से एक है। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक कंपनी ने 2024-25 में करीब 8,234 करोड़ रु. की बिक्री दर्ज की।

रफ्तारः दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार बनने की राह पर भारत
ईवाई की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत दुनिया का सबसे बड़ा कंज्यूमर ड्यूरेबल बाजार बनने की राह पर है, जिसमें प्रीमियम और स्मार्ट उत्पादों की मांग बढ़ रही है। ये बाजार 2029 तक 11% सालाना की दर से बढ़ते हुए करीब 3 लाख करोड़ का होगा। वहीं कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज का मानना है कि देश 2027 तक दुनिया का चौथा सबसे बड़ा कंज्यूमर ड्यूरेबल बाजार होगा। 2029-30 तक इसके 5 लाख करोड़ का होने की उम्मीद है।

हायर से पहले कई और चीनी कंपनियां भारत में कर चुकी हैं स्थानीय साझेदारी

कंपनी	सेक्टर	भारत के लिए अपनाई गई खास रणनीति
एमजी मोटर	ऑटोमोबाइल	जेएसडब्ल्यू के साथ जॉइंट वेंचर, भारतीय साझेदार को ज्यादा हिस्सा
वीवो/ओपो	स्मार्टफोन	लोकल मैन्युफैक्चरिंग, स्थानीय डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क पर निर्भरता
शाओमी	इलेक्ट्रॉनिक्स	भारत में निर्माण-सप्लाई चेन, भारतीय पार्टनर्स के जरिए परिचालन
लेनोवो	पीसी/हार्डवेयर	भारत में लोकल असेंबली और सरकारी/एंटरप्राइज फोकस
हायर	कंज्यूमर ड्यूरे.	भारती एंटरप्राइजेज-वारबर्ग पिंकस के साथ 49% हिस्सेदारी

समझौता • मीडिया मुगल की दूसरी पत्नी से तीनों बच्चे कंपनी से बाहर

मर्डोक का 4 लाख करोड़ का कारोबार समूह बंटने से बचा, पर परिवार बिखरा

एजेंसियां | न्यूयॉर्क

मीडिया मुगल नाम से मशहूर रुपर्ट मर्डोक के परिवार में उत्तराधिकार की लड़ाई स्थायी फूट के साथ खत्म हो गई है। करीब 4 लाख करोड़ रुपए की कंपनियों- फॉक्स कॉरपोरेशन और न्यूज कॉर्प का नेतृत्व करने वाला यह परिवार पूरी तरह बिखर गया। नेवाडा कोर्ट के बंद कमरे में जो समझौता हुआ, उसके मुताबिक एलिजाबेथ, उनके सगे भाई जेम्स और बहन प्रूडेंस को कंपनी से बाहर कर दिया गया। ये तीनों बच्चे मर्डोक की दूसरी पत्नी से हैं। इन्होंने सारे शेयर बेच दिए और भविष्य में हिस्सेदारी नहीं खरीद सकते। बदले में इनमें से हरेक को करीब 9,000 करोड़ रुपए मिले। इसके साथ ही इन तीनों का पिता और सबसे बड़े भाई लैकलन मर्डोक से रिश्ता पूरी तरह टूट चुका है।

एडिडास, प्यूमा जैसे ब्रांड पारिवारिक लड़ाई का ही नतीजा

1 **अडोल्फ, रूडॉल्फ डासलर-जर्मनीः** इन भाइयों ने मिलकर डासलर ब्रदर्स शू फैक्ट्री शुरू की थी। लेकिन दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान आपसी मतभेद उभरने के चलते 1948 में दोनों अलग हो गए। बाद में अडोल्फ ने एडिडास और रूडॉल्फ ने प्यूमा ब्रांड बनाया। दोनों अब पूरी दुनिया में मशहूर हैं।

2 **गुच्ची परिवार-इटलीः** 1980-90 के दशक में आल्डो, रूडॉल्फो और मौरिजियो गुच्ची के बीच नियंत्रण की लड़ाई चली। मामला हत्या (मौरिजियो की पूर्व पत्नी द्वारा) तक पहुंचा। अंत में 1993 में परिवार ने कंपनी बेच दी।

3 **मुकेश, अनिल अंबानी-भारतः** धीरूभाई अंबानी की मृत्यु के बाद 2002 में उनकी पत्नी कोकिलाबेन ने 2005 में मुकेश और अनिल अंबानी के बीच कॉरपोरेट साम्राज्य बांटा। ये मामला अदालत तक गया था।

4 **समनर, शैरी रेडस्टोन-अमेरिकाः** पिता समनर ने बेटी शैरी को उत्तराधिकार के हक से बाहर करने की कोशिश की। लड़ाई लंबे समय तक चली। 2019 में अंततः शैरी ने नियंत्रण हासिल किया और वायकॉम-सीबीएस को मर्ज किया।

5 **लोढ़ा, बिड़ला परिवार-भारतः** प्रियमवदा की 1999 की वसीयत के हिसाब से संपत्ति आरएस लोढा को मिली। बिड़ला परिवार ने इसे चुनौती दी। कोर्ट में 20 साल केस चला। हर्ष लोढ़ा ने चेयरमैनशिप बरकरार रखी।

कंपनियों पर पूरा कंट्रोल लैकलन मर्डोक का, अब तक दोगुनी कर चुके वैल्यू

मर्डोक के सबसे बड़े बेटे लैकलन अब अकेले उत्तराधिकारी हैं। उन्होंने अपनी लीडरशिप का लोहा मनवाया है। फॉक्स कॉर्प के सीईओ (2019 से) और चेयरमैन (2023 से) लैकलन के नेतृत्व में इन कंपनियों के शेयरों की मूल्य दोगुनी हो गई। लैकलन सिडनी में रहते हैं, बिजनेस कॉल्स मैनेज करते हैं।

लैकलन और रुपर्ट मर्डोक

फोकसः लैकलन डिजिटल विस्तार पर जोर दे रहे हैं, मसलन ट्यूबी प्लेटफॉर्म, जो अब मुनाफे में आ चुके हैं। ये फॉक्स न्यूज रेटिंग्स में टॉप पर है।
स्वभावः लैकलन बिजनेस-ओरिएंटेड हैं, उनकी कार्यशैली पर राजनीतिक प्रभाव कम नजर आता है। वे बिजनेस में निवेश बढ़ाने से नहीं हिचकते।
चुनौतीः फॉक्स कॉरपोरेशन और न्यूज कॉर्प पर कर्ज बढ़ रहा है। इससे इन कंपनियों के मुनाफे पर दबाव आ सकता है, जिससे निपटना आसान नहीं होगा।

भास्कर नॉलेज

दावा भ्रामक... इनकम टैक्स विभाग निजी चैट नहीं पढ़ता

बिजनेस संवाददाता | नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि 1 अप्रैल 2026 से आयकर विभाग आम लोगों के ईमेल-वाट्सएप मैसेज चेक करेगा। प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) ने इस दावे को भ्रामक बताया है। साथ ही नए आयकर कानून 2025 के लागू होने से पहले फैली इस खबर को गलत बताया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि आम नागरिकों की डिजिटल प्राइवेसी सुरक्षित है। बिना पुख्ता सबूत और सर्च वारंट के विभाग किसी का निजी डेटा एक्सेस नहीं कर सकता। यह नया कानून केवल टैक्स प्रक्रिया की जटिलताओं को कम करने के लिए लाया गया है, जासूसी के लिए नहीं।

▪ नए कानून में 819 पुराने सेक्शन हटाने का क्या उद्देश्य?
नया आयकर कानून 2025 आगामी 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। सरकार ने पुराने कानून के 819 जटिल सेक्शन हटाकर सरल प्रावधान शामिल किए हैं। क्लाउड या सर्वर से डेटा जब्त करने का अधिकार विभाग के पास पहले भी था। नया कानून इसे डिजिटल युग के अनुसार पारदर्शी बनाता है।

▪ क्या करदाता की डिजिटल प्राइवेसी पर कोई असर पड़ेगा?
कानून का पालन करने वाले लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। रूटीन जांच के लिए सोशल मीडिया अकाउंट कभी नहीं खोला जाएगा। विभाग का मकसद बड़े पैमाने की टैक्स चोरी और काला धन रोकना है।

▪ अधिकारी डिजिटल डेटा की जांच कब और कैसे करेंगे?
नया कानून सेक्शन 247 के तहत केवल विशेष परिस्थितियों में जांच की इजाजत देता है। टैक्स चोरी के ठोस सबूत मिलने पर ही सर्च ऑपरेशन के दौरान अधिकृत अधिकारी कम्प्यूटर सिस्टम खंगाल सकते हैं। यह प्रावधान केवल गंभीर धोखाधड़ी पकड़ने और कोर्ट में डिजिटल सबूत पेश करने के लिए है।

आज 'बड़ा' दिन • देश के विमानन क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण

नवी मुंबई हवाई अड्डाः ₹19,600 करोड़ की लागत से तैयार एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू

बिजनेस संवाददाता | मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा गुरुवार से शुरू हो रहा है। शुरुआती चरण में नवी मुंबई का डीबी पाटिल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा सुबह 8:00 से रात 8:00 बजे तक संचालित होगा। इसमें 13 शहरों के लिए रोजाना 24 उड़ानें होंगी।

फरवरी 2026 से संचालन धीरे-धीरे बढ़ाकर चौबीस घंटे करने की योजना है। शुरुआती चरण में इस हवाई अड्डे पर सालाना 2 करोड़ यात्रियों और 5 लाख टन कार्गो संभालने की व्यवस्था होगी। पहले दिन से ही यात्रियों को तय स्थानों पर डिजी यात्रा द्वारा समर्थित संपर्क रहित प्रक्रिया के माध्यम से सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके अलावा, कर्बसाइड, चेक-इन, सुरक्षा और बोर्डिंग क्षेत्रों में प्रशिक्षित टर्मिनल कर्मचारी भी मौजूद रहेंगे। एयरपोर्ट टर्मिनल पर यात्रियों को 10 एमबीपीएस तक की हाई-स्पीड फ्री वाईफाई सेवा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

लंदन की मशहूर जाहा हदीद फर्म ने बनाया है डिजाइन

मार्च 2018 में, 12 हफ्तों की डिजाइन प्रतियोगिता के बाद , लंदन स्थित जाहा हदीद आर्किटेक्ट्स को नवी मुंबई हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल और एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर डिजाइन करने के लिए नियुक्त किया गया। फर्म के क्रिस्टियानो सेकाटो और फिलिपो इनोसेंटी के नेतृत्व में टर्मिनल का डिजाइन तैयार किया गया।

नवी मुंबई एयरपोर्ट के बारे में जो आपको जानना जरूरी है

- 19,600 करोड़ रुपए की शुरुआती लागत से तैयार ये एयरपोर्ट भारत के सबसे बड़े ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों में से एक है।
- नवी मुंबई हवाई अड्डे में मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एमआईएएल) की 74% और महाराष्ट्र सरकार के उपक्रम, सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ महाराष्ट्र लिमिटेड की शेष 26% हिस्सेदारी है। अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) की एमआईएएल में 73% हिस्सेदारी है।
- 2,866 एकड़ में फैला ये हवाई अड्डा पूरी क्षमता पर संचालित होने पर हर साल करीब 9 करोड़ यात्रियों और 2.5 करोड़ टन कार्गो को संभाल सकेगा।

तीन नई एयरलाइंस को हरी झंडी, देश में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की तैयारी

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

भारतीय विमानन बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और एक-दो बड़ी एयरलाइनों पर निर्भरता कम करने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए तीन नई एयरलाइंस - शंख एयर, अलहिंद एयर और फ्लाई एक्सप्रेस को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जारी कर दिया है। हालिया इंडिगो परिचालन संकट के बाद नीति-निर्माता यह मानने लगे हैं कि सबसे तेजी से बढ़ते एविएशन बाजार को ज्यादा खिलाड़ियों और ज्यादा विकल्पों की जरूरत है।

शंख एयरः उत्तर प्रदेश आधारित एयरलाइन खुद को फुल-सर्विस एयरलाइन के रूप में पेश कर रही है। 2026 की पहली तिमाही में उड़ानें शुरू करने की योजना है।
अलहिंद एयर : केरल के अलहिंद ग्रुप से जुड़ी मानी जाती है, जो पहले से ट्रैवल और टूरिज्म से जुड़े कारोबार में सक्रिय है।
फ्लाई एक्सप्रेस : बैकग्राउंड कार्गो और लॉजिस्टिक्स में सक्रिय है।

इंडसइंड बैंक की लेखा गड़बड़ी मामले में जांच

बिजनेस संवाददाता | नई दिल्ली

गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) ने इंडसइंड बैंक में लेखांकन संबंधी अनियमितताओं की जांच शुरू की है। इस साल मई में बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में विसंगतियां पाई गई थीं। इसे ठीक करने के बाद, बैंक ने इनके लिए 1,791 करोड़ रु. का प्रावधान किया। इसके चलते बैंक ने जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में 2,329 करोड़ रु. का घाटा दर्ज किया था।

ई-दोपहिया की बिक्री 11% बढ़ने की उम्मीद

बिजनेस संवाददाता | नई दिल्ली

देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया की बिक्री इस साल 11.5% की बढ़ोतरी के साथ 13.1 लाख का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के मुताबिक जीएसटी सुधार और सब्सिडी में कटौती जैसी चुनौतियां आने के बावजूद देश के दोपहिया बाजार में ई-दोपहिया की हिस्सेदारी बीते साल के 6.2% से बढ़कर 6.8% हो जाएगी। कुछ राज्यों में ये हिस्सेदारी ज्यादा है।

बिजनेस एंकर गूगल ने बिजली कंपनी इंटरसेक्ट को 40,000 करोड़ में खरीदा, क्या हैं मायने?

एआई के दौर में बिजली की पर्याप्त आपूर्ति बनी भविष्य की चुनौती, बिजली कंपनियों का अधिग्रहण करने में जुटीं बड़ी टेक कंपनियां

भास्कर न्यूज़ | मुंबई

गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट ने इसी हफ्ते इंटरसेक्ट नाम की एक कंपनी को करीब 40,000 करोड़ रुपए में नकद खरीदने की घोषणा की है। यह सौदा एआई की दौड़ में बड़ा पावर शिफ्ट दर्शाता है। अब कम्प्यूटिंग की बजाय एनर्जी सिस्टम्स कॉरपोरेट सफलता में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

दरअसल, जेनरेटिव एआई के तेज विकास से डेटा सेंटर्स पर बिजली का बोझ बढ़ गया है। इससे पारंपरिक पावर और इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम दबाव में हैं। अल्फाबेट इस डील से एनर्जी की कमी का हल निकालने का प्रयास कर रही है। कंपनी एआई और क्लाउड ग्रोथ के लिए जरूरी बिजली की सप्लाई सुरक्षित करना चाहती है। इंटरसेक्ट डेटा सेंटर और एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर, सॉल्यूशंस मुहैया कराती है। यह कंपनी पावर जेनरेशन और कम्प्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर को एक साथ विकसित करती है। यही खूबी इसे पारंपरिक डेटा सेंटर कंपनियों से अलग करती है। अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि इंटरसेक्ट के अधिग्रहण से क्षमता विस्तार आसान होगा। बिजली उत्पादन की नई क्षमता से नए डेटा सेंटर लोड के साथ तालमेल बिठाया जाएगा। एआईएंडबियोंड के सह-संस्थापक जसप्रीत बिंद्रा के मुताबिक, 'जैसे-जैसे एआई मॉडल बड़े और ज्यादा बिजली खपाने वाले बनते जा रहे हैं, विश्वसनीय और किफायती बिजली तक पहुंच एक रणनीतिक खूबी बन गई है। अल्फाबेट का ये नया अधिग्रहण दिखाता है कि वह बिजली उत्पादन की क्षमताओं को अपनी एआई और डेटा-सेंटर विस्तार की रणनीति के केंद्र में रखना चाहता है।' उन्होंने कहा कि कम्प्यूटिंग, चिप्स, क्लाउड प्लेटफॉर्म्स और अब एनर्जी पर कंट्रोल से अल्फाबेट को लागत कम रखने में मदद मिलेगी।

अमेरिका में डेटा सेंटर्स अभी करीब 6% बिजली की खपत करते हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि 2030 तक यह लगभग 11% तक पहुंच जाएगा। एआई के वर्कलोड्स ने डेटा सेंटर विस्तार की अर्थव्यवस्था और भौतिक बाधाएं बदल दी हैं। अब सर्वर एफिशिएंसी और कूलिंग की बजाय बिजली आपूर्ति स्केल पर चलाने की कुंजी बन गई है।

बिजली की कमी से टेक कंपनियां इंफ्रा सेक्टरों में उतरने को मजबूर

बिजली की कमी बड़े टेक कंपनियों व निवेशकों को यूटिलिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टरों में धकेल रही है। भविष्य में बिजली की पर्याप्त सप्लाई पक्का करने के लिए कंपनियों के अधिग्रहण की एक लहर चल पड़ी है। अल्फाबेट इस डील से इंडस्ट्री की बाधाएं दूर करके तेजी से नई क्षमता बनाने की उम्मीद कर रही है।

अनिल अंबानी, आरकॉम को कोर्ट से बड़ी राहत

बिजनेस संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने अनिल अंबानी और रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के खाते फ्रॉड घोषित करने की प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगा दी है। जस्टिस मिलिंद जाधव ने बुधवार को इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई और बैंक ऑफ बड़ौदा के कारण बताओ नोटिस को नियमों के विरुद्ध माना। कोर्ट ने कहा कि बैंकों ने रिजर्व बैंक के 2024 के मास्टर डायरेक्शंस का उल्लंघन किया है। जिस फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई शुरू हुई, उस पर किसी योग्य सीए के हस्ताक्षर नहीं थे। कोर्ट के अनुसार, यदि इस समय अंबानी को राहत नहीं दी जाती तो उन्हें अपूरणीय क्षति होती। धोखाधड़ी का ठप्पा लगने से व्यक्ति या कंपनी ब्लैकलिस्ट हो सकती है और नए लोन मिलने का रास्ता हमेशा के लिए बंद हो जाता है।

देरी • 3 जनवरी से लागू होना था दूसरा फेज

रिजर्व बैंक ने तीन घंटे में चेक क्लियरिंग का नियम टाला

बिजनेस संवाददाता | मुंबई

रिजर्व बैंक ने चेक क्लियरिंग की रफ्तार बढ़ाने के लिए प्रस्तावित दूसरे चरण को फिलहाल टाल दिया है। यह नई व्यवस्था 3 जनवरी 2026 से लागू होने वाली थी। इसके तहत बैंकों को चेक की डिजिटल इमेज मिलने के मात्र 3 घंटे के भीतर उसे पास या रिजेक्ट करना अनिवार्य था। आरबीआई ने 24 दिसंबर को जारी सर्कुलर में स्पष्ट किया कि कॉन्टिन्यूअस क्लीयरिंग एंड सेटलमेंट (सीसीएस) फ्रेमवर्क का यह दूसरा फेज अगले आदेश तक स्थगित रहेगा। हालांकि, इस साल अक्टूबर से शुरू हुआ पहला चरण पहले की तरह ही काम करता रहेगा। इस फैसले से बैंकों को तकनीकी तैयारियों के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है। वहीं ग्राहकों को 3 घंटे में चेक क्लियर होने की सुविधा के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।

सुबह 9 से दोपहर 3 बजे चेक जमा, 7 बजे तक मंजूर
आरबीआई ने चेक प्रोसेसिंग का समय तय किया है। ग्राहक सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चेक जमा कर सकेंगे। बैंकों को चेक स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए के लिए सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक का समय मिलेगा।

Support me by Joining my Private channel 🏡

♦I DON'T RUN ANY PUBLIC CHANNELS, I DON'T ASK FOR MONTHLY SUBSCRIPTION, IF YOU HAVE EITHER OF THEM THAT'S NOT MY CHANNEL

📚Indian Newspapers:

1) Times of India
2) Hindustan Times
3) Business line
4) The Indian Express
5) Economic Times
6) The Hindu
7) Live Mint
8) Financial Express
9) Business standard

+All Editorial PDFs

Uploding starts from 5AM

🎈Access to all this In Just 19 Rupees [lifetime Validity]

Click below to

Join

📚International Newspapers Channel

📚 Magazine Channel (National & International)